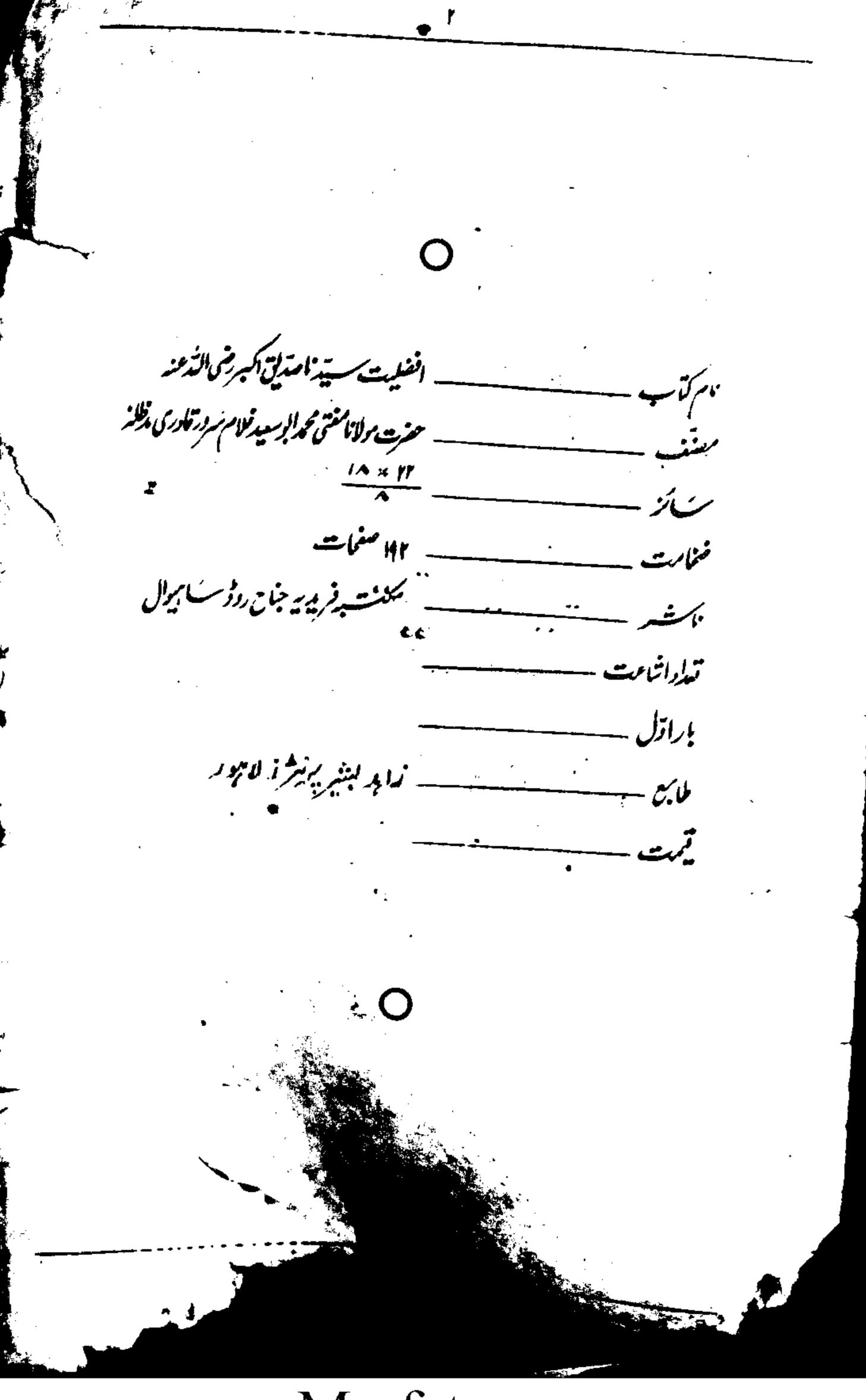
اور وركان وای مغرب كالمركان عواديد علام يسروا فالوى كلا



Marfat.com

|              |  | راك       | ر کور        | صرراهم لوكر                           | ソ     |  |  |
|--------------|--|-----------|--------------|---------------------------------------|-------|--|--|
| 1/0906       |  |           |              |                                       |       |  |  |
| صعونر        | نا م عنوان   | رشار      | مغونبر       | ن م عزان                              | مرتبل |  |  |
|              | حفرت ابر كمرصدين كي الاست  | rı        | ۳            | درض نا کسنسد                          | ,     |  |  |
| ro           | مدبیث متوا ترسع شابست سب   |           | 7            | انتساب                                | ,     |  |  |
|              | المنعفرت متى الثرهير والم كالمهت تايك                                | Yr        | د            | تعتديم                                | ľ     |  |  |
| 74           | الركومسدني في أغروز تك مازي ريمائي                                   |           | 1            | أستنتأر                               | 7     |  |  |
|              | وتحفرت متى الثرعيروسم ني ابونجريك                                    | 70        | ^            | خطبة آغاز                             | ۵     |  |  |
| 72           | شحیے نمازی پرصیں   |           | 9            | اجما لی جراب                          | •     |  |  |
| rg           | مد نیزر میں تعارض کار نع   | 170       | [?<br>       | حفرت اميرمعا ويكاب ادب بمنت           | 4     |  |  |
|              | مغرت الركرسك موسق موست   | 10        | j•           | فارچ ادر دوزخی سیم                    |       |  |  |
| ١٣٢          | کوئی اماست زکرائے  |           |              | تغصيني جراب بر                        | \ A   |  |  |
| سرس          | افضييت مدلق ميميري عديث  | 74        |              | اضعيب سيدنا مدلق اكرداك للمقلر        | 9     |  |  |
| ا مهم        | الميب مشيدكما ازاله  | 14        | 11           | ونقيرى ردشنى ميں                      |       |  |  |
|              | ومحمعرت متن التدميروس ني الوكر                                       | YA        | 11           | مستدتنغين حتسب                        | 1.    |  |  |
| "            | كوايا خيل بناليا   |           | 100          | مستدنغفيل معتوق مبادسيسي              | 11    |  |  |
| 70           | ایمه موال دراس کا جراب<br>زند میران میران                            | 14        | ,            | فغييلت ادر انضليت مي فرق              |       |  |  |
| 74           | ا فضعیت صدیق اکبر کی جرتشی معرمیث<br>رز در د                         | r.        |              | ففيدت مي مدرث معيف متهريج             | או    |  |  |
| P#/4         | ه به پانچور مدرت   | ۱۳۱       | 10           | مگر انصلیت میرنبین.<br>ر ر            |       |  |  |
| 74           | • ایمی سوال اوراش کاجراب<br>و بند مراس عدم مدینه                     | rr        |              | بى رن تربعت كى ايم مديث يرفضيت        | Im    |  |  |
| "            | انضیرت مسران اکبرکی عینی مدین<br>مرس مذه رسیمه قدا و فاد مد مرکزیرید | 77        | 14           | مدين اكراكب اعراض در اسكافراب         |       |  |  |
|              | مستد افغیری تعلی تعلی مرندی بحث                                      | mar       | 1^           |                                       | مما   |  |  |
| , <b>~</b> , | ایمیدموال اور اس کاجراب<br>مناقعا کم نشد                             | ra        | 19           | انفسيت اور قرآن عيم                   | 10    |  |  |
| <br>         | مسائل تطعید کاتشمیر<br>عطعی الاصل وظنی الکیفت                        | رب        | γ.           | ا کیب مشبر کا افرالم<br>دروره سیستاری | 14    |  |  |
| 44           | تعمی الاسل المبیعت<br>تغمیل تغفیل                                    | PK<br>PA  | ן אין<br>אין | ناتمایل تردیددلائل<br>ایمسسشیدگا زاله | 16    |  |  |
| -            | افضل سے کیا مراد سے  | 7.        | 17           | ایمدام امرام ادر ام کا جراب           | 14    |  |  |
| 77           | امِسنت کی عمل بات  | <b>7.</b> |              | انفسيب مدن اكبرادر                    | 7.    |  |  |
| -            | جس نے مجے ابرکرادرعرفالڈمنہا   | 11        | 70           | احادث مشدريذ                          |       |  |  |
|              |  |           | 1            |                                       |       |  |  |
|              |  |           |              |                                       | •     |  |  |

| ĺ | مخزر       | مام عزان  | نبرشار | مغربر      | یام حزان   | نبغ         |
|---|------------|---|--------|------------|--|-------------|
|   |            | معم قرآن مرطبینین کا اضعیت                                  |        | •          | انفس کم میں اُسے بہتان ترامتی کی   | <del></del> |
|   | 44         |   | 45     | ا<br>مدر ا | · ·  |             |
| I | **         | عوم قرآن کی دونسیس<br>دور در دور مادر در داری               | 1/     | 7          | مزادون کا ۔ دحفرت علیٰ<br>مرکز در میں                                      | 1 1         |
|   | 96         | ا تا مدینه تعلم ومل با بهما کی محت<br>تعدید در مدین برکرافت | 70     |            | آپ کی امت میں سے پینے جنت<br>ر من من الک   | ("          |
|   | 44         | تتوي داتباع شربيت بيئين كانفعيت                             | 44     | 10         | یں ابر مجروافل ہوں گے۔   |             |
|   | 4.         | زمروترك ونامي مينين كافضيت                                  | 44     | 44         | حفرت الركرتام مبتنون كروار<br>المراز المرتام مبتنون كروار  | سوم ا       |
|   | <b>4</b> 1 | زمری تعربیب<br>میران میراند                                 | ٧^     | 2          | ایمید سوال اور اس کاجراب<br>ر  | 77          |
| l | "          | معفرت الويجر مديق كازم                                      | 79     | "          | ایک اورموال اورائس کاجراب  | 10          |
|   | 44         | معفرت فادوق اعظم كازېر                                      | 40     |            | آب کے چاروزیر بی دورین پر اور  | 14          |
|   | 40         | ايك تعابى جائزه   | 41     | 1/4        | در آسمان پر  |             |
| İ | İ          | مدقه والغاق في سبيل الكه بي                                 | 44     | 19         | رف واد ترتيب كافائده ديياب   | 14          |
|   | 44         | مشيمنين كى ففيلت  |        | ٥.         | مرش کیائے پر تکاسیا  | M           |
| l | Į          | خاه فت دحمن سياست يمن يمنين                                 | 4      | ,          | بيرتزازداعثا فأكن عجيب تواب  | 109         |
| l | 24         | ک انغلیت  | ì      | 00         | ايمه سوال ادراس كابواب   | ۵.          |
| l |            | الركبرصدلق وفاروق انغم ض التعني                             | سمي    |            | جب مرف دلنت مي تشارض مو تو   | ا دھ ا      |
|   | 4.         | كانضيت  |        | ,          | ترجع موند کوہرگ  |             |
|   | AI         | من عل قاری کی بهترین تشریح                                  | 13     | 300        | ويسيرموال ادر بواسيت   |             |
| ŀ |            | حزت الريجرمدلين كاسب سے                                     | 44     | 00         | متوتنفيل مي مقائن كانتبي   | ا ۱۵        |
|   | Ar         | انفل برنا تعلى سبج  |        | 4          | انفىيىت. كى بنا ماستدهوں پر  | 30          |
| l | 490        | ارست دعرست اعظم   | 46     | "          | جهار من شیمین کی انفییت  | امما        |
|   | 44         | ارشت وامام عزال   | 60     | 24         | جهاری تین قسیس   | 24          |
|   | "          | ارت د امام ابراللیث تمرتندی                                 | 4      | ا دد ا     | ابر کر دهر میرسد کان اورانگیس نیں  | ٥٤          |
|   | 10         | تغنين المرك يجي نماز كرواتحري                               | ۸.     |            | ابربردسر بیرست مان بود مین بن<br>ست زیاره بها دراز کرستے دحفرت می  |             |
|   | ,          | • - ,   |        | ],         | - , ;  |             |
|   | 4          | محق الدين ابن العرب<br>مسيدي محدورضى التدعنه                | Al     | "          | عوم عار بي تينين كى انضليت<br>مدر من من الله من تعدد   | 24          |
|   | АЧ         | مزت الركرمدان ك انفليت كابيان                               | ~      |            | مع مي زيا دي ي دو سورين<br>ما رو : حفد عوالميده كالمشخص  | 4.          |
|   |            | مداراتها فيعنفضد بريك                                       | 4.6    | 490        | الدندان معراج مواجه الما المراد الما المراد الما المراد الما المراد الما المراد الما المراد الما المراد الما ا | 41          |
|   |            | יו בת חשוב וב אפת די נו על מני                              |        |            | وه رو بلا معنت و اورهز منه متمان نے  | 44          |
|   | A4         | كريب سے اضل انتے سکے۔                                       |        | 400        | الانكرانية الانكرانية  | "           |
|   |            |   | 1      |            |  |             |

| يوال        | 0        | () Ben ()  | 1//-   | ، لوُ | 1/2/  | NE            | j        |
|-------------|----------|--|--------|-------|---|---------------|----------|
| <u> </u>    | أمزز     |  | أرفي ا |       | ****  | 1 24          | <b>.</b> |
| r           |          |  | 17     | 1,5   | مع مزان   | نبرتار        |          |
|             | Irr      | امتزاض وبواب   | 4.     | ^^    | مغرت محدين مغنيه كالمختفرتها رن                     | Ad            |          |
| ,           | <i></i>  | ا مرّ اس وجراب   | #      | *     | مدیث دوم مالا                                       | A4            |          |
|             | ויוי     | امراض دجراب  | ar     | 49    | مدرث سوم ملك  | 146           |          |
|             | 100      | احرّاض وجراب   | 119    | 4.    | مدیث جهادم مطا                                      | AA            |          |
|             | 174      | احتراض وحواب   | ne     | "     | مديث پنج ملا  | 14            |          |
|             | 1        | ا مرّاش ویراب  | 110    | 91    | مدیث سفاشم منا                                      | 4.            | -        |
| - 1         | 184      | اعراض وجاب   | 119    | 91    | مدیث مبنتم عط                                       | 11            |          |
|             | IFA      | خطا اجتبادى كانسين   | 114    |       | تغنيس مونى على رمنى المتدمنة كا كاكن                | 91            |          |
| 1           | 79       | منت ہے برآت  | IIA    | 94    | رانغی شیح.  |               |          |
|             | 10.      | المام بدرالمنت والترمن كالتنبير  | 119    |       | بو مجع الركروم سے انصل نبائيگا                      | 15            |          |
|             | 171      | امام طری کا غرب  | ır.    | 96    | یں اسے کرنسے اروں کا دخرت علی                       |               |          |
| 1           | 77       | نف كل معزے ايرمها درمي الدمن   | 141    | 94    | منيه ن كرنه كاحتيره                                 | 91            |          |
|             |          | أنمغرشت متل المذيميروسلم كى  | 189    |       | وت ايرمادر بإمرافات ادرار                           | 10            |          |
|             |          | ون سے حزت ساور کے  |        | 44    | مراا ت  | <u> </u>      |          |
| 19          | 79       | سنة مكومستشكى وعا  |        | 1-1   | ا مرّاض ادّل  | 41            | ĺ        |
|             |          | وعائدة أنحعزت متى الدميرومتم   | 140    | 1.3   | ا مرامنی درم  | 96            |          |
| 14          | ا ماء    | معاویه پرکوئی خالب زاتیگا  |        | 4     | احرامل سرم  | 44            |          |
| 18          | 0        | کا تب دحی  | 110    | 100   | احراض جبارم   | 11            |          |
|             | "        | خال المرمنين رير   | 110    | "     | امتراض پنج  | þø            |          |
|             | 1        | معزت مهادير كمكود ك  | 174    | 110   | امتراض ششم  | 14            |          |
| ir ir       | -,       | ناک کما غیار   |        | #     | بهری ایخ دشن زاموم نے کوری ج                        | 1-1           |          |
| <b>}</b>    |          | معزت معاویہ منتی ہی  | 11%    | 118   | احتراض منبتم  | 1.10          |          |
| į.          | "        | وحفرت على كايسنيام   |        | 113   | امرام وبراب   | 11/           |          |
| ٠,,         | r's      | رازدار مغيرمل الله عليه وسع  | 114    | 114   | حنرت ابر معادری یزیدکو وصیت                         | 1.0           |          |
| :<br>!<br>! | 2        | ادی ومبدی  | 174    | IIA"  | ا عام بواسحال اسغرائن                               | '+¥ '         |          |
| •           | ,        | مرضوآخر  | 1940   | 119   | او- من دجراب  | •• j.         |          |
| 14          | ra       | نفائل ومناتب احل ببت   | 171    | 141   | واقع حبل وصفين وبخط                                 | 1. •          |          |
| 10          | <b>"</b> | فرنيت كرى كالكه البيب مي   | وحوا   | irr   | ا معرت امیرمها در مجتبد شده ادران می<br>اجتبادی تنم |               |          |
|             |          |  |        |       |   | <del></del> , |          |
|             |          | The state of the s |        |       |   |               | · ·      |
|             |          | A STATE OF THE STA |        |       |   |               |          |

| ı |
|---|
|   |

| <u></u> | <del></del>               | <del></del> | 7    |                              |         |
|---------|---------------------------|-------------|------|------------------------------|---------|
| مغرنبر  | نام منوان                 | نبرتمار     | مزنر | نام منوان                    | برشار   |
| 169     | فانير                     | 106         |      | اب بعربال مهاممب كاآل ياك.   | 111     |
| 160     | ومزن اننانت ن             | 104         | 199  | ہے ترسل                      | -   ''' |
| 144     | 11,5                      | 104         | 100  | زمر بن سارير                 | مهرا :  |
| 16A     | را دامین فری              | 14+         | 194  | زمركوام لرمنين كينيواك كأمزا | 110     |
| 1       | تقس                       | 147         | IMA  | مام بن حجرمسقلان كى داست     | 1 144   |
| 169     | على تورمدان مبيالكوث      | 147         | 10.  | سوال وجراب                   | 1142    |
| 141     | کراچی<br>ار چ             | 19 pm       | 101  | مديث تسطنطنير كاجراب         | 11.7    |
| /AY     | 2630                      | 190         |      | معتنين عماست كالم دحاميان    | 4       |
| IAT     | راولىينىشى ي              | 140         |      | دين مثين وتقها ومشاريخ عظام  |         |
|         | //                        | 144         |      | کے نتاری شریفیہ تصدیقات      |         |
| IAP     | مسندھ<br>ن                | 144         | •    | وتاكيدات منيغه               |         |
| IAD     | س مرال                    | 140         | 100  | فتزئ مبارك بريي شريعي        | 10.     |
| 144     | مشرتشي رشرتعيب            | 144         | 104  | فتومى بهاوليور               | 10      |
| 146     | برره مترتیب               | 16.         | 106  | 1910 11                      | 188     |
| "       | ست میرال                  | 141         | 10 A | بجرات                        | 100     |
| 14.4    |                           | 164         | 104  | لاکل کیور                    | 199     |
| IAA     | دار انعمام توب<br>مندن    |             | 14.  | عبيدرة ياد                   | 100     |
|         | منتيخو لوره               | 160         | 197  | ست بروال                     | 184     |
| 4       | عبرات<br>سياكوث<br>سياكوث | 160         | 144  | 1261                         | 182     |
| 119     | ميازال                    | 144         | 140  | 15,0                         | 1/4     |
|         | مظفرگزم                   | 16.6        | 194  | دُيره غازي فان               | 119     |
|         | الله المناحي              | 160.        | 146  | أمتا زعاليه سيال شريعي       | 10.     |
| 19.     | 15,00                     | 11.5        | 144  | گرده شریب                    | 101     |
| 4       |                           | 41          | 1/4  | متان تركيف                   | 101     |
|         |                           |             | 161  |                              | 100     |
|         |                           |             | 161  |                              | 100     |
|         |                           |             |      | نائ ارش الت                  | 100     |
|         |                           |             |      |                              |         |

لغير عمراوات لوراى فحررى تترورى

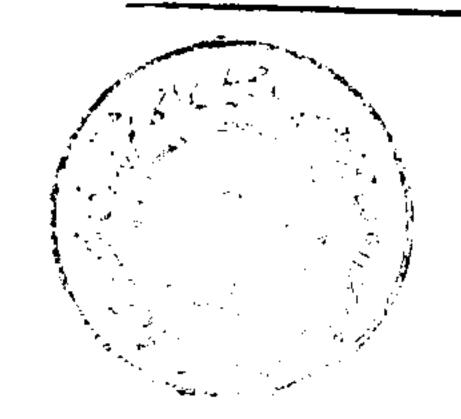
# 

المعدللة ثم المعدللة مستنبرين اساعد مالات كي اوبرو قارئين كي فدمست مي کیپ ادر ایری تا سبهیشی کرسنے کا شرف مامل کرد اسپے جس کی ایمیب عرصه سسے تاریمی شخصت ایک ادر ایری تا سبہیشیں کرسنے کا شرف مامل کرد اسپے جس کی ایمیب عرصه سسے تاریمی شخصت سے علب تنی مستند فرید ہے معن وجود میں آنے کی غرض وغایبت ہمی بہی تنی کہ علمارالمسنست ك گرانما يرتصانيعند مي اليفاست كرمنظر عام پرلاکر عامته اسلين کی دينی خدمست کی مُلسَنَه مجده تعالیم رادران سب است مست کواه بی کریم اسینے اسب نیک متصدین سنگی دا دان سکے بارجرد رارسیشیں تدمی کرنے ہیں۔ مولانامنتی محدالرمعیہ غلام کسکے در قادری المبتدعت کے مقتدر علی کے کام م سے ہیں آب نے سیندنامتی اکر من النون کا انصنایت اُور مفرست امر معاویہ دخ النون كي فعنيات پريدايت تعنيق سا كارميش فراكرام ننت كى بهت برسى ديني فدونت انجام دى ب الذَّهاسيط مومونس كي كمِسس مدرست كوثرنب قبول سختے آبن كرتسب بين تربحتينات ترفينات كرديا بهائت كشفي دو تواني كرب مثال بي بي سي گراخري المبنت كم متنت م ملاركام كى جوتصدلياست ونتاوى بن ان سي كتسب هذا ب مدائميت وامتيازى شان ک مال قرار یا تی سنے۔ الندتھا سلے سے وعا سے کہ برادران سالم کرہسرک تاہیے زیادہ سے زياده إستناده نصيب مو- أمين

منقط الالعطارا فط العمدات لى جنتى كسيالوى الدالعطارا فط العمدات لى جنتى كسيالوى معتبر فريديد بنائ رود رئما برال معتبر فريديد بنائ رود رئما برال مرسد وارجادى الإولى منتب



رياست شرمير كيميرويل ، كارتب عبد إلنب ثان ، مارنب إكل وتيوم زمان ، ت دمداقت ك نشانى \_\_\_ نرىيدتى اكبرن النيمز صنرت عامر تاه استداداه امداد و بن ك مدارت ومرابي معية العماري من كالحرابُول والربمل والزيولي. ن جن ک می گوئی و میاک سے مدر مینی کوجام سنداب جوز ، پڑا۔ O بمن کے نعروی سے الاین اسلی درودلارلز ائعے. ن جن كى مدائے خت نے قراب مرک لازدال بریداری فرشسی۔ ص جن کاحرارت ایانی د تحربیانی نے قست کے ہر بر فروکر تی بنا فیفلام اسلامی مخط المع مسة تدونه كامع بنين رُوافت كريم بني. ع گرتبل انست زسب مزومشوت خادم جمعية الحالم بأكستان مَلِ عَامِعَ وَيُلِيدِ شَرَى إِلَى اَوْلَاتِهِ وَمَا بِوالْ



بعفر صنى المتراك المتراك الترصلي السنت عليه وسلم تصحصرا بركوام دنني الترعنيم كو م بر مرکز گاب و نیاسے مگرمیں توان مرمیان موک البذن وجاعن کا انسوں ہے والمدنت وجاعن کا انسوں ہے والمدنت كالباده ادر صركالمسنت مي كفيرست من المركج توعالم وعارف كهلات -- امسام المسنت مي ا متوں اور خطابتوں برناز- ان سے تنخواہی ، ندا سنے اور مدبے دسول فرماتے ہیں کر نما۔ طلالی برعم سے کوان بیلیسے عوم ساوہ لوہ ن ان بیصوں اور کم عمر سنبوں کو رسول المرصل الله عليرو كم كصحار كرام بالحضوص صفرت امرمواييس وبعنان منى الأعنها سے بعقيده اور افضى نانه یی کمنهی حیورت، برلوگ بیط توسی البین کا فرمنی وم محرکه حضرت ابو کرصدل و عمرفاره ف صنى الأعنها مصصرت على مم الله وجرك افضل مون كالمرابارة عقيده بجبلاكروم كتعفيل شعدناتي برنض ورنسي كالبياز بهندي اكسني مهان كوئن موين سيفارج كرك تفعنيان تبعداور يمتى كردتياس اور ميرصرت على اور مضرت المبسياد برصنى الأعنهما كسك ورميان موني والمصاف كورطب وليسس اورسيخ حجوت الرنجى وافعات كأمار كي مي عوام كرول و ماغ براليا والحقيق كه و وصرت مبرمعا وبرنسي النّه عندست بعفيره موكرجهني مو

ایے بری بیم نهاد مولولوں فارلوں اور پروں سے مجھے بحث و نبحبت کرنے کا اتفاق موا اور اراج بام سے ایسے لوگوں کے ارسے بس مجھے سے فتو سے مجھ طلب سکے گئے کہ اسس طرح کاعذبرہ رکھے مراسے میں باشیعہ اوران کو امام نیا یاجا نے باز بمجر کھیہ ودستوں



ا اسرار مواکد اس مرک کا اس مدل مجنب نفعیس کی جائے جس سے مرتبہ کوکہ بہات کا محل طور پرازالہ ہوسکے مجابدا سے شیعے عقبہ الحکے سے معاجب تعشیدی عبدوی وامن برکاتھ کی معاوس نقشیدی عبدوی وامن برکاتھ کی معاوس نقشیدی جب وامن برکاتھ کی معاوس نقشیدی میں نے مسلم تعفیل شیغین کرمین اور سینظ علی الم تعنی دابیر معاویر من الدم نها کے در مطبق مولی الم تعنی وار سینظ علی الم تعنی دابیر معاویر معنی الم معنی معلوم کا جامی والے اختلاب کو می محالی الم منظر اماکہ کرکے قرائ وسنت کے مطابی الم سنت وجاءت کا اجامی منظر اماکہ کرا ہے مولی میں بیان کروبیا ہے۔ جوایک جامع میں منظر ایک میں منظر اماکہ کے ایک میں میں بیان کروبیا ہے۔ جوایک جامع کا برب موکر دیا ہے۔ جوایک جامع کی میں میں بیان کروبیا ہے۔ جوایک جامع کی بین موکور تا ہے۔

علاده ازب اندون ادر برون لک کے جل القد اور سلم علمار کوام و مشائع عظا البنت اور مقتین دین و فریت میں نتا و سے لک اگر اور برے محرس کر جین کے ، جن سے یمک تب محدن و مور پر کر جو این حق کے میں نتا و محدن اور برے محرس پر حجب عظمی واقع موئی ہے بکہ اگراس موضوع برنکھی جانے والی کا برس اسے نظیر اور ایک انتیازی شان کی حال محباجا نے نویجاز ہوگا برنکھی جانے والی کا برس اسے نظیر اور ایک انتیازی شان کی حال محباجا نے نویجاز ہوگا اللہ مقبل من حدال اللہ مقبل سن حدال اللہ مقبل اللہ اللہ علیه الصالیة عمال المنظاب علیه الصالیة والد مدمع آل و صحبہ الکورام

نیرنادری مختطاع مستروی معطفوی آسابت مفتری د مدرست در در برازانعسادم مان شهر مررم بربرازانعسادم

## كي فرات بي علماركرام المن مثلمين كر

ا ۔۔۔ ایک سنمن صرت علی کرم اللہ دجہ کو صرت الوکر صدیق دعم فارق رضی اللہ عنہا ہے افضل سمجہ اب باب سغبان رضی اللہ عنہا کو تیا تا ہے کیا یہ دونوں اللہ عنہا کو نمائت کہتا اور ان کو ٹیل بنا آ ہے کیا یہ دونوں سنمن المبنت و جاعت سے ہو کے بیں اور کیا ان کو المبنت کی مماہد میں افامت و خطا بت کے لیے رکھا مائے یا تہ ۔؟

ببينوا بالتحقيق والتفصيل أوجبر وامن الزب الجلل

الولعطاما وظاممة على ميت ميالوي معليب فريدا ون سابوال معليب فريدا ون سابوال

### الجوب فيندالبداية والصواب

# والمرانان

رسم الله الرحلى الديم الحدالله وجعبه الذين منقصم ومبغضهم من حبيبه سيد الموسلين وعلى آله وجعبه الذين منقصم ومبغضهم من الفاسقين اما بعد ولل الله تعالى في كمتابه التحديم لآيت كَن مُن مُن النُن الله تعالى في كمتابه التحديم لآيت كَن من من من النُن من النُن الله تعالى الله تعالى في كمتابه التحديم لآيت كَن من من النُن النُن النُن الله تعالى الله تعالى النه المن من النه المن من الله تعالى المنه المن من الله تعالى الله تعالى الله تعالى الله تعالى النه تعالى الله تعا

### (سورة الحديد أيت ١٠)

الدك ، م سے شروع جو بہت بڑا مہر بان رحمت والاہ ، تمام تعربین الله ك بين برتم مجانوں كا بالئے والاہ اور مسلواۃ وسلام فازل ہوں اس كے عبر بربر برمم رسولوں كروار بي اور آپ كى اس ال واصحاب برجن كى شان اندر سرم بربر برمن كروار بين اور آپ كى اس ال واصحاب برجن كى شان اندر سرم بربر برمن كى دوران سے بغض ركھنے حالاتا سقوں سے ، الم ابعد الله اندر سے بار برم بربر فرما ہے ۔

Marfat.com

" نبیں بی برارتم میں سے دہ بہوں نے سنے کی سے بیلے راہ خدا میں خرج اورجهاد كيا- يرلوك ورسع مي ان سع برع بي جنون في بعد بي خرج ادر جهادكي اورسي الأفي حنت كادعده كيادرالله تمهارك كالموكى باخرس

امورت مدیداُبت ۱۰)

ادر رسول الخرصنى الأعليه وسلم في فرايا " جب فننے اور بعتیں ظاہرہوں اورمبرے صحابہ کو ٹراکہا مانے لگے توعالم کو ما بي كراي على وظامر كري موس في الساري قراس برالله تعالى فرستول إر نام اوكون كى لعنت ہے بنہيں مشبول كرے كالند تعاسلا اس شخص كامد ذاور

## الحالى وات

انبياره مرسلبن كے لعدتمام مخلوت الہی انسانوں جنوں اورفرسشنوں سيافضل مسبيدنا صديق اكبرض الأعمز يمن بجرعمرنا ون اعظم منى الأعدز بيعثمان

رن قضيلت برترتيب خلاف المنت مركب اوراس كامكرالمبنت ماريخ

منى منى الله عنه بجرمولاعلى كم الله وجه تشخين كربمين تعن صنرت الوكرصدين وعمزنا وتل صنى الله عنها كو تمام صما برست انفل ان المبنن وجامعت كاجامى غيره جداس لمئے بينخص حفرن المراكم الله وجه يكى وسرسص إلى كوصديق يا فارق صنى الله عنهاسي نفست بالمجع كراء بدندب ادر

اله حضرت خطیب بندادی دحمد الوطیر فراسای کا بالع معین داب الدی دالسامع بین ر مسندور وابت كيسه رفاله الام ابن حرامى في الصواعة المحرفوسة



المنت دجا عت سے فارج ہے اسالم نت کی مراحدیں زام نیا یا جائے اور د نظیب کجز کر وہ فائن الغیرہ اور نفض کی مست بعد مونے سے امام منت کے فالی نہیں ہے۔

محمی صحابی کیسا تخدین اور سووعتبدت یعن راعتبده رکسنا بدندین کمرای اور وزی مونایس مجرو کوده اصل صغیر افد مسسوسل مونایس مجرو کوده را مل صغیر افد مسسوسل الکه کلیروسلم کیسایت بعض اور سو عقب سیست

(۱۷) مصرت امیرمعادیه کافیادب الم زیسے خارج اورد وزخی ہے! الم زیسے خارج اورد وزخی ہے!

ایستف انسی به اگرجرجار دن خلفارکو ما نے اور اپنے اُب کوئسٹی ظاہر کر ہے الحضوص حسنرت البہ معنوں کے الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں الدا میں ہے کہ کی شان بی گستا می کرتا با نے برا عقیدہ رکھنا کہ اور اضی تبہرا اور نض ہے جو اس کا قائل ہوا در ان کی شان میں گستا می کرتا با نے برا عقیدہ رکھنا ہو دہ راضی شیعہ اور البنت سے نمارج ہے اس کے اس کی امان وضطابت ما مائز ہے

# تقصيلي واب

اس سید میں ہم قرآن وسنت کی روشنی میں خص اور مال جواب مرض کرستے ہیں جس کے بغور مطالع سے بعد کوئی طب لیم سکھنے والا انسان انحراف وانکار کی وادی میں بھٹکے بھرنالیسند نرکرے گا۔ آخر ہیں طک اور بیرون کاسے جید علمارکوام کی تصدیقات و تصریبات ہی لاکن دیر ہیں۔

# فعلین می این می

عقل و محدار المعلق المورن على المائة المورون المعلق المورون ا

ای باری مسئوے بنیتر دبی کا دجود انتهان لازی ہے ، اس میں کوئی شکس نہیں کو اختلات ایک ندنی امری سے می اس میں کوئی شکس نہیں کو اختلات ایک ندنی امری سے اس می کوئی شکس نہیں کو اختلات ایک برائے کوئی امری سے می امری سے می برنا منروری سے ورزوہ ایک فاری امری سے کی برائے کوئی اور کھڑی خاریات کا اور کھڑی خاریات کا ا

سی ما رزیجن سار اسی می این اسی می اسی می می مناب از بی می البینت سے فقات کوری کوری اور گرای انبین سے المبین و می من کا سبیدنا الوکر و می افتیع ان کے بعد بینا عمران و قل و می افتیع ان کے بعد بینا عمران و قال کی می افتیع و قال کی می افتیع و قال کی می افتی و قال کی با برسے جو لاج اب اور ان ان تر در پر چیشیت کے حال ہیں اس کے میکس شبعوں کا خیال می و می کے سوا کی نہیں ۔

بہاں دو بین خوب ذہن شین رہی اول رکمسٹار تفضیل حق سے اور

مستر تفقيل مي

زان دهدبیشسے ابت سے تعفی اواؤں سے سنے بیں آبہے کہ حضود اکرم میں الاعلیہ دستی کے اسے کہ حضود اکرم میں الاعلیہ دستی کے تنام می درکام میں کوئی کی سے مرتبے ہیں برنھ کوئی ہیں۔ کیساں مرتبہ ہیں کوئی کھا۔ نیم میں کہا ہے نے مدرجہ ذیل کست عربی ہیں کہا ہے۔

مرنب باران می وی فرق مهم ان جازای

لاج ل ولا فرة الا بالكّرالعلى العظيم بمرام قول كم كم يُعترل اللّ مثل جلست تويد قرآن ومديث ك يحذيب أدم

كفري نزان مجابم اشاوم واست

لاَيسَتَوِى العَسَاعِدُونَ مِنَ المُومِنِينَ غَيُرُ اولِ الضَّرِدِ وَالْحِافِيدُ وَنَ فِى سَبِيلِ اللهِ بَامُوالِهِ وَالْعَسَيْفِهِ لَمَنَظُلُ سَبِيلِ اللهِ بَامُوالِهِ وَالْعَسَيْفِهِ لَمَنَظُلُهُ وَالْعَسَيْفِهِ لَمَنَظُلُهُ اللهُ الْحَبَاهِ بِيَنَ مِامِقَ الْمِيهِمَ قَالَعَيْمِ مَالَعَ الْمَيْمِ وَالْعَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَى وَالْمُعَلِيمُ وَالْعَلَى وَالْعَلَيْمِ وَالْعَلَيْمِ وَالْعَيْمِ وَالْعَلَيْمُ وَالْمُوالِقِيمِ وَالْمَعُولِي وَمِنْ وَالْعَلَيْمِ وَالْمُولِ وَالْعَلَيْمِ وَالْمُ وَالْعَلَيْمِ وَالْمُؤْمِلُ وَالْعَلَى وَالْعَلَى وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُولِي وَالْمُعُلِيمُ وَالْمُعْلِيمُ وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُعْلِيمُ وَالْمُعَلِيمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعِلَى وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعِلَّمِ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعِلْمُ وَالْمُعِلَّمُ وَالْمُعِلَّمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَلَيْمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُؤْمِلِي وَالْمُعِلَى وَالْمُعِلَّمِ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُؤْمِ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُوالْمُوالِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعِلَّمِ وَالْمُعِلْمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعِلَّمُ وَالْمُعُلِمِي وَالْمُعِلَمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعْلِمُ وَالْمُعِلَمُ وَالْمُعُلِمُ

رترم رارنس دوموان کرنے مدرجهادی بیرری ادر ده کرراه زیرا بس این اول اور مازل سے جاد کرتے بیں اللہ نے است مافی کورماؤں سے جاد کرنے دالوں کا در حر بینے دالوں سے جاد کرنے دالوں کا در حر سے مبلانی کا دعدہ فرایا ادرات نے جہاد دانوں کو جیعنے دانوں پر ٹرسے تواہب منیدت دی اس کی طرف سے درجے اوراث نے اورات کے اورات کے اورات کے اورات کی اس کی طرف سے درجے اور پی اور اسٹ دینے درال مسمدان اور دراسٹ دینے درالا مسمدان

دَعَدُ اللهُ المُسَلَّىٰ لَمُ وَنَصَّلَاللهُ الْمُسَاءِ وَنَصَّلُاللهُ الْمُسَاعِدُ الْمُسَاعِدُ الْمُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ المُسَاعِدُ اللهُ عَلَى المُسَاعَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ

اسورۃ نیا آیت 40-99

ای اُرت بی داخی ہے کہ میٹر رہنے والے اور جہا و کرنے والے را بہرا اور برکری فارکی ورب را برکری فارکی درب را برنی اور برکری فارکی درب رہے اور برکری فارکی درب رہے اور برکری وربی نے اور برک کی تعبیل اور برب کا آوا ب بائیں سے کہا در کے درب ورب کے اور برب کا آوا ب بائیں سے داردہ ماکل ہے مگر بی سب مبتی ۔

ودىرى مگرارست د ہے.

وَ يَوُنَيْ عَلَى اللَّهُ مُلِلَّا مُعَلَّمًا مُعَلَّمً مِنْ الرووم مِنْ مِيكَ والم كُونَ كُانْ لَا

(مورة بود- أبت س) و عالم-

یعن جرسنے دنیا بی اعمال مدالی کے ادراس کی نیکیاں زیادہ ہوں اسے انٹرتعاسے عموں کے ماہر درجہ دسے کا بعن مبری کی نعنیدن عملیہ موگی اسے جنست وی نعنیدنت ورجہ حال موگی ۔

تبري مجرارات وس

وَلَا يَاكُنُكُ اَولُوالْفَضَنِلُ مَبِنَحِثُمُ مِنْ فَيِنِتَ مِنْ اورَتَم دَكَما بَى وه جِ تَم مِنْ فَيِنتَ وَاللهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّ

به آرمن صرحت او کومندین اکرمدین رضی اندعهٔ کی شان بی ازل موائد اس بی امند تعلید نظر او افغانسسل دنفیدات والا) کهدکرا ب کی نفیدات کومنسوس فراویا ، مهارامفعود می نابت کرمهما بین تفاضل مشهب خبير (سورة مديد أيت ١٠)

اس أیت بی نباباگیا ہے کوجی صحابہ کرام نے نتے کی سے تبل خرج اور جہاد کیا جب کر سے میان کم اور کھرا در تنے دہی جہاجری وا نعمار ہیں سے سابقون اولون بی وہ مرتبہ بی صخرات سے برم کربی جہوں نے نسنتے کے بعد خرج اور جہا دکیا جب کرم لمان نسبتا زبادہ اور طاقت وستے برم کربی جہوں نے نسنتے کے بعد خرج اور جہا دکیا جب کرم لمان نسبتا زبادہ اور طاقت وستے اس کی بین میں میں ایک ایک انعمار تابت ہوا نیز جو کہ بیا بیت سے تعامل صحابہ تابت ہوا نیز جو کہ بیا بیت سبتہ، میں ایک ایک انعمار تابت کی دلیل می مغربی ر

ان چارس ایز رسی میمار کرام پی تغامنسل گری کا بین تومنت سے جم کا کوئی مسلمان ایمادنیں کرمسکت اس طرح مسنستر تغفیرت کی معیرست فرآن کیم سے تا بہت ہوئی ۔ فلڈ الحد

دوسری باشت بو فربن نشین بونی چاہیئے وہ یہ با کومسئوتفنبل حق ت عبا دستے ہے جس بس کوتا ہ موگی نوخدا تعالی مجامعات نرخواسے کا حب مستر تفضيل خوق عباوسه نفيدن ونفيل في من وترق مفيدن وراهيل في من وترق

المساكر نود مها حب حق معات د كرسه كا- الاجال كانفيل يرب كرد

ارنے ہے جوم کا مدال یا حلال کو حرام بنا اور مذا تا موادر مذی کی کائی نفف مزید و فرنسکر وہاں کی محروث یہ بیشرے کی مفاحلت کا المبشرة ہو، انسان کے نفا کی امرال کے نفا کی کا حراب بین بن فرکوں کی نفیات تغییل یا جمالی طور بردالا کی حجرے نابت ہواگران کی کوئی نام صفت مدین ضعیف فرکوں کی نفیلت تعیم اس کے خلاف نہ ہواس صدیت ضعیمت کا مقبول مونا تو بالکل الابری تا میں اُما ہے اور کوئی صابت میں موادیت میں حراب کا درگوں کی نفیلت حب احادیث میں حدیث ایت ہے تو یہ حدیث صنعیف ان کے موادی کی موادی کی موادی کا کہ وہا کے موادی کی مائے ہوئی فائدہ ہی فائدہ ہی فائدہ ہے کہ است حدید کا مذہ ہی فائدہ ہی فائدہ ہے۔

اگر کوئی مدبیت میچ زموادزنها صدبیت نبیت می نعبیت بی ا مباست سامته بی کمی مدبیت میچ کی مخالفت بیمی زمود بی معتبرومفول موگ معنیری مارین ضعیف معنیری مارافعایین بیرین بیری

کیوکہ وہ کمی مدبث بہتے کی اگر مؤید نہیں مخالف میں تونیس ای سلے نفیدات بن بال کے دست بعنیا مختبال مورد برہیں مخالف میں تونیس ای سلے نفیل و مرسے سے انفیل مغین بی کمی کو دومرسے سے انفیل مغین بی کمی کو دومرسے سے انفیل منا ہے یہ جب کرد کا ایک کے معنی بی کمی کو دومرسے سے انفیل منا ہے یہ جب می مارد موکا حب مدا تعالی ورسول اعلیٰ می انڈ علیہ وسنم یا احباع سے بیں

توسیمعنوم موماسنے. در

بر حقوق مبادسے بیک می ہے شرعی ہسب بب وعل استعان برعور کے بغیر انھیں بند کرکے یوں بی معنوعی اور اندھی عقیدت کی نبا بر کمی کوائشنل اور کمی کومفعنول قرار دبا ا کا نسخ کا موجب جہرکت ہے ہو بہت بڑا فلم ہے اور نسن میں۔ جے دو سرے حقوق مبا دکی طرح ندر اتعال میں مدان ذکرے کا حبب بھی کو وہ ما تحرب من معان زکرے کا جب بائرت انفلیت کا می مدان ذکرے کی حبب بھی کو وہ ما تحرب من معان زکرے کا بلا عمر وہ نبوت انفلیت کا حکم لگا حبیضے اگر عند اللہ خطی نہری کی معفول کر ایفنل اور انفنل کو مفضول نبا دبا تو اس سے صاب دین اول کے بی بی باج ارتفاد دا فراط موار وال بنامریت برکہ فرین نبانی کا می صاب موارک میں اور انسان میں اور انسان موارک میں اور انسان موارک موارک میں اور انسان موارک میں موارک میں بیا کو اس میں اور انسان موارک میں موارک موارک میں اور انسان موارک موارک موارک میں بیا کو اس موارک

شان ير تغريط وتنبس مى مونى جركى طرح ما زنبس كارحرام اور استدحرا مهد ميها ن بن نباطيس للزم أبي كوميار شمار كي كيد تو فراني ادل كي شان بم فو دومر يتميل حوام دافعن كمفعول ناا اليمهي تنتيرنسان بغنل أوريشط المسكحى كلينيع وافات بومسدا مرطع اور خلات مدا: اعدات بروك افعل كن الركام تناء له ادركو ؛ مغرس زير بحث مستوم بريوتيو مِن بن ب مدين المرمن المدود كالنب المفق والمبسند ورال ومجع طبيها والمسكم فانتم و منبعث مدیر سے است دلال کیا جائے میاک آج کی کے کم اور اسس تم کی مدیر ساتناد كرسك منزن مولائل كرم المدوجه كوحنرن مدبن اكبرونا دوق اظل رنس الدمنهاست افنس فراروسين ك المشش كرست مي و شريب كم صري خلاف اورمنت باك سهى ان انسب اى في اندكام ف اليه تعبيون كومي دانعن محهزيب حصمابينه اسامنا الوحسنيفة نسانه وحبسنيد الانه المنام احمد تضاخان استئنيه الله نعالا فى كتابه الشريب سطلع العشرين فحدابانة سبغة العشري كإاربع وتنبس مدين كبر بعرفاؤن اعظم وشى امترعنها كم فعلان كولى مدبث مجمع أما سنة نوده مزود منرور واحب ان دبيعمر اكر مَدَّ كُوْاسِدَ اسْ مِي مِلاجِت مَا وَلِي مَ بُولُوا سِيسْتِ بُولَى مِنْ كِي عَلِي كَلِي كَمُ وَكُوصُ النَّسْتِ مِنْ اسْتِيدُنا الوكرصدان دحمرنا ونن مني انتعنها كالغبلنث تواتروا مجلت سيرسكوني مديث جوخروا مربوكمبي بي مبح كبول مزموتوا ترواجها كمصنفليط بين بنس أسكتي.

مهری ندگوره بالانجین سے ایک زردست امترامن می امریا تا سے جومنجاری کی ایک بخاری کی ایک میرین سے افضلیت میں ایک ایک رمنی الاع زیرا کی نے روست اعتراض اوراس کا بہنرین جواب

مدیث سے انعبین میرن اکرمنی اندمز پردارد مزاسے وہ مدیث ب

تَالَ رَسُولَ اللهُ حَبِّ النَّاسِ كُيْ فَكُونَ النَّاسِ كُيْ فُونَ النَّهُ عَلَى النَّهُ عَلَى النَّهُ النَّاسِ عَلَى النَّهُ النَّاسِ النَّهُ النَّاسِ النَّهُ النَّاسِ النَّابِ النَّابِ النَّابِ النَّابُ النَّابِ النَّا الْمَالَى الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَالِي الْمَا

الم علم ما نتے بی کہ مدیث لفط" المستشاس" میں عوم ہے جس میں مدان اکبرنی افد عد کے خمول کا دیم مجی بہرکتا ہے جس سے لازم آئے گا کہ صفرت عمرست اون رض انڈ عرازی ب مسینیا حدیق کجر دمنی انڈ عمدسے مجی زائد مول مہذا ان سے انصل مہدں گئے ؟

محرم خوم بری گرمشند نقر براگردل شبین سے قریر دم خود مخرد مدفوع مونا دکھائی دے گا دہ بر کم میریث خبردا مدہ سے سب کا حدیق اخرین اخترم کی متوانزا دراج عی انفیبت سے نعارض دانع موما ہے اس مورت میں خبروا عدوا جب اتباد بی سے اگر تا دیل کی ملا جب ندر کمتی م تو دا جب الد مجلی می مخرم تو الح می موم الم عنوص عز البعن می می می می میریث الم می موم الم عنوص عز البعن ہے مسمعین مدین الم می میں ادر بر حدیث انہیں مشال می میں سے مسمعین میں ادر بر حدیث انہیں مشال می میں سے مسمعین میں ادر بر حدیث انہیں مشال می میں سے د

البرسیدنا مدبی اکبرون الد عند کے ملادہ صنوری است کے بال سب افراد کوبر صدیت منابی ہے اور دوجتمول مدم دج دمنسی سب کو اس کے رکھن اجماع و توات باتی سب افراد کے تمول و معمول مدم دج دمنسی سب کو اس کے رکھن اجماع و توات باتی سب افراد کے تمول و معمول موم کا مامی و موزید ہے کم بوکر بالغرض معزب مدین اکبرونی آٹ وزیے بعد باتی صرات مردا و ن

من التدعد كالفيلين كخيلات كوئى ميح مديث مي أم ست توده مي توا تراوا جماع سع مؤول مرك.

اسی حدیث کی سنسرح بی ایم احرقط لانی مِن انْدعهٔ فراسنے پی ر

ترحم در هيئ اكريم اس صربيث كي ناروق علم کے مانے تخفیص تبہم کریس تویہان بہست ہی مدیر سے معارض سبے ہو نواز معنوی کو بهسنجی بی ج مدبی اکبرزمنی الدور کی انغببت مطلغرر والالت كرتى بس سواخب ر امادان كامعارض نبيس كرسكيس اوراكر مضليت ک دونوں دلمیسلوں کراری می تسب کرمی بجن المبنن وحماعت كالحجاع انفين مدبن برن م سعاوره وتعی ب بزا خردامد ندکوز کمنی اس کا مقا برنهیس کوسکنی

لَبُ سَلَنَا الْعَنْصِيصِ بِهِ نَهُ مُعَامِنَ إِلَاحَارِيثِ المستثيرة البَالِغةِ دَرَجَةُ الْتُوارَ الْمُعِنوكِ الدَّالَةِ عَلَى انض لَبَةِ الطِّدِيرِضِ اللَّهُ عَنْهُ نَا لَعْنَا بِضِهَا لَاحْدًا وُلِأَتْ سَ لَمُنَا التَّنَا وِكَ بَيْنَ الدَّلِيَ أَيْنِ ليحت أبحك أمسل التستنتون الجاكت وعسل أنض كيته وصركا تَطُعِنُ فَلَا يُعَارِضِهُ ظُمِّنَ . ادتنادال ما الم ترميم البخاي ج امسر

الغران مسئلاانفيرست سركز فغاك كم قبيل سينهيل سين مي منعف مديثي قابل توج وتى بى كرية فالتطعيد كم إسب سهم مي منيف مديني وكواري أما وصحاح مي قابل توج نبي مم ماتي وكسا مومصر في المواقف وشريه

المنت وما مت كاملك يسب كر

مسكسا المرزق اللى كاروشى ملى المدنة ومى الدونيون

اور در الاسك بدتهم مخورت الى مؤل اورانسا الملي كل طررياننس واعلى بى علم تعوس ادرموت البيري كون ان كے دارنس ميران كے بديمنرت عمرفارد تن دمن اندم كام ترب اس إمندن دي کاجاع واقنان ہے جے سیلے کے لیزرک شخص ہرگز ہرگز المسنت وجا مست نہیں ہوسکت ، اگرم، وہ پانے اُپ کوسٹنی کی بھرے راس کے کہنے سے کچونیس ہوگار

یمی دم بے صنور می است رطیرو کم کے بعد خلافت علی والا مست کری بانف ل صنوت الجرکری الله الدیم الم کری الله الله منی الله عند الله والدیم بازی برجه و ابل الله منی الله عند کی الله عند کے صندی افاق کے بعد صنوت عمرات عمرات عمرات می الله عند کے بعد صنوت عمرات عمرات عمرات می الله عند کے بعد صنوت عمرات می الله عند کے بعد صنوت میں الله عند کے بعد صنوت موال علی میں الله عندی میں الله عن

صخرت ملی رمنی افد موز کاان صخرات کے مبارک انتخر پر بعیت کرنا اوران کی زیمکومت ہم تی فراں برداری کرنا میں برملا بی ترتیب خلافت ان کے اضل ہونے کی بڑی دہل ہے، سسیترنا ابر کر مدین دمنی افد وزکی انفلیست مطلقہ و کلیہ فزان و صدبیث اورا جاج اجمنست جھے نا تا بل تردید دلائل سے عقی و مثبت ہے جہر بہ بخر دیکھنے کے بعد مرتفل مند مسلک مہذب اجمنست کی تحقیق تھوی۔ پرمجور ہوجا تا ہے۔

# الفايدة اورفران معم

مستیدتا مدین اکر دخی اندوزی انفسلیت سے ثبوت میں قرآن مجیدکی مندرم ذیل آیات میشی کی مبرسکتی ہیں۔

ا ترجر ا اوراس سے بہت دور رکھا جائے گا وہ جو سہے جا بر صسیبز گارہے جو ابنا مال دیسے اکر سخرام وادر کس کا اس پر کچر احدان نہیں حسیس کا برا دیا جائے دہ مرت ایپ زری کرنیا جا شاہے جو

ابن في المنظم ا

### مسی بندہ ادر بے منٹ بمنزیب دہ رامنی ہوگار

### يُضِ وليل ١٦١٢)

یعی معسری المسنت نے اس باتفاق کیا ہے کہ اس سے صرت الوکرمدین دمنی \* انڈون مرادیس۔

الم ان جزی نے بھی ہے کہا ہے اس میں لفظ اُتقیٰ سے مخرس الم کرمنی المدعن کی معندلی معندلت ابر کردمنی المدعن کی معندسے معندست است میں مست مرا پر میرگار" اور قرآن ہی کا بعد ہے کہ جرسیے را پر میرگار" اور قرآن ہی کا بعد ہے کہ جرسیے را پر میرگار ہے وہی سے انفل ہے۔

بين بخرائد تعالى فراة بهر . إن أحصر مصعم عيث الله القاكم اسمرة فجرات . آيت سن

اترحر، بدمشک اندکه این تم می زیاده مزنت والا ده سعی تم می زیاده برمیزگارید

مشیبوں کا کہنا نہے کہ اس سے معزنت علی کرم انڈ وہر مراوہی معزنت ابو کرمدیق دمنی انڈون کا مراومونا وزق ولائل سے مریب سے مدین ماہدی معرب میں ماہدی میں ماہدی انداز میں ماہدیں میں ماہدیں میں ماہدیں میں میں میں میں میں میں میں

المنف كا اراله

نا بنت بنیں اس کا جا ب برسے کہ قرآن ، صنعت اوراجا بے مجتبدین سے جصکر کوئی وزن دہائیں باس بنیں اس کا جا ب برسے کہ قرآن ، صنعت اوراجا بے مجتبدین سے جصکر کوئی وزن دہائیں بہاں برنین ابلے نا مست بل تروید و کا تل بہن جن کی نبایرای آیتے یہ سے معدات معزمت مل کرم انڈ و برم بنیں معزمت مدین اکرون انڈ معذبی بیں۔

Marfat.com

# تافار در دلال

من كا باران أيون كم مدان صرات الرمدين من الدوري .

ورل اول ی جدیم درت او کرمدین دمن اندموی کرم برائے مرت مل الرتفے دمن الله معن من من الرتفے دمن الله من الله الله من کروان ایون کامعدان بنا الم الله من من کوان ایون کامعدان بنا الم الله من من کوان ایون کامعدان بنا الم الله من من کوان ایون کامعدان بنا الم الله من کامن من من کوان ایون کامعدان بنا الم الله من کے خلاف سے ادرا جماع کے خلاف سے ادرا جماع کے خلاف سے ادرا جماع کے خلاف کے خل

البجرهدين دمنى المدعزك بجاست معنوست على دمنى المدعز كواق أيؤن كالمعداق بناناه أرنيس

الله تعالى كادمش المحكمة الإحت عيث لا موث يع التحرير المعن المريم كالجداصان نبس م كابرله ديامات) يع التحرير التحرير المريم كالجدام التان نبس م كابرله ديامات)

وليل دوم

مین مم پرکسی کا کوئی اضان نیس مگریم سفاس کا برایجکا دیا ، او کرکے موا پرسس جے شک اس کا ہم پرا حیان ہے حس کا برار اسے خدا تھا سلا تیا مست یں میکا میگا

 ادر کمی کے ال نے معے مرکز آنا نف ہیں دیا جست نا کرادگرسک مال نے مجے نف

عَنْ مَالُ أَحَدِ تُطَّمَا نَعَبُ مَالُ الْجِ يَجِيرُ الْحَ الزندى بى بى مس ٢٠٩)

اس مدبت سے نا ہرہے کہ انخفرت می انڈ عبر کسسے کا مخرست ابو کرمدین پر کوئی ونیادی اصان نیں اس کے رحمی صنرت ایر کرمدین رض الدونے ایٹا مال ابل وعیال اوروہ ان کھے مصنور مل اندعیردسلم پرتزان کردی . ابذا صنرشت عی دمنی اندموزنیس ، معنرنت ابوکرمدیی ومنی اندموز ان أيون سكيمعيدات مير

الرف ميركا والمراب المركون شغى يراعتراض كري كريميك به المخرسة مين الدُعبر وسلم كا المكت ميركا والمراب المحرصد بن رض التُدعن يركوني ونبادى اصان نيس، وبي اولغودى مان ترب اس كابدلرتوان كوميكان تالبذا وكالكشد عيث كالمرتب لعشك عجنزير رزم گزريكاسيم كمعندان صخت الوكرمىدين دمی امندم نهیں بن منتق اس اجاب يسبت كربرا منتزاض بالكسيك كاراور لامين سبت كبون كراكزميرا تخنرنت منى اندعليه وسلم كا عنرت مدبن اكبردمنى املامه يردين اصاق جعمرًا كالابرايكا نامط لوسيني كمجم صنودمل يزميروس لمرنے انڈتعا سے سے اعلان فڑا دیا

آ اسُنا كَ كَتَّ مُعَلِّبِ أَحْبُوا لا · ين بن اس بينغ رسالت اورارت وو ر شوری ۔ أيت س

ادر وَمَا لَاحَسَدُ عبِنُ دَهُ مِنْ لَيْحَةً بَعِبُ وْمِعَ الدَر وَمَا لَا حَسِدُ وَهُ مُعَتَ ادر مان مرادسے مرکا بداریکایا مائے ، مبیاکہ تخب ٹری کے نفوسے واقع ہے وقعمن کی ش مخصعهها دروه دنیا دی احسان بی مرسکتهها، اس موقت بی ایست کا زجرموگار آدراس بركم كاكون دنياوى اصان نيس سي حبث كا بدلويكايا ملت ذا اس آبند کے معدان معزیت الجرمدین تی موسیے ہیں -

> 110906 Marfat.com

الريامترامل ما خرك أبث لغط ألا تعلى کوعام دکھا میاسنے تاکہ بیطی میرویمبزگارکومش ہی ہو

ايك اعترام أوراس كابول

اس کا جراب یہ سہے کہ اگا تقت اہم تغییل کا حیفہ ہے جس کا مقتفی اورمونون ' محصوص ہے ، عموم يف كه ك الله الله المحار التحت كم من التحت كم من من الرساكا اور من زي معن ال وتت مكن موكا مبد اتنی كا ابینے معنے موموع لریعی خصوص پر ہستھال متعذر اور نامکن ہوكيو کا اُرامُول فرقع پى كەمقىمىت مېپ بېرىمى كىن بومجازى معنى لېنا مائرنېس . يكن يهاں حقیقى مىن كىن بېرا مجازى من بينا مبائز نهيس كليميب نزول اوراجماع مغسري بحي اسب مجاز برمحول كرسف كمي تن بين بيس اس سف واجب سے کو اگا تھے۔ " یں لام عہدخارمی کا قراریائے اور اسس کے معہود ومراد سنیدنا المرمدلي دمى المدعة مول.

بهذا أبيدكى انعنيست قرأن سي ابت ري دنسب للدالحد

مسبندنا صابات اكبردمن المدعن كانسبسنت بم ترآن كى دومرى أيمت طلخة أيمت تميم الدندان ارث وفرأ أسع

ليئ مستبارنا مدبق أكبردمنى التدعمذ ابيعض بذد بالايرورد كارك رضاح أى بى كسك سلنة اينا مال إلآانبيغناء وخبه زبته الأعلى ككئون يؤضحك

خرج کرسنے میں ا درصر در منقریب وہ را منی موک

بے شک میں ابینے رب سے ایک ون کا وُرسیے ہج بہشن ترمشس نہا بہت سخنت سہیے يعى بي ابيت رسي است اس تن اورنهايت شخت دن کا ڈرہے اس کئے مم نہسے ا ہت عمل کی جزاد پاسٹ کرگزاری نہیں چاہستے یہ مل

محرستيدنا ملى مرتعنى كرم الته وجهدكى مشتان بمسيعاز ائنكانطعيص لوجه اللركا عَيْبَة مِنْكُمْ حَبُزَارٌ وَ لَا شك ولا إنَّا غَنَا مَن مِن رَيْنًا ﴿ يُوْمَاعُبُوسًا قَنْطُرِيرًا ومورة ومبرأيت ١٠)

اس نے ہے کہ مماس دن ون سیامی میں

دیں۔

یادرادپرک آبت ای بات پردلالت کرنی پی کرحزت او کوصدین و مل مرتفی رمنی ای منها که این الله دیا مندال آبید باتی ب کا این الله دیا منداک کے نفا مگر صورت ملی من الله مند که من الله مند که من الله مند که مندان کا الله کو خرج کر منداله در تا مست کے خوت سے بالا ترم کر صورت اور مرف رضا نے الله والله آبیت یہ تباق ہے کہ دہ تیا سنت کے دوں کے خوت سے بالا ترم کر صورت اور مرف رضا نے الله کی مصول کے سے ال خرج کرتے سے ذاہد کو تیا مست کے ترق سخت دن کا ڈرخا اور ذمی آواب سے کو ف من من مندن من من مندن من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من مندن من من الله من من الله من مندن من من الله مندن سے مندن من من الله من من الله من الله مندن سے کو تو مندن من من الله مندن سے مندن من من الله مندن سے مندن من من الله مندسے

ان دداً پُوْل کے علادہ دس اُنیس اُنیس اور می ہی ہوسستیدنا صدیق اکبر منی افتد عبذ سکے نعنل ہوستے پر مست ہرمدل میں مخوف طوالت انہیں نفل نہیں کیا جاتا ر

# المنبيت مراق الرصى الاعز

اوراما وريف مرافع

انفیب*ست سیدنا میدین اکبردش انڈونسکے ٹیوست میں مندم ذ*بل امادیرش شرلیزپیش کی مسکتی ہیں ۔

الم بخاری دسم رحها اندهیمین می حزت او دوئی است عری سے دلوی معری سے دلوی معری سے دلوی معری سے دلوی معری اندا کے مون می اصاف ہوگ تو اب نے ادرا کے مون می اصاف ہوگ تو اب نے ادرات د نوایا شہر کو ا آبا یہ سے کیونگی مصری کی البتنا میں کر او کر کو کہ وکوں کو نماز می معانے مین میری مگر لوگوں کو نماز میں امام ہے۔ اس پر صفرت ماکنے معرفی درنی انڈ منہائے مون کی میں معرفی درنی انڈ منہائے مون کی

أَيَّا وَسُولَ اللهِ إِنَّهُ مَحِ لَ وَقِيعَ إِذَا قَامَ مَعَامًا كَ لَهُ يَسَبَطِع أَنْ لَيُعَلِنَ اللهِ اللهُ ا

بهم الخرست ملى المذهلير وملم نف صرحت الوكر صديق منى الأدمز كونما زيرها سف كامكم مجيجا . مديث منا مدر،

مَا مَا الْمَرْسُولُ نَعْسَلَ بِالنَّاسِ فِي مَنْ اللَّهِ النَّرِي وَلَى النَّاسِ فِي مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ وَاللَّهِ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَا اللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعَالِمُ وَالْمُعَالِمُ وَالْمُعَالِمُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَاللَّهُ عَلَيْهُ وَالْمُعَلِّمُ وَالْمُعِلِمُ وَالْمُعُلِمُ عَلَيْكُوامُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ عَلَيْكُمُ وَالْمُعُلِمُ وَاللَّهُ عَلَيْكُوامُ واللْمُعُلِمُ وَاللَّهُ عَلَيْكُوامُ وَاللَّهُ عَلَيْكُوامُ وَال

یه مدیث متوانرسید ، معزت عائض میداندین معود ، عیدان بین عامس ،عیدان بن عمر میداندین زمعه ، ایرمبیر، ملی بی ای معنرت الدكرم تران من النادين كالأران المارين الأرمان الدكرم تران من المرين الأرمان المرين ال

لا طالب اود تضعر بی بی دخ بست مردی سے میں دج سے کہ ملیارکوام نے اس مدیث کو محزت البیکر مدین کی است مورث کو محزت البیکر مدین کی افغان میں مورث کو محزت البیکر مدین کی افغان میں مواد کا بی سیسے زیادہ لائی امامت مونے کی مؤسس البیکی مواد میں مواد میں در است موسس بین بیرا کی ایس محرمی موادی میں فرائے ہیں ۔

من العسلمة في حك الكيشيانة المعرب كم المراب المعرب كم الرسيل

Marfat.com

کہ ہے کہ یہ اس بات پرولالت کرنے بی نہایت دامنے ہے کہ صنرت ابر کرمدین سب معایہ سے مطلق اضل، خلانت کے رہیے زبادہ حقدار ادرامامت کے رہیے زبادہ لائق ہیں، منی ان

آوُضَعُ دَلَالةٌ عَلَىٰ الْصِّدِينَ آفض لَ الصَّعَابَةِ عَلَىٰ الْإِطْلَاتِ وَاحْتُهُمُ بِالْمِيْكَانَةِ وَاحْدِيهُمُ بالإمّامَة رصي المُنْ الْمُعَامَة وصي المُنامَة وصي المُنامَة وصي المُنامَة والمُنامَة والمُنامَة والمُنامَة والمُنامَة والمُنامَة والمُنامَة والمنامَة والمنامِن المنامَة والمنامَة والمنامَة والمنامَة والمنامَة والمنامَة والمنامِن المنامِن المن المنامِن المنامِن المنامِن المنامِن المنامِن المنامِن المنامِن

عمذ وعنهم المعين-

ایم ابن مجرمواعتی می فراستے بیں کوالم ابن عدی او کجربن عیامشس سے روابت کرتے بیں کہ امرا لمون بین معزت کارون الرمشید کے ابن سے فرا با کہ اے او کجر لوگوں نے حضرت الدیکرمد بی رمنی المتروز کورسول الله معلی اللہ

ا مخفرت می اندعلیه و منم کمی میستند معنرت انو کرصد بی رمنی املاعنه معنرت انو کرصد بی رمنی املاعنه فی انتظاره در میک نمازی رمیانی و فی انتظاره در میک نمازی رمیانی و

طبرد مرا کا طبیدادر را شین کیے متحذب کیا ؟

ان تعالیٰ فاہوش و یا کہ اس کے رسول می اند علیہ و سے انہوں نے جواب ویا کہ لے الیر اسک من موش رہے اور مسلمان فا موش رہے اسک سخت کا رون الرشید نے فرا الیسے سخت کا رون الرشید نے فرا الیسے سخت کیا ایر المونین یوں مجوکہ انحفرت می الله الله الله معلی میں میں نے کہا ایر المونین یوں مجوکہ انحفرت می الله الله ورسے الله من

Marfat.com

یں برکت فرمائے۔

المفرت في المعليه وسلم في المنظرت الوكرمدني كمي يحي تمازي ترصي

مخرى ايام بررسول الدمى الدهليدولم في من الوكرم دين منى الدُور كو اين عجر الام مقروفرايا معنى كى طرت سے بار بارمتور

عرض مواكده بهنت رقبق الغلب مي أب كومصل برنه ياكر دويري كم ادران سے نمازي ديومانی مائیں گی۔ آب ان کی مجاسے حزمت عمزہ دق منی ابند میز کومقرد فرمائیں مگر اُپ نے ہربار یہ فرماکر کہ الثر تعليك اورمل او كوالو كرى منظوري الن كم متوسع كوتنول نذفرها إلى والعظم مرمنياري مجتبالي ج ١) – بین میجه صنرنت ابو کم صدبی ومنی ان ومن کا منت کرانے دسے۔ اس طرح المغزن مل اندع برسم صزمت الجرمدن ونى الدم كوليين مقدس مصطري مجروكر وباست دخست مبست الزمرمن الوكم مدنى دمنى الأومنسي كوئ ودبراصحابي يصزيت عمر بمعنوت عثمان ياحنرت على دن التدمنهم الفنل مزنا باكم ازكم تم موتا توانحفرت ملى الدعلير وسلم صورت الوكر ومنى الدعن كارتت تلجدك مذر کا مشورہ نبول فرماکران کی مجاسے کی دورسے کومغرد مگرالیا نہا۔ اس سے واضح ہوگی کہ و معفور کی تقریم من من الرجر مدبی دمنی اندین کی کوئی مثال می زمتا ...... اس اندانس اينامسطا بيرو فرايا للونورمي المستحيية مازب رميس مسينا بخرامام الوميني تريزي رحوالة

يعى حمرت مائنته مدلق ومنى الدُمنهاست مردی سبے کر اسخفرت میں انٹرطلیہ دسلم نے بمخرش الإكرمديق دمنى المندمز كمه يبجع

مريث \_ ل دَرُويَ عَنْهَاآتَ النبيعً مسكل كَاللهُ عَلَيْهِ وَسُرَّا مُمْ صَلَّى "خَلْفُ أَفِ يُحَدِّقًا عِدَّ ارْزَرْي

بينز كرنماز يرحى

معمراهم ترندى وومرى مديث تقل فرماسته بس ا ورُورِي عَنْ أَلْنِ بَن

مین مغرمت النس بن رمنی الدومنسے

مردی سے کربی اکرم مسیل انڈ طیر دسی بے بیٹے مسئے مسئے مسئے بیٹے بیٹے بیٹے بیٹے مسئے مائڈ ور کے بیٹے بیٹے بیٹے م مسئرت الجربی دری انڈور کے بیٹے بیٹے بیٹے مسئے مسئے مائڈ درمی ر مَالِئِ النّبِيّ مَلَ اللّهُ عليه وَلَمُهُ حَكُفُ الْبِي بَحَدِدُ هُوَقَاعِ لَهُ مَكُفُ الْبِي بَحَدِدُ هُوقاعِ لَهُ الرّفرى ج ا صد ۱۸۸

مِعرَّمِهِ مَدِيثُ نَقَلَ مُراتِي مِدِيثُ مِنْ الْمِنْ قَالَ صَدِّى مِعْ اللهِ عليه وسلمَى رَسُولُ اللهُ صلى الله عليه وسلمَى مَسْ ضِهِ خَلْفَ ابِي بَحَثُ وَقَاعِماً فِي النَّوْبِ مُتَوْنَعِيَّا بِهِ ارْمَدَى جَامَرُ مِمَّا فِي النَّوْبِ مُتَوْنِعِيَّا بِهِ ارْمَدَى جَامَرُ مِمَا

یعی معزت انسے مردی ہے انہوں سے تب یا کہ دسول انڈمسی افد عیر دسول نے اندمسی افد عیر دسول نے اندمسی افد عیر دسول کے اندی میں معزت ابو کر سکے بیچے بیٹے کر کے کرے سے کوکے میں میں زرمی ۔ بیے یعلی کے نیچے سے کرکے متنا ہے میارک پر ڈالا موافقا ۔

ا ن نیزن مدینون سه ما ن قابر به کرا کفرن ملی افدهد دسیم فرصورت او کرمدن او مرمدن و می افده می دوم بین می دوم در می در م

بعن سب سے افری نمازی دمول ان مسل اندھ دسم سنے قرم کیسات ایک کیڑے میں بڑھ سے اندھ کیسات ایک کیڑے میں بڑھی ہے کرکے میں بڑھی ہے کہ کے بینے سے کرکے من بروالا سواختا ، الوکم معدین کے بینے مین میں بروالا سواختا ، الوکم معدین کے بینے مین میں م

یبی مزت مائن مدای سے مودی ہے کرمیزت اوکرمسد بن نے دائوں کو نماز پرجائی اور درمول امٹ دعیر دمسے ان کے بجے معت میں متے ۔

دومری معریت میں ہے۔ \_\_\_

## معزت الوكرهدان كي بيجيا المحضرت ملى الدهليم كم نما زييضي ك

## مر بتول ملی تعارف کارف

مین رایات بی ہے کہ انخفرت ملی الد طبہ دیم کے تشریب لانے کا جب مفرت الرکر صدیت من اندوم کو ملم مواتو آپ مصفے سے بجے بہنے گئے۔ انخفرت میں الد طبید دسیلم نے آپ کو مصفے برکھڑے رہے کا اتارہ کیا۔ مگر آپ بھیے آگئے اور انخفرت میں الد طبید کسیلم آئے ٹرصگے۔ فارغ مونے کے عبد آپ نے صفرت الو کر مدیق سے لوچھا کہ جب بیں نے تہیں مصلے پر کھڑا رہے کا ارتبا و فرایا تھا تو میں میں مدید و مدین سے ب

ابرقیاد کے بیٹے کولائق زنماک دہ رسول انڈم کی انڈرملیروسٹم کے آگے نمازیج سے ۔ نمازیج سے ۔ تم پیچی کیوں بھ آئے ؛ آب نے مومی کی بہ ماکان لا بن آبی تھاف کہ آئ تیس بی بین بیک کردس ول الله صلی الله علیہ وسلم (من بی ج اصریق)

مضرت الوقحاف كالمختفرندكره منازين الدمن الدين ال

کے طور پراپنے اپ کوا ہو کر کھنے کی بہت این آبی قاد کہا ۔ ابوتی فراپ کے والد ما بدل کئیت ہے ان کا نام حمان ہی فام ہے۔ فع کو کے دوزاس ام السنہ صفرت ابو کرمدین وضی اللہ عند ابھیں ضور معلی اللہ طبہ وسلم کی فدمت میں فائے تاکہ نشر نب بعیت سے مشرف ہوں ۔ ان محفرت میل اللہ طبہ والم کے معنوت الو کرمدین سے فرابا کہ " تم نے زرگ کو بہاں اسنے کی تعلیمت وی انجا ہونا کر یہ ہے گھر میں نشر دین رکھتے ہم تمہاری تو می تعلیم سے وہ اس ہی کشریف سے جیلتے اور یہ امان موجاست میں مشرف میں او کرمدین ومی افتاد میں او کرمدین ومی او کرمدین ومی ان وی کے دالد ما جدی عراب نے ای مشرف بہراب نے ای مشرف بہراب دونت کا فی تھی ۔ ان

كمرسرادر وازحى كم بال نهايت سغيد موسيط سقر المفرت ملى الده بدوس لم ف فرا ياكرميا وخفاج كوچود كركمى دومر مصنات منط بالون كى سفيدى كوبيل دو- بينا بخرا نبول ما اس رعلى كيا- اب کے ترکہ سے جیٹا صمتہ یا یا اورا نہیں بھے بچوں کو والیس کردیا رأب بیط مسلمان بیں جنہوں نے خلیف رسول الدُّمل الدُعليه وسلم كل وراشت إلى - أب سفه و سال ك عرش مسلم ما وعوم مي وفات يان. أب في احاديث ترايز بمي وايت كي بي . \_\_\_\_ امدالغايري مرم ٢٥١٥مهم اسى طرح كى اورمي احا وبرش بين بين مين سيسے كرمعنونت الوكوميدين ونى المدعد بيجيے كوم شريخة ادرأ تخنرنت من انْدعبر وسلم في اما من كواني اورصغرست الجرمدين معتربي مي مركب برك كر نسائی اورزندی کی اما دیدشه امی گزری که اکفرنت نے صفرت الج کرمدیق دنی انڈون کے میسے نمازی يرص - أي مفتدى تقاور صرت الديم مديق الام ر يرتغارض اورتغاد فأم بوك يتصرو وركرن كى مورث برسي كرمنرت الوكرمدن وني الأعنز نے استخفرت کی ان علیروسلم کی موجود گئیں آبید کے اُخری ایام عمریں بارنا نمازیں بڑھائیں ہی میں منزه نمازول کی مراصت توبهت کی کا بول می موج د ہے ، اس کے اختلانب دوایات کو اختلاف اوال ہ تعدد واقعات برمحول كي علت رمين مبزت الوكرمدني ومنى اندمز ادبا بيعيربث ماستداورا كنزت منى الدُوليروسلم ك مين مبادك الاست كوالنن انجام وسل مكنسك قابل بوتى و أب شكرتم م شفادراگر طبی نزلین اس قابل د موتی تو آمید معزنت او کردندین دمی اند مد کو مصلے پری کومیدین كوبامردامرارمبررنرمستة وده --- ألأمر فن كالادب سدل دوك معيل كم كرسك نماز پرما دسين اور المخفزت ملى اندهير دسى مقبّدين ي م مسين و هرست. كالشادالبدالامام ابن عجرالعنقلاف فى الغنغ ( ني الإرى مع مرسود) ببرمودت أتخرت مى اندطيري لم كاحزت الوجومدان ومنى اندور كي يجيدن ويمنا نا بست اس المنكر كون ما بل ي مولار چابخدان العيون بي امام ترندي سيمنقول سيدانهون في فرايا -

بعنی برات نابت ہے کو اکھنرت کی اللہ علیہ وہلم نے اپنی مرض وفات میں صفرت الوکر مدال من میں مزت الوکر مدال من میں اللہ کا مدال من میں اللہ کا مدال میں منکوموکا ۔ جسے اسسس روایت کا کوئی ما نہد مد

نیز \_\_\_\_ واضع موکداس میں تمین نمازیں دمنے کا ذکرہے گرافتہ کی ننی نہیں ہے ، لہذا

تین دالی روایت متره دالی روایت کے منافی نبیس برگی م ا

بات ترحزت البركرمدي وفي الخدود كي الفيدت كى مؤي حمى مست المخرت ملى الله المرسم المن المرسم المن المرسم الم

بنائداها بن محرمتان فرائدین. رفید تنت بیم آب بکری ترجیه اس مدیث سے منرت الرکر مدین کا

مسبصماب شعدم اوراضل مونا أابت مؤا سبعداور يركدان سك بعدم مترست عمر فاردن من عكل حبيتع الصحابة وفضيشاة عُستُوكَعِشدُهُ وَنَحُ الْإِرَى فَيْ اصْمِلًا)

المدعمة افعنل من .

ماری اس نقربرگ اس مدبیت سے می مآ بُدردنی سے حمر میں استعمرست ملی اندع بی تلحیف

مضرت الوكرمدين كم موت كونى الممن ذكرك ومديث م فرایا کہ الوکڑ کے ہوتے کوئی اما مست مذکر لیتے۔

خیامخه ترندی می سے د

ينئ مسيس تزم م الج كرموج وموں ا ق كالمامن أن كم يغركى من مسبب.

عَنْ عَاكْثُ تَاكَنتُ قَالَ رَسُولَ الله لأبنبغ لفنوم نب مُ أَلُوكِ كِي وَكُن وَعَلَمُ الْمُ كَالِي مُ الْمُ كَالِي الْمُ الْمُ الْمُ الْمُ الْمُ الْمُ

غشنيري اززي مبدر مدم مدم)

اس مدین کی شرح کرستے موئے منبع المحققین امام الکاطبین ، عوست الواملین ، مذالعا نین مسيدنا شاه مبدألت محدث داوي لمعانت شرايب مي ادرعمدة المحقين الم المحدثين صربت مولانا

علی قاری مرفات می فراتے میں

اس مديث بي المسس باشت كى دليل سے کم صرمت او کر مدبی رمنی المدعمز دین می ملم معابسے اضل میں توفلانت میں انہیں كامقدم كرنا ببسرادر اضل متعار

فِيُودُ لِبِهُ لَا عَكَىٰ نَصْلِهِ فِي البربن عكل تجبيح الضكح كأبة ككات تتنديبه بى المينسة كانترادك وأخضك ل المعان

المعلى فارى فر المستري

ادرائ مديث بساس بات كي دلل سيء كمعترث الوكرمدل منى المذوعة تمام ممارس

دَفِيهِ وَلِيلٌ عَكَا أَنَّهُ وَالْفُلُ حبيع الصمابة فك فالمتنت ملداء افعنل بم سمنید یه باشت ما بست موقی توان کا سب سے اقل مستنی خلافت مونا نام بست مو کی اور برت سربیب کرفیرانفنل کوافعنل سکے

فَقَدُ فَتَنَى الْمِعْقَاقُ الْحِنْ الْمُ لَكُلُّ الْمُعْفِيلُ الْمُؤْرِدُ لَا الْمُعْفِيلُ الْمُؤْرِدُ لَا المُعْفِيلُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللْمُؤْمِدُ اللَّهُ اللْمُؤْمِدُ الللْمُؤْمِدُ اللْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللْمُؤْمِدُ اللْمُؤْمِدُ اللَّهُ

\_\_\_\_موسنے منبغہ نیا یا سے

(040-0

واض بوکه مه را موخوب کام اگر چرحزت الوکو مدین رضی افر حزکی افسیت مطلقه کا اثبات الم ادر میں اب کے فلانت کے زیادہ اور اولاً حقدار مونے کو لازم ہے اگرہ و مرے ولا کی سے مرف نظر کی جائے تو میں دلائل صرب الوکو حدیث کی افسیت واسفیت با مخلافہ کینے کا فی موں کے کیونکہ دوئر مون میں تا می مافون میں مافون کو مرب نیازہ کی مون کے دوئر حقل اور اقل معرف اربی کے فلانت کے سیج زیادہ اور اقل معدار مونے کے دوئر میں لا خطر فرائیں ہوائت واڈ معتقریب زلور طبا حدید سے اماس تہ موکر بدیر ناظران ہوگ و اس بہن فابل تردید دلائل سے تا ہم کا مطاف مت با فعل صرف الوکو مدین افلانت با میں مون کا در میں المند موکر کا میں المند میں مون کا میں مون کا معتبر با فعل خور دو الفقیہ مون کا میں مون کا معتبر کا میں مون کا معتبر کا میں الدوال الدوال کے خرص دو الفقیہ مون کے خرص الدوال کا میں مون کا دھی میں مون کا دھی میں مون کا دھی میں مون کا دھی میں مون کا دھی میں مون کا دھی میں مون کا دھی کا دھی کا میں مون کا دھی کا دھی کا دھی کا دھی کا میں مون کا دھی کا کھی کا دھی کا کے دوئر کا دھی کا

افعند مديق مري

صغرت ابن عامس دمنی اندعنها سے مردی ہے رسول اندمنی اندعنی کے سے ارسول اندمنی اندعنی کے خیل ارشا و فروا کی آثر میں ابنی امست سے کمی کوفییل بات و اور کی دو مبرے مبال اور میکن دو مبرے مبال اور میکن دو مبرے مبال اور میکن دو مبرے مبال اور میکن دو مبرے مبال اور میکن ہے۔

عن ابن عَبَّاسٍ بَنِ النَّبِيِّ مسلّ الله عليداسم قال لوڪئت منفید آمِن اُسُنیٰ خیلیدائ کانتخذ شرا کا بکتید و لکتون ا بخ کانتخذ شرا کا بکتید و لکتون ا بخل کانتخذ شرا کا بکتید و لکتون ا بخل المام الاراثة المدعير كل وابت سه أبى في الدِّبن و صَاحِبي في الخار ينى الركرميرے دي مجال ادر فارحے سامني بي ۔

اس مدیث سے فکت کی ایمیت واقع موتی اور دمی معلوم بواکه مغرست او کرمدیق کے مواکی نی ال کاستی زمتا راس سے کی اختیات تا بست ہوئی ر

خلت كامقام مجتت سعادنياسي كبزكو الخعزن مل ان عليه وسلم في من الوكرمداق و فاطر الزبرا وفيرح اسبيع فن معابر كوموب وقرار ديا كرفيل زفرايا - فكراس كم باسدس فراياكم الرمي المرح سواكسي اور كوفليل بنانا توالو عركوبنانا

ابكت بحازاله الركمى صاصب كوبرسنب تظركم أنخفرت مى الأوليروس في عبيب ا ورصرت ارا بم طبالتكام " خبل " بن . اكر فلين مجت سانعنل مؤلومنرت ارا بمسيم عبالتهم كالمخرس من مدهد وسلم سانفل بونالان مستركا والأكرياج م كم خلات سع ؟ اس كا بواب برسب \_\_\_\_ كرمس طرح مغرت الرمسيم عليات مكوا فدتعاس

سنفيل فرايا الى طرح أتخفرت مبل الدعلير وسلم كرمي فلت سع فوادا . بِمَا كِيْرُكُمُ مُرْلِينَ مِن مِن عَلَى سِنِي مَن الْكُنْ اللَّهُ مَسَاخِدًا مُن حَبِيلًا ا إيى طرف الثاره كرك فرفيه) الدنعلسك في الشياسي معاسب كواينا فليل نباياسه ويعن على كا مجت كوخلت ستصافعن فرادونيا كسعا شبال الاملم العسباليم المشاحى جبياضى دمنى الله عسز

فى كتتابه المشريعيت المشقام لائن تغراورتاً الهبع ـ

وامدى رحمة المدمليدن ايئ تغيير مي معزمت الواما مروشي اند

المضرن مل المرعليرو لم تصفرت الوكر مدين مني الدعية كواينا مسليل نبالياء عذست ردابیت کی ہے۔ انہوں نے فرایا - کردسول اندمی اندمیروسی ارتشاد فرایا - الدتها لله في معين بالا جيد منرت ارمسبم كومبلا بالااور كومبرى كا مس كامت مي منرورا كيب مليل مؤانما مس فوج مث شرم براملسب ل الوكونيس

اِنَّاللَهُ اعَنَّهُ فِي خَلِيدِ لَا كُمْ اللَّهُ الْعَنْ الْعَلَىٰ الْعِلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَ

ای طرحه ام حافظ الج الحسس علی بن عمر حرب سسکری دحمة الدُّعلید فیلین فوائد می مخرب ابی بن کحب دمنی الدُّحلید و الم سکے ہوم دمسال سے کہ برمنی الدُّحلید و الم سکے ہوم دمسال سے پانچ دن قبل اکبی فدمت الدُّسس میں حافر ہوا تو اکب ارشا دفرا میسے منتے کہ اسس میں حافر ہوا تو اکب ارشا دفرا میسے منتے کہ سے این ایک فیلی زبایا ہوا در سے این ایک فیلی زبایا ہوا در برمنات مشروع مشاری ہوا ہو ہوں و مدہ ہوں و

ادمف دالسادی مٹرے نماری ہ و صدیدہ دمشنے الباری ج عصری ۱

ایک موال اول می کا بواب مردن الد مردن الد مردن الد با برد الد با برد الد بردان بردان الد بردان

#### Marfat.com

## افعنيت صرين اكبرمني الديون كي تبري من

معزن عبدالله بن عرص الله عليه وسام مجاري ردايت فرمات بي انهول في فرايك من الله عليه وسل الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله عليه وسك الله الله وسك

رمیح سخاری رج ۱ صد ۱۵۱۸ معمرین خطاب کو میم عنمان بن مفان کو ر

رصی افد منہم اتبین بی مرب و کوں کے بیک دو سرے بسے افسال ہونے کی بی کرتے اور کہتے کہ فلا ل بے فلال افسال ہونے کی بی کر کے اور کہتے کہ فلا ل ب خلال افسال ہونے کی بی کر عرف اور ق افسال اور کر جمیں بی مرعم فارق و اس سے مرعم فارق و اس سے مناب سے افسال اور کر جمیں بی مرعم فارق و اس کا انداز میں اس سے استان کا انداز میں اور افسال اور کا میں اس سے موسلے منے تو اسس کا انکار و فراستے منے۔

اس سے نابت ہوا کہ صنور میل افٹر علیروسیلم کا بی ارتباد ہے کی دکو یہ مدیث تقریری ہے۔

یہاں پرا، مرسطلان اور اہم مستملان فراسے بی اس

ادرسانی بزرگون کا اس بات براتفاق سه کرحنرت الوگریمام آست سے انعنل میں امام شافعی ومیر مسلے اس بات برصحاب و تابعین کا امجاع واتفان نقل کیا ہے۔

## انسبت صرت الوكرم الناص والناع في المرح على مرث

الم منارى رحمة الدعليم منارى مي معنوت مبدالدين عرومني الدعنها سے لادي مي

كَتَا فَ زَمِنَ النَّبِي صَلَى الله عليه وسلم لما نعت بل باب يكس على الله عليه وسلم لم المعت بل باب يكس المعت المشافعة المشافعة عشر شرع عثمانتها فالمعالمة المساولة عليه ولم المنتبي صلى الله عليه ولم المنتبي صلى الله عليه ولم المنتبي صلى الله عليه ولم المنتبي المنتبي صلى الله عليه ولم المنتبي المنتبي صلى الله عليه ولم المنتبي المنتبي من الله عليه ولم المنتبي المنتبي من الله عليه ولم المنتبي المنتبي من الله عليه ولم المنتبي المنتبي من الله عليه ولم المنتبي المنتبي من المنتبي المنتبي من المنتبي المن

تزنی اکرم کی انڈولیروسلم می سنتے ہوتے اور آلکا روفرہ تے ر

ایک سوال اورس کا جراب سخرت می کی افغیرت اجمنت کا منت عیر منک سے بعضرت عبدالدین عرف کا مخرست عثمان دمنی الدون سخرت می کی افغیرت اجمنت کا منت عیر منک سے بعضرت عبدالدین عرف کا مخرست عثمان دمنی الدون

ال کا واب بیسید صرف مبداندی عمران اند عنها کے صرف خان رائی اندون کا افتال مرف ان ورد کے بدھرت فی رفی اندون کا افتال مونے کی نبی بیس موتی ورن اندون کا افتال مونے کی نبی بیس موتی و رفی اندون کا افتال مونے کی نبی بیس موتی و رفی اندون کا در میں آیا۔ نبر یوی محلی ہے کا مورد در التی سے مدم التی لازم بیس آیا۔ نبر یوی محلی ہے کا می دول اندون میں صرف اندون کے در مولی اس کے درد لاک و قرائ کی فرائی سے موٹل میں میں آیا موادرائ کا قریز یہ ہے کہ صرف میدا ندین عمرونی اندونها سے معرف میں اندون کی فرائی سے موٹل میں آیا موادرائ کا قریز یہ ہے کہ صرف میدا ندین عمرونی اندونها سے معرف میں اندون کی فرائی سے موٹل میں اندون کی اندون کی فرائی سے موٹل میں اندون کی کی اندون کی کردون کی اندون کی کردون کی اندون کی کردون کردون کی کردون کی کردون کی کردون کی کردون کی کردون کی کردون کردون کی کردون کی کردون کی کردون کردون کردون کی کردون کی کردون کردون کردون کردون کردون کی کردون کردون کی کردون ک

افعنیات صدیلی دمیرای در میرای اندون کی بانخوس میرایی مسترت مول ملی کرم اند تعاسط دمجرسک معاصب زاعد مسترت محدین منیغ دمی اندون کمیت

ل كرس نے اپنے والد اجدے وریافت كیا ۔

ایخفرت می اف طیروسیم کے بعد سے افسال کون ہے۔ فرایا الربہ بنیا انہوں نے کہ بی افسال کون ہے۔ فرایا الربہ بنیا انہوں نے کہ بی المحد کر افرایا میں اور مجے دُر المحد کی کہ بی کوئی کا نام ذیلے میں ۔ تو بی نے می کہ کہ بیراب افسال میں ؟ فرایا میں تو مام معانوں میں سے ایک مرد موں ۔

ام ابن مساکر نے معزن فنان فن رض اللہ عدد کے نعنائی بی کی مدیث کوا بک اور سند سے اللہ اور سند سے اللہ ایس میں کہ معزت فلی منی اللہ مند نے اپنے مسام اور سے محدبی منی فرسے فرطیا ۔۔ اِتَّ اللّ اللّٰہ ا

محرت مولاعی رض الله عند کا این باسے میں فرانا کمیں عام مسانوں میں سے ایک مرد ہوں تواض کے طور پر سبے دید اُسپ کواس بات کا بخربی علم متھا کہ اُپ اس و تست حب کر اُپ ما جزا دے سفہ بر موال کی رہب افغال سنے ۔ کیونکر اُپ سے یہ موال صخرت میں اللہ عند کی شہا دہ سے بد موال اور معمورت میں اللہ عند کی شہا دہ سے بد موال اور معمورت میں اللہ عند کے بد موال اور معمورت میں اللہ عند میں انہوں سف صفرت میں انہوں کے نام سینے سے معمورت علی میں کر مرب معمورت علی من آن وعد سے سس بیا تشنی موکئی رہے ہے۔ میں مورت علی من آن وعد سے سس بیا تشنی موکئی رہے ہے۔ میں مورت علی من آن وعد سے سس بیا تشنی موکئی رہے ہے۔ مورت علی من آن وعد سے سس بیا تشنی موکئی رہے۔

# مسائدافضايت فطعي ولمني موزر كانعس مجت

افغال شراد الانبار المجيدة المنت وجامت تام متقدمن معتزله وكوذ كشيعال لين المنت وجامت تام متقدمين معتزله وكوذ كشيعال لين

Marfat.com

نزد كميسسيدنا الوكجرمدلق دمنى النومز افض للبشر لبرالانسيسياري ادرعام شيعدومثا خري معتزا کے تزدیب مغرت علی م الڈوجہہ ہیں۔ يمرسيدنا الدكرمدلق منى الدُونركا نغس بونا المام الإلحري والمام ثناني ومغرت مبدوالنت ثانى وحفرست مولاتا بثاه عبدالعزيز محدث ولمرى ومحدث كارى من الترمنيم زدیک تظی سے۔ الماضط بو دکھتراست ج معتلالی والسائی للمدیث الدیوی مسلا و البراتيت والجوابري و منك والعامق من وشرح فقاكرمين اوروليل يركموت مولی عی رم الندوجهد نے تغفیل کے منکرواس کوروں کی مناکومتن قرارویا اورظنی میں ترانہیں ہوتی اس سے برحس مبرور علمار کے زوکیس تیغیل کان ہے تعلی نہیں۔ جن مغارت سے نزد کیے سیدنا او کومدیق رضی الندمنری افضیہت تعلی سیے وہ اس المحمارك وكافركيون نهين شهرات مجافظي كامتركافر بوتسب مسائل قطعيد كي تعين ولائل تعارض وعلماركا اختلان واتع نربوا بوادران ك ا ثباست کے ولائل تا وہی کا حمال می زر کھتے ہوں جیسے توسید باری تعالی اوراس کی صفات سبعد کا اثبات د میرونک اددظام رسب کمرستاد تغییل می تیسی سب اور --دوم وه مسائل کران میں علمارسنے اختاف کیا ہوا در دلائل تاویل کے محتی ہولکین جہیں ک ترجی ادرجانبین کی طرف سے بھٹ وتھیں کے بعدا ختاف ختم ہوگیا ورسٹوکی ایک جانب منتح دمغرد مهري بوريشم ابتلام تومركز تطعيت كامال نبين يكن بالاخ قطعيت يرمنغهى بعيد أفرست مي ودارست داونرى اوروم من قرآن وفيروا متوقفيل اى سعقيل كمصدراول بن اختاف را مماري جاجبت تليدتنني لسيدنا فلم تعنى حى الذحذى

معلی الاصل وظنی الکیفیت کی تبین طنی ہوتی ہے۔ منات سبعہ کا اشہات بلاشین الکیفیت کی تبین طنی ہوتی ہے۔ منات سبعہ کا اثبات بلاشی الکیفیت کی تبین طنی ہوتا ہے۔ منات سبعہ کا اثبات بلاشی سے اور اللی زائر روات یا ان کا عین وات یا لاعین ولاغر ہوتا طنی سے اور اس بات کی کیفیت کی تبین کو کام نفی قدیم ہے اور اس بات کی کیفیت کی تبین کو کام نفی قدیم ہے یا افغاظ کیے ہو جمعے صوصیات می ظفی ہے و بنانی الاعتمادی و بنانی الاعتمادی میں مورت مال میں ان منا یا تھے یا افراد پر طنی ہے۔ اس کے احمل میں انعاق کے اوجود اس میں علی افراد پر طنی ہے۔ اس کے اصل میں انعاق کے اوجود اس میں علی افراد پر طنی ہے۔ اس کے احمل میں انعاق کے اوجود اس میں علی افراد پر طنی ہے۔

مئوتنفيل است سب كرامل تغييل على مرزاع وتعايل ميك بداور

اس کی پغیبت کریففیل کس چیز میں ہے کنرست ٹواپ میں نفیع عظم فی الاسسام یکی دوری چیزیں یولئ سے اس میں قطع ولتین کی لمرف میں نہیں۔ تفصر تفصل المنطق كالبهت كالمتام بي جن كالمتعرى تفعيل يرسب كتفي كلي المنطق المنط كعف كولعض يرتضيد سخبشس وياسب سعيد بيت الندكوتمام بيوست اورجح امودكوتمام احجار ولسيلة القدركوتمام بياى ادرمبست ون كوتمام ايام اورماه دمفهان كوتمام بينول اور انسبيار كوتمام امتول برفضيات سه \_\_\_ اوركمبى تففيل تبى لافاتى بم تى سهميدة تحفرت متى الذعليرستم كى اولاد شرلعنه وازواج مطهرات كومب كى اولا ووازواج برنصنيست سب اورتفضيل بني إشم يرجيع تباكل استيم كالنفنيل مي توكسى طرح بمي نزاع واختلاف نبيل-اي - تميسرى تغفيل جزاتى سب عمل كے متعاسیدیں وہوالمتنازع فیداور دنیادی امورشا توست بهن وبلافنت لسان دحن سياست كليهم تغفيل كا اصلا اعتبارنهي البتز امور اخوى مثلًا تقوى و وانت مي تفقيل معتبرست - سمها قبال تعاسك المسحد كم عندالله اتتاكم اورطم مي مى كاما حماقال تعليظ حل يستوى المنين يعلمون والدنين لالعلمون - أورجها وميمى كساقال تعليظ وفضل الله الجاعدين على التاعدين اجراعظيا -- أرسن من مي كما قال عليه السلام خدركم خدركم الأهله -- اوركة تعبت وكثرت وكرالي أن تمام اموري مولاد عبرب كانات معنرت كاكرم الدّوجهد الني زماندي سيسي افعل محرشيغين كريمين وني النونها مول علی کرم الدّوجهدسے بمی افغیل ہیں۔ ارجه مادام ملكت مي ب كوانعنل كمعنى انعنل سے کیا مادسی س كر المتروز وظل كيهال زاده والزنت ماه والابواسه المحاكة بالمائة المسام البيرك في المركة بالمائة

منسنول کرمی مال موت بسے سے جنابجر سیدنا امام ہدی کے ساخیوں كانبت مدبث من اياست كذان من ايك ميك مياسس كا اجرموكا - معارست عرمن ك كران بي سكي ياس كايام من كرياس كا و فرايا مكرتم من كرياس كار تواجران كازائدموا مر العنيس بن ده بالسه مصطفام ل اندمليد ملمك معابد كرارم بني موسكة ومكرونا توكوارا بيال امام مدى كرزات ادكهال مسيدالمركين ومسيدكانات مل اندمليروسلم كي صحابيت كانترن إى ك مثال بين تجييع وشاهد است وزرادر دي انسان كركسي مهمكر كرية كرميا السك فتع موست برمران كوابك ايك لاكدر ديرا أعام من ديا اور وزيركواي نوستنودى اورقرب خاص كالرنيكبيث عطافها وبنطابر يرسير أمنيك لاكه وسيصب كم مايست كلهت كارتم مول م قبيت كاكا فازم كا محراعزاز نشرت اورفرب مسلطان کاروسے لاکھ ویراس کے را مے بھے۔ كمنا قاله صدرا لمسلة ومشركعية مسبكم الامة المحديم عنى اسسسال مسبيرى الوالعالة ممرام على ما حب الملى ومنوى ونني الدعن في كذا بالمبارك \_\_\_\_ بهدا د شولعه " ج اصلاء ــــــ فيزام ابن حرمتى رحمة المدعليه في انفيلت كوكترت أواب اورنفع عظيم في الاسسال مست تغييرك اورفرا باست انسااك تزلثوا باواعظم نغعا الممشيخين كثرنت أواب وتغعهله للسلين والاسلام امزعن موه) ملين بن سي وكومرس. مجدداعكم بمسلام مشاه احدرماخال دبيى رحمة اندعله المستندلمعتر بالرنجاة الابرم معن انتبين وطيق -- الانصلين فكرة النواب ونزب ورب الزباب صكاا والحكوامة عندالله صاوا سيبن العبین کرن واب ، قرب مدادندی ادر بار کاواردی من سے عبایت ہے

خلامہ یک تنفیل سیدنامہ یک کمروفاون اظستم ضی الندم با برجین علی ارتسین ان یائلی ہے جسس کامنک ابسنت سے خارج ہے تویہ اہمنت کے ملامات بیں سے ایک ملامت سے جس بیں نہ پائی جاستے تو وہسنی نہ بوگا،

المسند فی علامات می از بر ام ابی خید ام محد بی محد کردری صاحب تاوی بزاز بر سونی محد مرای می موان می برای برد می موان می برای برد می موان

امام ذبی ونیره نے نقل کیلیب کرحنرت ملی دنی اندعه نسنے فرا یا کہ مجھے معلوم ہوا ہے کہ کچر لوگ مجھے حضرت او کجرد عمرونی اندعنہا سے انفسل قرار نیستے ہیں جسبس شخص کا بچھے پرت جالک وہ مجھے ان سے انفیل قرار دیتا ہے قودہ بہتا ن

تراش کرسٹے والا ہوگا دراسے وی مزاسے کی ہوا کیسے مہتان نزامش کو دی جاتی ہے۔ بسنواگر میں بے مزاہتیای ترامش کا بینی بہت جلاسنے سے پہلے دسے سے آت ومنرور دیا ۔ فریس جہت تکسیمتان المنافرة به المنافرة به المنافرة بالمام بمبتابول المنافرة المنافرة به المنافر

مصرمی المراکی المرت میں المرصر فی المرت میں المرصر فی المرک میں ا

میے دو مبنت دکھان جس بربری امت و اخل ہوگ رصنون الو کم مدنی و منی انڈ عنر نے عرص کی کم یار مول انڈ مجے یہ بات بہت ندہے کہ میں اُپ کے ممراوم قرا اور حبنت کا مشاہدہ کرنا ۔ اُپ

مسنو! شدا ایرکو میری امت می سنے بہلے تم ہی بینت میں داخل ہو سنے بہلے تم ہی بینت میں داخل ہو سکے۔

أَمَا أَنْكَ بِنَا اَبَا نَكِ وَأَوْلُ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّه

صرت دولانا على فارى رحمة المترطبراس مديث كا ترع مي فراتي بين الله بعث ك مرت و من الله بعث ك من الله بعث ك من الله بعث ك الله من الله بعث الله من الله بعث الله من الل

Marfat.com

راقم المردن محد خلام مردر قادری دخوی موض گزار ہے کہ اس مدیث سے اس اللامت مرد نے اللامت میں بات بیلے میں داخل ہو اسے ۔ اگر اُپ ماری اُمت اور سب می بر ساختی در موس می بر ساختی در موس می بر انتقال مرد میں برات میں بات و میں بات اور میں بات ہوئے کا مترت اُپ کو کھے میتراً ، نیز اس می بات اور میں بات میں میں سے بیلے ایمان لانے والے بی می کے اضام میں ایپ می میں سے بیلے ایمان لانے والے بی می کے اضام میں ایپ میں سے بیلے ایمان لانے والے بی می کے اضام میں ایپ میں سے بیلے میت میں وائل موں کے ۔

بنائیر قرآن کریم می ہے ۔۔۔ وَالمستَّ الْبِقُونَ الاَ وَلَوْنَ الح ۔۔ ہم بم طرح آپ وہ ل مبت ہی سب سے اقل ہوں مے۔ ای طرح مراتب مبت میں می آپ سب کے سردار موں کے کل تمت سے اضل موسے کا جو شرف آپ کو مال ہوا یہ دنیا کی زندگی سے منفق نہیں ہے۔ کو اس طرح مبت میں می بدازانہ یا اگری مب کے موارموں مجے ۔

ینا بندمی ترندی می موست النس بن ماکست منی اندم دست مردی سبت. دمول اند منرت الوكرمد في كل جنيول كي مردار \_\_\_ مرري (م)

کرالوگروعمز نبیوں اور رمولوں کے سوا سب اولین دائن اومیز عمر بنیوں کے مزار میں۔ ہیں۔

اک طرح یہ مدیث من این اجری خود صرمت علی کرم افد دجہہ سے مردی ہے۔ ما مع صغیری ہے کراس مدیث کوا مام احد ترفزی اورا بن ما میسے صفیرت علی اورا اوجنب من من افران منہا ہے مرد ایر برخوا مام احد ترفزی اورا بن ما میرسے صفرت علی اورا اوجنب من من اورا بر ماروا بر مالو معید دوا برت کیا ہے اورا مام الو معلی سے صفرت النس سے اورا ہم طبران سے ایسا بی صفرت ما بروا او معید مذری دوا برت کہا ہے۔ اورا ہم عمیدالدین طبری سے را بی النفرہ می صفرت علی من

الدور سدوايت كاسه كري أمخرت من الدوليد وممراه منا توحرت المرمدان وممران وشي افذهنها مي اميا بك آسته نظراً شي و المخترت ملى المتوليد وسلم في ال سكم بارسي من فرايا بر یہ دونوں بنیوں اور رسولوں کے سواسب اولین وا خربن ادمیر عمر خبتیوں کے مسدوارمیں ۔ سلے علی نم انہیں ر نیا نا

والمنان سنية اكتمن ل أعرل المِنتَدِّمَى أَلَادًّلِينَ وَالْاخِرُينَ مَا خَـ كَالنِّيبَينَ وَالْمُرْسَكِلِينَ لَا تخبز جُا يَاعَبِلُ مِي رَدْى نِ مِنْ ال

الريسوال كيا ماست كد ترندى ك اس

ايك موال اوراكسس كا بواب

مدین کی مندمی ولدین محدموقری سے اور و مسندمدین می منیف سے ۔ جانچا ام زندی نے الالان كرت مرئة فرايب \_\_\_ الوليد بن عجد الموتدى يضعت في الحديث \_\_\_\_ کر دلیدین محدموقری مدریث می ضعیف محیاما ناسے - لبذا بعدیث

اس كا واب بسيد كر سيست من مديث منعيف فابل تبول من سيسيد كم تعبق الزرمي ب بدايمن كريمديث قابلت بالنين فلطب علاده ازبي مديث الم ترندى ف ودمرى مسند كم مامر ابنے مشیخ لیمقرب بن اراحسیم دورتی کے داسطے سے حفرت علی منی اللہ مندس دابت كي سياس من كولي منعن نبي سب لبذار مدبث معتبر قرارياني سب ولتدالحد يادمه المكركمول ويوسال سعده مال مك كاعرواك كوكميت بي وقاموس جامواه متنبحالادب بصم مسلا

ايك اورسول اوراكسس كابواب المركوني تشخش يرسوال كرست كرمعزنت الوكردم ربنی اندمنها نوادمیز هم میتول کے مردار برے ہوائوں کے مردار نرسے لیڈا چنٹ یں ان کاسب

ر د الركر وعمر من اندعنها انبيول اور مروان منتول اور مروان منتول من مرود المروم من المندعنها المبيول اور مراد المنتول المرود المنتول

مندان سَبّه اکه ول اهل مرسولان که البّ تر و البرا الم المبت و فقت المنت المهدول الفل المبت و مولان که و البرا المبت و مولان که و البی و مولان که و البی و مولان که و البی و مولان که دو 
مغرت المرمن وحین رمنی افترعنها نبون اور رسولوں کے بعد نمام بنتی ہوانوں کے مردار اور معزت الم بحق الم من وحین رمنی افترعنها ا مام من وحین رمنی افترعنها کے بس مردار میں بہم مسلک محقق المِسنت وجا عت بھا دراسی برا مباع والغاق ہے کہ مرتحقیقہ

# الخفرت ملی الله طلیه و کم کے جار و زرق و اسمان ہے و و زمین ہے اسمان ہے و و زمین ہے اسمان ہے و و زمین ہے اسمان ہے اسمان ہے و و زمین ہے اسمان ہے کہ دسول الله ملیان میں الله ملیان میں کے دود اور مسلے دود زر ماسی کر نامی کے دود زر ماسی کر نامی کے دود زر ماسی کر نامی کے دود زر

Marfat.com

التشتاء وكيوكن من أصبل ألكون تُنَاتَا وَلِهُ يُواى مِنْ آحتُ لِ السَّسَمَاء فيبربين ومبتكاني واكتا رَزِيرَا يُ مِنْ أحسلِ اَلْأَدْضِ نَا لِمُوكِيرٍ وعشرو وصحع ترندى جه مديم

أكان مي اور دو دزيرزمين مي ربول کیس اُسمان والوں سے گیرسے دووڈرر جرائیل اور میکائل بین اور زمین والون سےمیرسے دو دزیر الوکم وعمسسر

اس مدمین کی مرح می مولانا علی فاری رحمة امام علیه فرانے میں

كراس مدبت ميں المسس بانٹ كى كھنى دليل سے کہ حزمت الجرعمر و درسے صحابہ سے انعنل بي حبب كمصحار سارى مست سطفنل م ادر بر کم صرت الو کر و صرت عمرے انفسل مِن رمنی الدعنها-

نِيهُ وَلاَلَهُ ظَامِرَةٌ عَسَلَ مُصْلِيهِ عَامَىٰ عَيْنِ مِمَامِنَ الْصَّالَةِ وَهُمُ انْفُلُ الْكُتَّةَ وَعَلَىٰ اَنَّ اَبِنَا بَڪُيُوا فَنَصْلُ مِنْ عُسَرُ مرتات ی ۵ مده ۵)

حرف داوترتیب کا فاره دیا ہے

داقم السطودسرا باقصور محدثنان مردرقادى ومنوى مومن كما مريث مديث معصرت الوكرمدان كمصرت مرسافعل مون كى دجر حرف دادسے كيوكر حرف داؤاكر جي حصمطبل كيك سب نام داناتنكم كى كام ميں اس كے اسف المت ترتيب كالرمعلوم مواس الشرطيك الاست وتوكوني فنفس لازم أسق اور درى ملاف محظور ينزاى طرح امام ماكم في الوسعيد مذرى ما ورحجم زندى في الوسرر و ومنى الدع فياست وايت كيسب كروسول المدمبل الدعليروسلم في فروايا بد

أممان والول سے بیرسے دو وزیریں اور زمین والوں سے وو وزیر - اسمان والوست دو وزیرجبرتل و میکائل ادر زمین والوں سے ودوزار الوطر وعريل

Marfat.com

کے باتے برلکھا ہے ۔ مانب الابیان اپنی سندکیا مذرادی میں کو

محرت على كرم الله وجهز كم تشاكر د كرمشيد مخرست من معرف فرانت مي ر

مینوش کے بائے راکھا ہے کہ اندکے سراک میں میرون میں معروبیں معروبیں معروبی میران محداث کے دمول میں اور الرکر مدین وعرفارین اب کے وو وز می در

الم مرقذی ونی اند عزایی سند کمیان معنون الم عبدالعزیزین عبدمطلب سے دادی میں انہوں سے دادی میں انہوں سے دادی می انہوں نے اپنے باب سے دا بیت کی ہے کہ رمول اندمل اندعی دسلم سنے فرایا " اند تعاسلے نے انہوں سے جبریل دمرکائل اور زمین والوں سے مغربت الح کم وعمرسے میری حد فرائی ومرکائل اور زمین والوں سے مغربت الح کم وعمرسے میری حد فرائی ومرکائل اور زمین والوں سے مغربت الح کم وعمرسے میری حد فرائی ومرکائل اور زمین والوں سے مغربت الح کم وعمرسے میری حد فرائی ومرکائل ا

میں بیان کیاکہ م ۔۔۔ باربول اندی بی نے دیجیدے کو اسان سے ایک نزازہ نا زل بولی ان ان کیا کہ میں بیان کیا کہ میں ایک اندی کو درن کیا گیا ۔ ایک بیاری موسکتے بھرا فر کو رقم کا درن کیا گیا ۔ ایک بیاری موسکتے بھر عمر اور حمال کا درن کیا گیا تو عمر می موسکتے ۔ ادر میم زازد امٹالی کئے ۔ ادر میم زازد امٹالی کئے ۔

اس خواب سے اسمنون ملی الدولیو کم میجرارت و فرایا۔

خوکی کی میجرارت و فرایا۔

خوکی کی بیجرارت کی فالعل

ای مدیث کی نشرے میں مولانا ملی قاری دھرۃ اند علیہ فراستے میں مخرص مخرکے مفرت عثمان سے معاری آب معاری آب معاری م معاری آبت موج سف کے بعد ترازو کے اعظا ملے مباسفے کی قادیل برسے کر معنرت عمرفارت کی خلاف ، کے بعد زوال آنا شروع موکا اور نفتے مراح تعانی کے بھرفر ملتے ہیں۔

اورمرابیسے دومرے سے وزن بی معاری موسنے کے معنی یہ بی کرمعاری موسنے دالا اس سے افضل سے میں سے دومعاری موار ومعنیٰ دُنجان حکیل بین الاخر فر المکیزان اُن التواجع افضل مِن المرکب رمزان م مرده م

ادر حرّست فنمان ادر صرّت على دمن الدُمنها كا ايک دو مرسے سے و زن اس لئے دي گيا کو حرّت على رہی الله مذک خلافت ما بھر خلفا ہے مقالہ بن سب ہے اجاح واتفاق سے دینی ، کجرای بن صحابہ کا افتا ہم کہ بات من خلافت کو تسبیم کرتے تھے اور کے وسیلم ذکرتے تھے اور یہ دی مخرات میں المنت وجو مت مخرات نے بخوال افتال نے ۔ اگر چواس افتالات بن المسنت وجو مت مخرات الم مرحا ور مرض الدُون اور ان کے مامنی خطار پر سفے ، اگر چواس افتال نے مامنی خطار پر سفے اور حرات الم برصا ور منی الدُون اور ان کے مامنی خطار پر سفے ، محروف میں الدُون من الدُون من الله موافد ہے ہوئی الله بالله من الله بالله بالم من من الله بالله من الله بالله بالله بالله بالله بالله من من الله من الله بالله 
### Marfat.com

أتخنرت ملى الدُعبر وسلم كے فران كاكم بسب " برنوت كي حقيقي اور خانص خلافت ہے بمجر جم كوفدا بإسب إدمث مهت ہے" ---- مطلب برسے كم خلافت نورخالعر ج نوت كا إدرا به را عمس مولگ ادر سب منونت که ممل جهاک مولگ و و صنوت عمر منی اندمیزی خلانند کے اختتام کے ساتھ ب تنتم موجاست ك ر اوران ك ليدم وسينمان والمن والدعم الدعم الما فن من بوت كى وو لوري محاك ز برگی اور زمی دو هم کامل بانی مست کار طوا ن کی خلافت بی باونشا بست کا کچیه شا ترشال موجاست کا او اخلانات وتشدر کے طوفان ایرانی کے ۔ نالہ الا ام اسلی منی الدوم تاست و ملص

صربت اا الم عبدين حميد سنداين مستندي ادرامام عيم وفيره كني ايك منون كيها مغرصن الودر امنى أندعمة سهر ابين كى سيدكم أكب مزند وه لين حضرت الودروا دمنى المذعمة سخرت الوكرمدين منى الترعز كم أكر أكر أكر مل رسه من أو الخضرت ملى الترعلب لم في مخرت الدوروا سے فرایک سلے الو دروا! نم ایک لیے شخص کے تکے موکم میل سے موج تم دسی ہے انتقل ہے اسب مجمر فرایانہ

ببنی امدکی تنم نی کے ہوا موج سے كمى ليص تنفس برنه طلوع كياب ادر زعروب

فوكالله كاطكعت التمث وَلاَعَنَى بَنْ عَسَلُ أَحَدُ إِنْضُلُ مِنْ أَبِى بَكُ رِمواع مَدُا وفلامن الماسك الماليكريد الايواي مسهمهما وحامضيه خال مهمهما)

مین صنرت آدم مدانسدام کے زمانے سے بکرائ میک فیوں کے مواکئ الیابدائی میں موا ومعزت الوكرم بربن منى امتدم ترسي انصل مور

اكيدرابت كالغاظرين سه ماطلعن الشنس على أحد لعبد السّبيّن والمرسكين وفضك من أبي بعث وسركيبون اورمول كيرين ے کی ایے معلوم نیس کیا جا او کو عدال سے اصل ہو۔

ایک اور مدرست میں سےجس کے انفاظ برمیں۔ كريوج تم مي سي كسي اليضغف برر مَا طَلَعَتُ النُّبُ مُن عَلَىٰ اَحَلِي مِنْ الله مِنْ الله مِنْ الله مِنْ الله مِنْ الله مِنْ الله مُعَالِمَ الله مِنْ الله مُنْ الله مِنْ الله مُنْ الله مُنْ الله الله مِنْ ا والعبان وغيره بالندوله تنوابر بالصحة واشارالاملم ابن كمثيرال معتد (صواعق صهلا) اس مدمیث میں تو انفس ہونے کی تنی ہے جس سے مساوات ایک سوال ہواب ایک سوال ہواب ایک سوال ہواب ایک سوال ہواب ایک سوال ہواب ایک سوال ہواب ہے ہے کہ اسس کا جواب یہ ہے کر یہ موال لغنت پرمبنی سہے جوکہ عرف کے خلاف سبے ۔عرف کی دو سسے بیمعنی ہوگا کہ سيرنا صديق اكبرست افض بي كيونكم قاعد يرسب كم جب عرف لغت بین تعاض مولوز جرع عرف مولی السبلد إحد إخضىل من زيد حسر كم *اس شهرين زيرست كوئى افضل نہيں — تراس* كامغيوم لغزئ تسادئ كانبي بكرمغهوم عرنى انضليت كالياجا سنط كالديناني عنا مرصن ميبي حاشيه شرح مواتن مي فرط تي إي --- والعرف اذاعارض اللفة كان السترجيع للعرف وشرح واتعن ج معیس — نیزشرت نجری میس — (ن الغالب سن حال كل اثنين هوالتفاضل دون التسأوى فأخانغي افضلية احدها تثبت افضلية الاخر وشرح تجربيميث الهيات ص ) — يبن وونوں بيسے براكيسے مالسے عالى النامس سبه تساوی نهیں ترجیب ان میں سے ایک کی انصلیت کی نغی ہوئی تودوسرے کی انصلیت تابت ہرکئے۔ اسس فاعد سسے بیہاں مفہوم عرفی معتبر بیوکا ۔۔۔۔۔ نیز حدمیث کامیل درور ادر واقعة حضرت اي درداريم منهوم عرني كاي مويرسي محاورات ادر کام ہے سیات کا بہی تقا ضاسبے کہ ۔۔۔۔ اس مدیث کو مغرت الوكرمسسندين بني الترعز كالضيرس كى دليل بناياطست - الحدالة المحركة المرين

المارن مدمین سے بہی استفادہ کیا ہے جہانچہ علام فہا ایم الملۃ والدین ام احمین مولی العروس علام خیالی مترن مستشدہ مشرح عقائد کے ماسخسیر میں اس حدیث کے

بین کام کا اس مبیاسب ان شخص ندکودک انسیب نشک ا تبا ند سے سلے مواکد الب اور اوراس سے وہ نیج متراسب کرمعنرت الو کم مودن دنسی اشد عز باتی امتراب سے میں انفل ہیں ۔ مَعْن نرون في سنة من ومن الله عندالكون والمنافي المنافية المكافئ ويروب النظار المنافية المكافئة المنافقة المنا

یهاں پرسوال بیدا موند ہے کو انحفرت مل ان ملیر کوسلم نے صغرت عمر کے بارسے میں می توفر ایل ہے کہ سے ماطلعت

أيسوال اوزواب

محی کی افغ لیت سکے تعین کے لئے دو طريقين اول ثارع على السام كى طرف

مرتفض مرخان كانتنع

لغى موشيخين دمن امدّونها اورصغرت على كرم امدٌ وجههسك نفأ كل بس يونعوص واردس ان بس وعورونوم كرسف كم بعرص الوكرم ربن وعمرفا ون كانفسبت منعين مومانى سب ملاان وانسبب بمن لفظ انصل وخبر مدى منع تحيير كما كم المريم وشهور من كو كر لفظ انصل دخبر و كم مرعى مينص مصصوت الوكرمدان وعمرفا دف منى الدعنهما كمي بارسيد من ومنهوروسلم بها درصرت مل كرم الله وبهد كم بله من لفط مسبد واحب وارد مواسع وه ان كي الله المصلغ تعن كي مبتبن به من ركفتا مبياكر أسطي كراس مسكة نم المنزاضات كي وابات وألمكوريون كمير ووراط بغذان اعال وخطات اسسلام كاتبتع اورجائزه ليناكه وليل انفيلين الترار لمست من قواس لمحاظ سعيم صغرت الوكومدن وعمرفا وق مي صغرت على مرتف سعانعل تراريات بس صى المدعنيم

مخفقبن المسالام ومفكرين تشركعبن سنے انصبیت کی نامات عمول بر انصبیت کی نیادمات عموں بررمی ہے

جهاد علوم عامر علوم فرأنبه - تعوى دانباع شريعين زيد - صدفه دانفان في بالله ومن سیامت --- انفل بهت کے لئے مروری ہے کران نام اموری سے وأوادرست ومكرمور اكرمهان سان امورم بصرات بمنبي عن الوكرمدين وعمرنان إلى من المدمنها اور صغرت على كرم الدوجهد كا نقابل ما مزء لبن توصر المستعين حفرت على سن ان مام امود میں مرسع موستے معلوم موستے میں مجران کی افعیلیت سے ابکارکرنا کہاں ک

والنش مندى سب

جاديتن ونطعامعا انعلبت سه مراني

ارم شینی کافلیت

فضل الله المجاهدين باموالم وانفسهم على القلعدين درجة ف وكلا وعد الله الحسني وفضل الله المجاهدين عن الفاعدين إحرا عظيما درجات منه ومغفرة و رحدة وكان الله عفورًا رحيمًاه (مورت الذاركية منه)

مثبعه ما مان کھتے ہیں کہ صرت می کرم اندوجہ کوجہا دمیں مثنی نین سے اخباب میں مثنی نین سے اخباب ندرہ میں کہ مثاب کے مثاب کے مثاب کے مثاب کا مثا

المي جهاد كرسف كاحكم مقا- بنا مخدة آن مجديس ب يكايها النبي جاهد الحفاد يعى كي المي محترم كافرون اورمنانون مع جهاد فرماسیتے ادر ان برسخی کیجئے. والمنانقين واغلط عليهم د مورت توداً بن ۲۰ ومورت تحریم آیت ۹ ) ادر ودسری مگراب کوان مم موناسے ين ليسية ر الموت نساراً بيت ١٨٨ ا ورخوب ردشن کرانحفرت علی امد علیروسیلم اس کے باوج وجها دیکے تبہرے تم المجنب بننس تغبس معروف بنبي موست البربيط دوان فم كحيجادون بس رتعن تغيرتان منا على كت بيد المنام مورت جهاد ك ومي دولون تما نفل واعظ عظم الد. اب العما من وكيمام أو تصرات يمن جها دسك أن دولول ممول من مم من سيريش ميشين مسي كوكوالو كرمدان مصورمل اندعليه وسلم كمرسي بيطامى بس يعبنون سفاين وونت برست بينيترسيغ اسلام كانازفرايا - انبى كرسيلغ ساكاد أعمره صحابه سنداملام قول كمبار اوراً بيديميزامى ببلغ بمصودن مبيدا در اس معدوب إبردست معائب وألام رواشت كئ بكرائخفرت كى مدافعت كرنے موسے فرلش إفادن دمن اندعر حسس روز اسسالم لاست أس دوزس سے اسسال م كوظهور كا موقع بااو عبادات اسلام ولوستده انجام بان منبى كمريس علانه سيست ككبس كفاركر ومسلمانون ميازل طرح جيئة عقرات اين ما ين كاسن كالمت كركسة عقراد دولول مفرات المنطقة المسلام كوده قرت وغلبه حاكل مواكه المخفزت مل المدعليه وسلم النا الميا وزيره المرباليا- بينا بحريم وخرى بم صربت ابرمع بد صدرى رمني المدعن بسيد مردى بهد كم

بعن ہرنی کے اسان والوں سے دو وزیر ہوتے ہیں اورزمین والوں سے دو وزیر ہوتے ہیں اورزمین والوں سے دو وزیر ہو ہے ہیں کے اس اس اورزمین والوں سے میں اورزمین والوں العملی المصارة والسلام میں اورزمین والوں سے میں سے وووزیر الرحم وعربیں رمنی اللہ عندا

· رمیح نرندی ج د مد ،

ادر بادیم کے سے دزیر لیے دائوں کونیا یا جاتا ہے جوملم دنفل اور باتی مدامیتوں بی بینے تمام معاصری سے برطی میں جے جبرائیل دیمیائل تمام فرستوں سے دنفل بین ای لئے صفور کے دربی ای طرح صفرات بینی تمام صحاب دباتی است محدر سے انفل بین اسلے بھا و نوت نے وزارت جیے ایم عہدہ کے سے ان کا انتخاری عمر رسے انفل بین سلے بھا و نوت نے وزارت جیے ایم عہدہ کے سے ان کا انتخاری جائن ری الور کر دعمر میرے کا ن اور انکھیں بی دائدی الدیث

میل اندمیروسلم این قدر من تربوست کران حزات کو بینے کان اورائیمیس قرارہ یا - چنا پخر ام زندی سفراین ترمذی کا اورام حکم نے مستدرک میں اس کی صحت کا قول کرنے مہستے حضرت عبد اللہ بن خنطارے اورام طرانی سنے حضرت عمروابن عمرونی المدعنہم

إن رسول الله صلى الله عليه دملم رأى ابتابكردِ عُمرفقال هذذ إن التسع الملكمة.

آ بالحب*یس بس ر* 

دوسری مدین بی جے ام ابغیم سنے علیہ بی جغرت ان عکسس سے اور خلیب نے جابہ سے اورام ابولی لسنے روایت کیاسے وں آ تاہے کر انحفزت میں اندہ بردم

نے نربایا ----

یعیٰ ابر کر دعمر مبری نسست لیسے ہیں میسے کان اوراً بحومر کی نسبت میسے کان اوراً بحومر کی نسبت

الموبكيروعسمى بمنزلة المسبع والبسرمن المرأس بصواعل نديمه

نون که --- انتخارت من الده با در کم مرقهم می حفارت شخین سے مشوره فرات شخین سے مشوره فرات شخین سے مشوره فرات تنے معالا خواہ امن کا مو یا حباب کا ان کے مشورہ کے لغیرہ و تو ئی بر بہیں ہوا تا مسلمانوں کو متحدر کھنے ، وخمنان اسلام کومنفرن ومنتظر کرنے ادرای طرح کے برے برے کا رائے حضارت شخین نے انتخفارت میل الله محالی مرج دگی برائی وائے مام لیالام کومتحد کھنے اور اسلام کے خطار و نیج وافعرت سے متعلق ال وشمن بن اسلام میں کا مدا بیر انتخارت قبول فراکر عمل جا مرب نا نے کہا تھم دیتے ہے ۔ ارتبانی اسلام بی کا مدا بیر انتخارت قبول فراکر عمل جا مرب نا نے کہا تھم دیتے ہے ۔ ارتبانی اسلام بی کا مدات کی خدرت الله و الدا تو ایس کا مدات کے متعنی کو بر حضور داکر دم من الد طیر دسلم کی خدرت الله در میں کا متحد متعنی کو بر حضور داکر دم من الد طیر در سیم کی خدرت الله در میں کو انتخارہ کی خدرت کے اسے تبول نری مور الدی میں کو انتخار کی مدرت کے اسے تبول نری مور الدی میں کو انتخار کی مدرت کے اسے تبول نری مور الدی میں کو انتخار کی مدرت کے اسے تبول نری مور کی مور کا میں مور کی مدرت کے اسے تبول نری میں کو انتخار کی مدرت کے اسے تبول نری مور کا کو کھنے کے انتخار کی مدرت کے اسے تبول نری میں کو انتخار کی میں مور کا کو کھنے کی کا کہ مور کی مور کا کھنے کو کھنے کی کا کہ کا کھنے کی کا کھنے کی کا کھنے کی کھنے کے کھنے کی کا کھنے کو کھنے کی کھنے کے کہ کا کھنے کی کھنے کے کہ کا کھنے کے کھنے کے کھنے کی کو کھنے کے کہ کھنے کی کھنے کی کھنے کی کھنے کی کھنے کے کھنے کی کھنے کے کھنے کی کھنے کے کھنے کے کہ کا کھنے کی کھنے کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کھنے کے کہ کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کہ کے کہ کھنے کی کھنے کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کہ کھنے کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کو کہ کے کہ کھنے کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کھنے کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کے کہ کھنے کے کہ

میما آور حضرت عمرفارد تی چنی ا**مدی سنے می** تبیرسے تیم سکے جہادیں خوب معذب ست زیاد د بها در الویکر منصے دصرت مل من از دممۃ الله عندے دوایت كريته من - أب سنه لوگوں سے آبو عبا تباؤ ست زیادہ بہادرکون سے بمی نے کہائیہ آب نے فرا یا میں نوممیندا بیا برار کے جوڑوں سے اوا موں یہ کوئی بھاوری نہیں ہے ۔ لکن مجے بنا درسب سے مرا بہا درکون سے جبلیف سے زبادہ قوی سے لوا اور ہرمیان میں غالب رہار ۔۔۔۔ وگوں سے کہا - ہم نہیں مانتے ۔۔۔ آپ نے فرایا الوکر صدیق ميرآب نے فرما ياكم ----" جنگ برر کے روز سم نے انخصرت علی الله الله کا کو ایک سایہ نیا ویا حب سكے بنیجے آب عبوہ فرمانتے ، اورمشركين وكفاركا زما وہ زورامی ظرف تھا - بم ندايس مي متوره كبا كرحضورصلى المتدعليد وسفله كميراه كوين تقهرست كاكرمشركين وكفاركواب کی طرف د برسصنے ہے۔ تو ہم میں سے ابر کمرضدین کے سوائمی کوم جرائٹ نہ ہوئی جفت ا ہو کمر صدبت کوارسے کرمضور کے پاکسس کھڑے موسے موکھنے ۔ عبب مشرکین آ میں بریکھنے کر أب كوتهد كروس ذحنرت الوكرصدين ان يرفرت يرست ادر مادكر ممكا فين " میر صنرت علی رمنی امتدعمذ سنے فرط یا۔ ابتدائه اسساري ايك روز قرنش في الخضرين صلى الله عليد وسلم كوكير لیام اوراکیت رحمار دیا اورای سے اوست حانے اور کہتے حانے تھے کہ ---" تم می جو ماسے مداوں کو را تاکرایک ف ایک داعی بن گئے ہو"

شعد ادروبه المنول المون عدانت كرتهن إرانه بيت على عن ركماة وست برست الاسد م

تہیں بادت تسنے تم ایک ایستی کی مان سے دریدے موسکتے ہوج خالے واحدولات كراينا بيورد كارما تاب بير صربت على كرم التدوجهداتنا روست كرأب كى دارمى مبارك ترموكى اور فرا باكر تمهي ملاك تنم مجع تباؤكر وم فرون كرون حروب عليالهام بيضيايان لسن سفع بہتریں یا قرم قراش کے الو کر صدیق ؟ اوگ خا وسش سے میر تودی فرایا تم مجے جاب كيوں نبس فين سيت مستم عبدا او كرك زندگى كا ايك ايك لحرق فرعون سعدموسط پرامیان لاسف دالوں سکے م زار نرار کمانٹ سے بہترہے ، انہوں شے لیے ا میان کو جیسایا مگا و کرمنے نے بی جان کی بردا سکے بعیر قرامیش می کے ساسے بلیے ایمان دياريخ الخلفارمس (٣٩/٣٩) كااعلان كردياتي للم بقيناً و قطعاً معبارا نضليت ہے مبياكہ علوم عالمين بجين كي نفتليت قرآن بسے۔ یعی فرما دیجے کرکیا علم دالے اور مَسَلُ لَيتُوى الْذِينَ لَيُعَسَكُمُونَ ہے علم را رس سکتے ہی ؟ تعی ہیں مرکعتے والذين لا يعلمون تنيع صزان كهتة بم كوع من صزت على من الدعمة سب افعنل سقے بم كهت من بير تحي غلطه بالإحترات بيخين العنل تفعر علم کی زیادتی کی دومورنی میں ایک کترت

بالمرسي كمى مصعفى بهير كما تخعنرت على التدعليروس لم مقصرت الإنجرم، في وعن التدعة كو اینا قائم مقام مفرد فرا با ادرجها دمی امیرکیا ---- ادر یمجم مرم کر انحفرت عمل اندمار الم نے ذکوہ وصد ترسی کی وصولی کا معالا معنوست عمر من امند عرف کے میرو فرایاتها اور محذیم ارم کے زدیک، رکوۃ دصب نات کی اُنٹرددایا ت صفرت او کم صدیق رضی انڈی نے سے سیجی ہیں ا ادرمسائل زكونا كومضت ومترح حزمت ابوكم معدبن رمنى اندعه خدم امريب لمر كوعطافرانى سے - اس كے موكس --- حضرت على كرم الله وجهد سے ذكو ہے ليے بس ایک بی حدیث مردی سے اور دو محی درجر صحت کو ہمیں ہے۔ بنی اور اس میں دیمہ دارتھ مواسب اس سلن ملا ارتمرلیست سن است از بل عل قرار دیاسی اور ده مدبیت برسی ---ان في خنرس دعشرمين من الابل خسس نياي ---- يعن كيراوي میں پارٹے کمراں ہیں۔۔۔ حب کرمند بیسے کرمیس اوٹوں میں ایک بنت منائل ہے ادرنبت می ش اونٹ کے اس بیے کہ کھتے ہیں جوابی عمرے و دستے سال می نزوع مو ادر--- یا بات می اظهر التمس سے کرمطانت مین من اندعها برمرصه يرحفرم ادرمغرم صفوداكم من اندهيروسلم كيم المست يميم عرموبهفود مل تدميروسلمس زيرصوان يجيع بساورزي صورملى المدميرس لمن البيرا سع جُدا دکھا۔۔۔۔ حب کرحنرن علی کرم انڈ دجہدکولعبن مواقع پراسیے ہیجے جوڑا مؤشبن كمين كوم وتت بين ما نذركعا . يرالك إست سي كم معنور من اندعليرولم نے انہیں کی خاص مہم کیم کرنے کے لئے دانا ز فوایا ۔۔۔۔ اس سے می مخوات بینی كالليت دامميت كے زبادہ موسفى كابية جاناہے. صنودمل اندها بركسلم نے مح ترآن --- و شد اور هسنم فب الامر---- كرم معاسے م ان سے متورہ لبار کھے انہیں اپنا مشہر

فرالعاك نے انصرت بی اندعلیولم کوصرات بین سے مشروکرتے ہوئے کوصرات بین سے مشروکرتے ہوئے

بين كمالات علميه كوليد والمرتجير كالمقد على موسخة.

چانچ انین در از دمرتدین سے قال کونے بھنودادم مل اندهلیدوسلم کوئی اجائے دی اسلم کے دی اسلم کے دی کا بھیر نامت کے لبد دون کرنے کی مجرکے تین ، انتخاب خبیند اور انعین دکواۃ ومرقدین کے بعد میں جب صحاب کی بائمی نیل و قال نشر درع ہوئی اور مسبب سے سامت قابل نشب ول و قابل مل ملک کے ذہن بین بہیں گرما تھا ۔۔۔۔۔ اس ترت کی روشنی میں ابیے ابیے مل کوئی اور ابنی سے کہ جمع میں میں میں بیاری کوئی کے کہ جمع میں اروشنی میں ابیے ابیے مل بیشیں کے کہ جمع میں اروشنی میں ابیے ابیے مل بیشیں کے کہ جمع میں اروائی میں ابیے ابیے مل بیشیں کے کہ جمع میں اروائی میں ابیے ابیے مل بیشیں کے کہ جمع میں اروائی میں ابیا ا

اس کے باوج دکراب حضور کی اند علبروسلے دحمال کے مغودا عومہ عبروسلے دحمال کے مغودا عومہ معبر صنور مسی ان معلیر دسلے مصابطے معبر صنور مسی ان معلیر دسلے مصابطے

حفرت على بحفرت عمر الورصرت عمان من من الوركوم والمن مع في المالية الم

صغرات ببنبن کے رہے زبادہ علم والے اور نقر دستویٰ کے رسیے زبادہ مہر موہے کی دہل میں صغرت مبدائدین عمرکا ادبرت ومبہت ٹری مجست ہے۔ جنابج صغرت عبدانٹدین عمر

رمنی اندمنها سے سوال کیا گیا کہ --

ان کے ملادہ کمی اورکا مجے علم سے زمانے
میں کون کون سے صحابہ لوگوں کو فتوسے دیا
کرتے ستنے انہوں سنے فرمایا کرا ہو کو دعم اور
ان کے ملادہ کمی اور کا مجھے علم نہیں ۔

مَنْ حَانَ لِينَ النَّاسَ فَى دُمِنْ دسول الله مسلى الله عليرولم فعال البومبكروع مرما اعتراع عليمًا وعاري الخلفارم ومما

مديخة اورآب كے زما مذيس طرح عرح كى بدعات كاظہور اور تنازمان و مخاصات كاعور ریا۔ اس وقن علوم نوبیسکے اظہار کی از حدمنرورت بنی اوٹرسیس سال کا آنا بڑا زمان میں آب كرميراكي بين اس كے بادجرد أب ك روايات كى تعداد يا بي سوجيا كى سے الكے تب موقى يكن اگر صنرت مدين اكبر منى المذعن كواس قسد ربين نيس مال كاعرم مبيراً با قواس بيا. ے آب کی وایات کی تعداد صنرت علی منی اشدعند کی دوایات تین حارکنا زائد موتی اس سعمعلوم مواكر صغرت الوكرم دبن منى المترعن مضرت على كرم المتدوجهة مئ گنازیا و علم سکتے شنے ۔۔۔۔۔ یہی معنرنت عمردمنی انڈیمنز کا حال سے کہ آب حضور مل المذعليروس لم محے ليوصنرنت على منى المدمن كى نبسنت متودّا عرمة صبيب البيے منحاس كے بادح واسب کی روایات بایخ موجیتیں بی اورائی سے فادی ان روایات سے از حسد زبايره من \_\_\_\_ ملكونغه محدم مسئوم أسيط منتكوك ادتبغتى حق خرائى- اس طرح مسلوك معرفت ادرمقا ندسك من لينزنعنيرقوآن مرسى بيان الثاو فراياسيهان يمك كراكراب كى ردابات وفنادى واحكام ومسلوك ومعرنت كارشادات جمعك عابي توكئ ابك صحيم كتابي معرض ديودين ألين --- با وجود كيرصنرت على كرم الله وجهد في صفور كالله علير وسلم كع بعد صرمت عمر مني المذعرز سي تفزيه أستره سال زياده عمريا ألى سبع - استف طوبل مومركى حيات كے فرق كے با دجود حفرت على كى دوا ياست صفرت عمر كى دوا ياست سيے مرف انتالبس مرتوں سے زمرماتی ہیں۔۔۔۔۔ اگر صفرت عمر منی اللہ عن صفرت علی من المدورك وإمره يات مستعار بان أو أب ك روايات صرن على كى روايات مئ كنا برص مانيل .....اس سه رونشن ب كر حفرت عمر من المندم علم من مفرت ملى كرم المدوجها سا العنل ستے۔

نیز ملاده ازی بیسی مفرن ملی کرم اندوجه کے مفالی بی اگر صفرت مرمنی الدوری متانت تقریر وست نهیم اور سی تعلیم کا نظر انعاب سے ماره ایا میت و مرمنی المدوری متانت تقریر وست نهیم اور سی تعلیم کا نظر انعاب سے ماره ایا میت و

بهت فرق نظر استے کا سمبر کی مصرت علی مرتضی منی املاعد سکے زوار میں کوئی مختف فبروتننا زعرنبرمستومل زبوا اورآب كانقردات سيمي تممكا زاع سلے زہواان کے بھی صنرمت عمرمنی امتدعدی قرمنٹ تقہیم وسیس نعیلم نے کمی ممثلہ کو زاعی رہنے

علم قرآن می است. این این است. معبارانعنابتسي

علم نرآن تمي لقيبنا وقطعا يناسخيرنزان پاک يس

ے سنے کینٹونسٹ کھیلگ العب کاب منبیات بھی شکی مم نے ابید کتا سیدا تا دی جس میں سرچیز کا دوشن بیان سیسے دسورہ کی آیت وی س تنبيهمنرات بكنت بم كمعلوم قران بم مغرت على من الله عدا نغىل شتے يمياں وعویٰ کی بنا صرف نوش افتقا دی برہے ۔۔۔ خنبقت یہ ہے کرعلوم قرآن می صرات بین بين البر كرمندن وعمر فاروت مي مسي افعنل سفے.

علوم قران و و ربی مطلب اور نفیبر دنشر رسی کانعلق معنے و معلوم قران کی دو میں ایک قیم کانعلق معنے و معلوم قران کی دو ربی کے ساتھ ہے اور دوسر

تتم كانعلن نطم فرأن كوفوني اورش او المبسكى كريدا مؤتلادست كرسف كرسافقه ساور يامرنيتين سب كران دونوں اقدم مي مصرت على كرم المدوج ومفالت مينين سے يرمك نہیں سے۔۔۔۔ مجرمعنرات سینین علوم فرآن سے سیے زیادہ عالم سے راس پر اہل ميرد مؤرمين نك منفق بي.

عام خیال بیرسے کر۔۔۔۔ علوم قرآن بی صرت او مجروعمروعلی منی اند ونبم وإرشع اورمعنرت عثمان الصب ومرص منرت مل سيدمكر شفي كدانهون في لال كر فننف ذارتوں سكاختاف دزاح سع بجاكراكيب قرابت برجع كيا ادر مما فعت الغا اررسم الخطاب ابنیال کارنامه ب مرحضرت فتان دمنی الله مرز کے اس کارنامری بنیادی مسرات شیخین کی مساعی جمیادی بن سے خران کریم مینوں سے حیفوں بن قتل موکر دوجودہ ترتیب کیسا تقدم عرض شہود ہیں آیا ۔

نیز \_\_\_\_ اگرای سندی برصفار فورکیا جائے قوصرات یکن علوم قرآن بی سب زادہ فائق دافضل نے \_\_\_ چائی اکھرت کوالئ کا کا میں در کم کا صنرت او کر مفدق کو لبنے مصلے پر کھڑا کرکے است کو انے کا محم فرطان اس کا بین ترب ہے کہو کو صفر میل انڈ ملید دکم کی ابن ہایت برخی کر \_\_ فلیدوم حکم افسی دی ہے مجالب اللہ واعلہ کے مبالمت کے الم اسے بونا چاہیے مونی سے زیادہ قرآن دان اور سنت کا علم مو \_\_ بیم آب نے صفرت الو کر مدبق کو اپنا مصلا سونیا معلوم مواکد صفرت او کرم فرآن دسنت کے سب صحابہ سے زیادہ مالم تنفی

میمرصرت عائشہ مدایتہ رمنی اندونها کا صغرت الوکرمدین رمنی اندونه کی دفت تنبی کی بنا انہیں ایم نز بلانے کا مشورہ عرمن کرنا اوران کے بعدان کی بجائے صغرت عمر دمنی الدور کا اہم گرا می مینتیں کرنا اس بات کی روشن زین دلیا ہے کہ حفرت الوکر بیم ان کے بعدصرت عرم فزائن علوم کے رہیے زمایہ، علم نفے ۔۔۔۔ لہذا علوم قرآن میں صغراب نیجین ہوسیے زمایہ افضل متے .

مدین میسے که انحفرت مه اراز علیردسلم نے ارنداد فرا با — سات انا مد بسنة العب لم دعث ت بنامیما — کمی علم کانهر

مدرین آنا مربید انعام وی می مینید انعام وی می مینید ان می مینید انتا می مینید انتا می مینید مینی

ہوں اور مل اس کے وردازہ بی ۔۔۔ اس مدبیت سے صربت مل من اندمز کا علم

زاده فابت مؤناسهے۔

اس کا ایک جاب توبیسے کہ یہ مدین درخصت کنیں بہنی مبیاکہ ایم این جرمی رحمات مليزم المستريب - أن ذالك الحديث مطعون ندية زمون صعام) ---- كرير حدميث مطعون نبريع فنعف سند اورم ميلے عون كرات مي كرمت منعف انضببت بس كادمنين موتى اوراكراس كوصحنت ياحن وسبر كمرب ماست نو اس سے تسکے کے الفاظ می تا بل بوریں ۔۔۔۔ خالو بھٹے دعسوا مبھا۔۔۔ کہ الوكراس تنهر علم كامح اسب من --- اور به حدیث امام دلمی كی كتاب ---الفزودس بين اسطرح سه ار

اننامد ببنت العسلم ولوبكير المين ين من ملم كالمشهرون الوكر اسس کی بنیا دا در عمراسس کی جار ديوارى اورمثان اس كى جمست ادر على اس کے درواز سے ہیں۔

اساشها وعبرحيطا نعنا ا بالمشيها رصواعق صلام

اس مدبن سے سب سنے پہلے توصرت الح کرمدین من الدعزى نعیلت أبن مولى كربيادى سب كيوموتى سے دردازه كا نرتولعدين النسے بيط بياد مجر جارد ارای میرهیت میردردازه موکا- درنه بنیا دیارد اداری ادر میست کے بغردوازه بكارموكدره مانكب سسال مدين سيافغين مين زتيب فلافت أبت بوتی ہے۔ لہذار مدبرے المنت بی کے مقائد کی مزید ہے۔

نغوى وانبائ مجي بقينا وقطعا معبار انفيست من قرآن ميرس ب إنَّ احْبِرمُكُمْ عَبِندُ اللَّهِ الْقَاكِم

تغوى دا تباع شريب مي مضينين كي نضيب

سب تک افد کے ہاں فرسے دستے والا وی سے وقع میں بی فرا رم را اور کا

مارس دس ابی ابی طالب کومبرگزدات نبیب اورزا حازت ہے کہ وہ نبی اندی ماحب زادی کے گھرس میسنے ہوئے عدوانڈ بعبی دشمن خدکی بنی کوگھرمی بیاہ فائے "

نسین سیروست ماصرت علی کرم اند وجهد ورض الدوندنما زنهجد کے باسے بین مجی مورد خناب سید ملم مسل اندعلیروسلم میسنے ادرای طرن حفرت عمر فارد ق رمنی املہ عزز نے کہی انحفرت مسل املہ علیہ وسلم کا اطاعت میں ردگروال نہیں فرائی اور ذکھی ایسی بات کا سوچا حب سے صفور مسلی املہ علیہ وسلم کو ایڈا جنسے کا اندینے مواقع پر لعبش امور میں اب کے مشوعے آنمفرت مسل اللہ علیہ وسلم کے میلان ملی مرائے کے خلاف واقع پر لعبش امور میں اب کے مشوعے آنمفرت مسل اللہ علیہ وسلم کے میلان ملی مرائی کے خلاف واقع ہوئے قوان مشوروں میں کی طرح کی ذائی

4.

غرمن بإخوا بمشونعن كوكونى وخل مذنها محص للهريت اور فرط مغربر المسدادي وفرط فنرت إيماني سكه تعاسف شف اس كه با دح وا تضرب مي انترطيه و المهند أب كمان منه بن كوقد رئ كابولا سع دبجها ادراس برأب ك تعربهت وتوميت فرما أن ادراب كرصونت فرح عليرال ام کے جذبابنت کا منظم وزار دیا ۔۔۔۔۔ اور آخرکار دحی الہی می صربت عمرمنی اندع نہے۔ مشوروس كى تائبيب نازل بونى استكوكوئى عقلندخلا شةشرع ياخلاف نقوى تعورنه كريكا بك أبيب كم خلوص مندبات وصب في المندولين في المندا ورائت واعلى الكفارى من أغبرس تغيركرسه كالاستاب كوشان انسبست بيمى نبين زادنى تابت موتى سهد بہی دجہے کر۔۔۔۔ملمادکوام نے لبلے دوانع برآب مکے مشوروں کی مَّ نِبِهِ وَحَايِبَ مِن نَازِلَ مُوسِنَهُ الْ آيات كُوسِ مُوافِيقًا مُنْ عَمْرِ سَلِمُ عَنُوانِ سے آب کے نضائل ومنانب بی شارکنا ہے . . / 60 2/ 10 زمرور ورابل منان كالصليف ادرتورال الله مىم معبارانفسسى بىن سىسە ، جىسىت بېر قران مجسب مېرسىپ نشن يغضسيل اللوك مبيعته سلے نی عمر م فرما ویکے کے وہ خدا منسذلك نسكيفر يحواهس ستحضل درحمنت كي نؤمنيال مذابي ختيزمتايغيبعون برزنمنز کونفنل درمسن ان کے اس مال و دولمن سے بہترسے بھے دو جمع سؤنت يونس

شبعه ما مهان بانعبسك صرات مجت بن كرصرت مل كرم ان دجه رسي در كرزا داد زارك الديد منع البن ماري كزارش به سي دمير الميث يني كرمين بي الجرم مدل ا در عمر نارون من المدونها مستب برمكر زامدا و زارك الدبيا منظ .

فراس حنبتن كايم مازه بيع اس خبقت كا مازه بين سي بنيزلغط زمر كامفهم ذبن نشبن كرنامى منرورى سبت كاكربم معورست مال كويمين بب وی وفت روم درم من با محسازوسان، اولاد، ازداج ، خدام اورجاه و منتمن سے الع نظر كركة أخرنت كي تكوكرت "كانام المسيسة الساس كے بعد معلوم اور الما المبيت المصرات ينبن ك زندل كامطالعه كيا على أو ده زمر وزكب ونباا ورسي كراعزت بن المجى سب برسع موسے نظر کسنے ہیں۔ اس اجال کی تعبیل بیسے کر حبیضرن المصرت الوكرميرين كازب الوكمرمدين منى المدمن است اس وتن أبي بيس بهن سامل مناجدات المذنعاسك رمنا اوررسول المنظلة عليرو لم كي خوشنودى درمنا مي صرف كرديا كئ ايك ملان فلاموں كوخربرك أزادكيا وا تعبّر حرست بال من الديون اسم برشا به سه سه بهان يمك كداينا سب ال ومناع ادرهم كا تا تركب اسسام برنسادیا اور همین امندورسول بل دعل و مسل امندعلبروسی المنحنرين مل المدعليوسلم محدومال محد بعد حب أب امبالمونين او معيفة الملين منخب برسے اس ذنسن کی رسکتے شنے۔ معانی حالات بہتر نباسے کے لئے أب كرسنهرى مواقع ميسف بسين السنتوحات بي ملى مون والمعتبي بيبر

استعنز ن من الن علير ملم كه دمال كه بدحب اب البرالولين و معيمة الملين المرافولين و معيمة الملين المنت

مذبيت سبة كجدكيا مذابل وعيال سكسلة اورد نولبيش واقربا كوكون منعنت بينحان تنخا يا وظيفه مي اتنالباكر م سعة فنا من كرس تدونت باس مؤمانها م "ارتخ السلام اس برگواهسه كراست فنامن وكفابت يرمين روزم ول من سے زیا دہ کچے لبنا منظور دکن اوراتنا بینامی گوارہ زفرایا ج اسے اہل وعبال کی اُندہ فو كسك يسانداز مزارت ادركب كدان ككام أنا سيجب آب كادال موا تربيت بيجيرا كب أوه كمجوسك مواكوني جانبداد زهيوري . زكمبني رزمن اورزورم ويناردفير<del>وسس</del>البنة ايك عبثى غلام أيم بخيف وكمزورما ادنث اوراور صفى أي ما در رمعی در نذم من من محورا فکر صنرت و موسے بالس معواد با اور قرایا بد م تم بهیندالمال سع مواری اور خادم رزاین می می منت بول کواورای مضربت عرصى الدونية أسيست ولكر كم فرايا - رجمك الله يا أباكر وَلَقُد اتعبت من جاد لعدل - ك الوكرا لذنم برزحمت كرسدتم سنه دا منت وقاعت كرسك أستفى كم سن منتفنت بداردی ونبرسے بعضبه سوا معنرست مل منی اندع زکے باسے میں کھھا ہے کہ جب آہیے موال کیا گیا تھا کہ اگر أب كوصنرن مرمن ابندس كوفليفه نيايا مبسته توكيا أب كاب دمنن اورسرت بي يمل كريد كي السيني فرايا تفاكر مي كن ج منت يكل كود ساكا مشيخين ك برت يمل كرسف برآما دفى كا أطهار زفرا يكر ليسن أبجوان كى مى دبا منسنة مشقنت اودان كسيسي زم وفنا كالتملمموس د فولسنصيغے ۔ اوردنیاست و فنی کایرما لم مفاکرایست وجیت وطان می کداید وصل ترئے یا نے کیروں کا کمن دیاجئے ۔۔۔۔۔ کیا تاریخ مالم میراه محسن کے زم

الدونيال اليي مثال بيش كرمكت و الرونير اورصرت فاروق اعظم دمنى ال عذكا مال م إسى طرح سبت أبي مي بيت المال سے بهن كم ولم يغربيت منے أب كالبراس قليل وظبغرست فارست المناه المازكان من اورصب مبدكا موقع أيا تواجها ساكمانا بكايا - أسف المحاكة فناعب وكفايت يرمبن وزمره كامترديث كبية ببيت المال سيرح وظبفه لمناسب الاست تواليا كمانا تنازمين مومكة أستي إبى الميدسي ورافت فرما يا كذا تدوست كهال بدائ من الهون وقع المائي أسف بهكر كرميرة ال نسدة م كد بغيرا الزارا على مكتاب آناس وتسه لين وظيفري كم كردى و ومال سن فيل كي يوي وميست منى كرداست أوصعه موست كيرون مي آيب كونن وبالطبية ( مل منظر مولت من الكتيب لمفار الحبيب آلما مم السيولي ) ان دونوں بزرگوں نے لیسے دلوں کومعیت واطاعیت رسول می املاعلی<sup>م</sup> سے ایسامعمورکی موانعاکران کی نظوں ہیں جہان و دولت کی کوئی وقعنت زمنی ہے۔ ويمن تظرون من جع ومكيد كالواتبرا معزات يجنن سرواه ملكن كسسام برمغ مكرن بليف لي كويم كيازال و مال كمدين وافراكوفائده المسن دباري طنقى زمدوزك دباس مولاست ما معنرت على كرم المندوجه الحريم زيد و تركب ونيا بين منتيمن سعرم والمان كراريم منبي فف الني بهت ما مازدسامان جمع كيا- زمين خريل معيت اوربا فاست مل كن ومال كعدماً رجوان تنيش للك لاكان اورانبطل الما دربس فلام مرائ \_ مرائن اولاد ك ي بست سانا أذادر ساند

مامان جمع فرما با ادرانېب اسفار زمينس دي كه ده مهاسب نصاب اد وغنى كېلات سفے اورا يرزواة ما ربونى تنى --- أب ك متروكه زمين ولعيدس أب ك اولاد ك امتقل موما ك بدادا كاتوساب ى كبامرن باغ متردك كالوجل أنا تقاده تبس مزارى مؤنا تمار سم بیلے مو*ن کر میکے* من کرے زمد ختی اس بات کا نام سے کرز نوبود دنبال لذاول سے لطف اندوز مواور زمی بين الل دعيال اورا فارب واولادكو ونباك نفع رسان كريد مسيصمرات بين بعنى الإكرمندني وعمرفارق وضى اندعها كما سينس وكيدميان مواسس كى ردسس يهناب مادموكا كم صرات يمنى منى المدينها المصرت ملى المدعل وكيد المسك زمر ذرك دنيا ادر بانى ميرست طهب بيم منظهر الم سنف برصرات معنوه مل انده بدسه لم كانتن ندم يه اس قدرا حنیا طرسے جیلے کرمسرونمی منحزن منصفے نرخود ونیاسے لطف اندوز ہے اورہ اولاد وأقارب كرميسني وبالمصرن الوكرمدلي صياط موسك انتهال اقارسي تصرن علمهن بميدان بينتي صنرنت مبدالهن برااي كرصنرنت كمصاحب ذلنسا درصن ماكزة ماحب زادى تين كمى كون كون عهده ديان كسى عكركا عالى بنابا اور زكمى كومال منعفت مينجاني ا درمی صرمت عمرمنی اندم زکامال سے ۔۔۔۔ نذب دنیاسے خومی وورمیم ادرادلا دوا قارب ومعى دور دكها-ايك مرتبلغان بن عدى كويواب كاقارب سن متنان كاعال مقرفرا يميراس احكس كخت كربرتوا فارسي بي معزول فرما كركوان ك مرم مقر فرادبا منا حالا كراب ك اولادوا قارت معدين زيد، الجهم بن مذلية اورفارج بن فذا وعربن مبداث وعبدات بمرايب باصلاجيت والم ملحضرات موجوسن كمكن عهده نزديا --- ومال مع يشزكوزركون في أب كومتوره ديا تقاكراب بليضا زلائع مبلائدين عمركواينا مالتين فرادي متحاليني يعذرك كمركد ميران مدائد بلي مناب برقابس باسكا ادراب كات

سرط وسکے این اور اور تھل انسان کی ضرورت مونی ہے ۔۔۔ ان کے مشوره كوتسنبول مذ فرط يا يكن اس كے بيس مولاست ما حزن على كرم الله وجهدن أيك تقابل حازه ابين خاندان اوا فارب سيصرب ميدامدين عاس كو بمن كالمنيم بن عبرس كوكم معظر كا اورسعد بن عبرس كو مدبنه منوره كا اورلسب بعائبے مفران بمبره كوكوفه كا اوراست يروره محدبن الى كركوم مركاكور زباية صرن على ماندوجه كروارير معاذالله - تغيرتس ابولسف مجدكيا ادرج كحيرن بامارى حتم عقيدن بس ده درسن مي مخا لكن باشاري ے زمداور ترکب دنبال ------صرات یخبن کرمین من اماعنها کے عزر دا قارب بمجمان منا مست بدله کے نقینا کالق وسنتی مقے مگران کی شان زمد نے انہیں اس مات كالعازست مزدى كمروة تؤدكو بالبيضع زبروا فارست كود بباسك ميش ومشرست سيسمك د كرتے ---- لهذا لفینا و تعلیاً صرات شیخین صرت علی کرم اند دجهرسے دید بي مى الفنل وبرزشم و اس مى كونى ننك نبيل كرصن على كرم المدوجهد في كلا في بيب ادريبن بن نوزېدى كواخست بار فرما مفاكختك يورى او خشه وېش اب 

Marfat.com

--- كبن صرات مشيخين تمام مورمين رابد عكد أتمخرت مل الله

عليه دسله كابد ---- انعنل الزام بن واتع سوت من ر

#### مرونهای بیل میرونهای فرند میرونهای فرندی میرونهای فرندی

لاَيُسُنَوْ مِسُكُمُ مُنُ الْفَكَ مِن تَسُبِلِ الْفَسُخَةَ وَقَالَ وَ اُولُكُ اَعُظَمُ دَرَجَةً مِنَ الْإِبْنُ الْفَصُّوا مِنْ لَعَبُ دُوقَالُوا وَكُ لَيْ الْفَصُّوا مِنْ لَعَبُ دُوقَالُوا وَالله يِسَالَعُمَ لُونَ خَبِيرٌ وَالله يِسَالَعُمَ لُونَ خَبِيرٌ

وجهد سے دا بت کیا ہے ۔۔۔۔۔ اکفرن مل اندعلیہ وسلم نے ارتنا و فرایا

بعن المعرنعاك البكربررهمن فراست النهوس في المعرن المعرب زادى فراست النهوس في المعرب زادى كى المرجم والرسم والمرك لات — الوطية مل سع بالمال كو ازاد كى المرجم المعرب وبالمعرب من مال سف بالمال المعرب في المنا فائده نهيس وبالمعرب في المعرب 
رحم الله ابا بكر نروج ن احبنته وحسلن إلى دار المعجرة واعنن بله لاس ماله وما نفعنى مال فسلاسلام مانفعنى مال اب بكر الخ رترندى

ام الولعلی ابنی مسند میں مصرت علی اور مصربت ابن عبامس سے دایت

بعن انحعنرنت مسی اندعبر وسیم مصرنت ابی مرمد ان کے مال کو لینے مال کی طرح سے دریع خرج کرستے ہتے۔ کی طرح سے دریع خرج کرستے ہتے۔

حتان رسول الله صلى الله على الله على مال على مكر كمسا عليه وسلم بعضى في مأل إلى بكر كمسا ليقضى في مال نفسه الغ

وتاريخ الخلفارص ٢٣٧/٢٣)

خلافت وحسن مباست. ادر منکنن اسلام کرلیا ہے کہ مزور انہیں نبین میں ضلافت ہے کا جیبا کرمہاوں کو دی اوران کے اس دبن کو خوب جما دے گا جیے انڈ تعالے نے ان کے کے بہدند کیا اور مزوران کے اسکے نوٹ کو این دسکون سے بدل دیجا ہم ری میادت کریں میرانٹر کیسے کی کو ذیحتی ایمیں!

كينت يختلف يهم في الأرض الخ رنوراً بين ۵۵۱

کر بر در حقیقت اسلام برجیع اعال صدر برعادی ہے ای برجی حمرات استرین کی انفریت ایک حقیقت اسلام برجیع اعال حسد برجائی کا انفریت کی انفریت کی انفریت کی انفریت کی انفریت کی کا بندن کر مربین واقع موا ،اس واقع برجی حضرت البر برمدین رمی الدون می الدون کی الدون می الدون می الدون کی مدر موا ، اس کے والی سے سب بینی حضرت برخار وی می الدون کی تابیر مدر موا ، اس کے والی سے می بازی مدین الدون کو می الدون کی تابیر معبوت مدین موا برای تو موسی مالی بین فرره اور سیلم کذاب ایسے معبوت مدین برائی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می الدون می الدون می الدون می الدون می الدون می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می موسی می الدون می الدون می الدون می الدون می الدون می الدون می الدون می موسی می موسی می الدون می موسی می الدون می موسی می موسی می الدون می موسی می موس

بندنااله کمرصدات وعمر نارون منی اندعنهای صبیه نرتبط نصیبت کے بلے میں بہت سے اللہ کا میں اندعنهای صبیه نرتبط نصیبت کے بلیے میں بہت سی اما وہٹ بیان کی حاسکتی ہیں گرم منجو نب طوالت انہیں پراکتفا کرنے کے بعدت عقائد المہندت سے والہ حاست بنین کرنے ہیں م

حربر تزنبت خلان المحضرت

الويكرض وفارق المحرض الشاكى الصالبة

كنبعقنين إهائث ك يرشني مب

راج است مجنه وبن وملت متبدنا ومولا ا مهم الاترام الومنيغه لعمان بن تا بت دخله عن فراسي بن -

ادر رسول انده لمان طبیر دسلم کے لبد میں کو کوسے انعنس صنرت او کرمدن میں میر عمر میرعثمان من مفان میرعلی من اب ام الوصنية المحامل

كافضل النّاس لعد رسول الله صلى الله علد وعلم الوبكر الصدين رضى الله عند تُدَمَّ عَمْر تُدَمَّ عَثْمَانٌ بن عَمَان مَنْ عَلَى بِنَ أَنْ طَالِبِ وَضَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّ الجمعين (فقة اكبرم شرع شرع عن ارت عمري مسالا ۱۳۰ ۱۳۰)

معنریت ایم الومنیف رضی الامنیف رسی النوعیزسکیپرکوژ

حضرت لأناعلامه على فارئ كي بهتران يشريح

ارث دی نشریح می صربت علامولاناعلی نا ری رئزته انترواستے بین سیسے۔

بعی صفرت الوکرمدلی صی اندعمه تمام این و می اندی تمام این و م و می اندی می اندی می اندی می این و می اندی می این و می این و می این می این می این می این می این می این می این می منتقدل میسید.

فَهُوَ انْفُلُ الْأُولِبَ الْمُ مِنَ الْأُولِبُ الْمُولِبُنَ والأحسرين وحسكي الاجاع على والاحسرين وحسكي الاجاع على والدى دمتراع نقه بميرمئي

پر فردسته بی را نوب طوالت ان کی تراب بارت کا مرف ترجیبیش کی و با اور اس سکدی را الدان ال اور اس سکدی را الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان الدان که به مرمنی المتران کی افعایت برا المبنت دیجا به منظم مختین می مرمن الدی مدین و منی الله عند کی انفیاست کی دبر المخترت ملی الدی بیاری سے دوران ابیس الاست سکے الله مفرز الله الله وجرب کو خلید کے اتنی ب کو دوران ابیس الاست سکے الله مند الدان الد

اضل كهتة بس أورا ما الوصيف منى الدعر سي مي ابب روابيت مبر صنونتان رمنى الدسمة يرمصنرت مل كرم الدوجه كي تعفيل مروى سبع أوريح ومي سيع يحجهور المنت كامكسب كمحفرت عثمان صرت علىسا انفل بي منى المعنها اورام الومنبعذ من الشرعزى ظامرى دابرت مي يبى سبعداس تبابركه نقراكبري أبيث انصيبست كى ترتيب مطابق ارثنا دفرائى جن رمترح نقاكبرم ١١١١١ حضرت على مض الله عندكوشيخ بن رضَ الله عنهاست ا فعنل كه نا احلينت اورجببع سلعث ك خلاف ه بدازان حنرست مولاناعلى قارئ دحمة الذعليرش فتراكيرس فراشتهي

وَلَا يَغِفَى أَنَّ تَعَنَّدِيمُ عَلَى رَضَى ٱللَّهُ عَمْ الدر مَعْى دَسِيد كرصرَت على رمنى الدعو كو عَلَى الشّيَعِينِ عَالِمِتُ لمُدَكُمِ الصّلِ الصرت الإعروم والرون ومن الدُعنهاس انفل ذارديا المنسنت وجاعست كمح يمل کے خلات سے اس مسکب کی نیا پرکھی پر محرف جميع الازامين م

التنة وَالْجَاعَة عَلَىٰ مَاعَكُبُهُ جَبِيعُ

ارشرے نقراکبرمیں)

ام کے لیدمولانا علی فاری رحمۃ اطرطیرفراستے ہیں

### مضرب الوكرمدين كارس ففال وفالى

ادرم كامي اعتقا دركمة مول ادرم ب اند کے دین میں می اعما دکرتا ہوں وہ يسي كم حضرت الوكرمدين من الدعن كا تم النت انسل مواقعی سے وَالَّذِى اعْتَقَدَى وَنِي دِينِ اللَّهِ اعتَمُوُ إِنَّ تَعْضِيلُ اَبِي بَكِرُضِي اللهُ

انرح نغذاكبرمسي)

بعروموث اس کی دلیل بیان کرستے موسے فراستے ہیں کہ ۔۔

صزت الإكرمدلي منى اندمنسك كل مست انعنل مونے كى دلي يرسے كر المفرسة من الدهلبرك لم سنط بهر المن المن مقام امام مغرد فرا بالم بمعلوم موسف كم با ديج دكرس كم امامن ادلى موروي الفلى وامل موكار حالا كرصفرت مل كرم اندوجه ممى ربذي م مرسف اسطرت ووست راكا بصحامي موجوف ادرا تخصرت ملى الدعلبه وسسلم في صفرت الوكرم دبن منى الدعوك إن مرا امن كے لئے مفرد فرایا و اس لئے كواكيد مبسنے مصفے كم صرت الو بحر مديق منى اندعدزى اس ونست تمع انسانوس افضل واعلى منام ومنزلت ولاستے یہاں کمہ کرایک مرتب منہ منہ منہ الجا کم مدلن منی انڈ منے معطیسے يجيه بين ادر مفرست عمر صنى المدعن لمسكة فيستنسك تو أنحفرن على المدالم نے یوناکر سے ابت الله والمومیون رانگا ایا یکو۔ " المداورا میان والول کو الر کمرسکے سوائمی کومیری مگر کھڑ اکرنا منظور نیس انس

امى طرح الم معلق المام كمال الدين بن سام منى الدّين البي مشهوك بالمسام وترح مايره ج موسم بي اورا مامسداج الملة والدين على بن عنمان اوشى منى المدعن بدرالامال بميرمضرت مولانا محدمث كل فارى اس كم شرح منو دالمعال سميرتعبل للمتتبن اس كم نترح ادرملامة تغتازان منزح مقائدم يهماراه الميع معرم فرلميت ير تخفة الامال مست

ممبوب في تطب رباني مستيرنا دمولانا البشن الرسبدعيرا لقادرحيلانى منى امنوعزابي متهورتعبنت تعليف غنية الطالبين مي فرطف مي

وانصل الارلعة البسكونة

ارتبا وتوث الم

عردنه عنان شمعل ونى برطفاريس والمتان الأينا

الوكرصدين بم مجرعمر فاردن عظم مجرعمان المعنى بمجمولاعلى صنى المنتهم

دمده عطیعمصر)

ما دانت حفرات صفر وغوش المنظم دمنی الدعد کے مطالق عقیدہ رکھیں بہی تی و صواب ہے۔ اس کے خلاف بالل دعدائی ہوسے بیلفنبل شینین میں میعفیدہ زرکھے وہمراہ اور بدر مرس

الم محمد بن محرغز الى رصنى الله منه ارتباد كر بنبك أتضرت من الخدمليروسلمك المم برحق مصرنت الوكريس ميوعمر الجيرعمان

ارس اوالم عزالي

اَتَ الْمُمَامَ الْحُقَ كَعُدُرَسُولِ الله صلطله عليولم الومكوثم تعمر تشبيم عشمان شم عربي مضحالك عنهم

راحيارالعلوم مسا)

اَقَ مَصْلَ الصَّعَا بَهْ رَضِ اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنِم اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ المَالِينَ اللَّهُ عَنْ المَالِينَ المُلِينَ المُلْقِينَ المُلْقُلُقُلُقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ الْمُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلِينَ المُلْقِينَ المُنْ المُلِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ الْمُلِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْقِينَ المُلْ

( احبار العنوم ع احدا)

الم الوالليث ممرتندي رحمة الدعيب نرايتي

كخ نمام المبنيت وجاعرت كا اس إن براتفاق سب كر أتخضرت ملى الدمليرو كم كے ليدائيدا كائمن مست انفل

بمصرت الومجر متدين بم مجر صنون عرفارن

ارتبادام الوالليت ممونري

احَبَعُوا إِنَّ خَبِارُهُ ذِهِ الْأُمَّةِ بَدُ مَنِعِتُهَا الْوُمَبِكُرُتُمْ عُسَرً مضى الله عَنْهُا

البتان معارتين معري مسيما

Marfat.com

تفضوا ما مرسيمين من من من الموروي من المربي الما من المربي المن الميت وسية أركوروي المربية ال

ان مبتدس میں جن کے سیمے . : مرووسہ تغضیبیوں کو سی شارکیا ما آ سے ۔۔ نتح القدیریں

امام ابن الهام رضي التدعنه -

كحصرت على كرم التدوجب كوخلف ثال تأسي انفل سمحے تروہ برختی سبے (اس کے پیجے ناز کروه تحریی سیے)

َ إِنَّ مَنُ فَضَلَ عَلِيًّا عَسَلَى للثلاشة فنهبتيع رنع العتريرج اصنص معر)

مى الدين اين العربي العربي العربي الماكاشنين المام العارفين شيخ اكبرسيدى مى الدين ابن العربي ونس الندس محمى الدين ابن العربي ونساسة معلى الدين ابن العربي ونياسة مع الدين العربي العربي ونياسة مع ونياسة مع الدين العربي العربية المعادمة المعنوبين ونياسة مع ونياسة مع الدين العربية كالحادث المعادمة المعنوبين ونياسة مع ونياسة مع المعنوبين

يرشر لغيط باب التالث والتسمين من ارشاد فرطق بس سعيد ترجان شيخ اكبرسيدى الم عبالواب مثعراتى رضى المتدعنه اليواقبيست والجواهرفى بيان عقائد الأكاير مي نقل كرستے ہيں

معلىم بوكرامست محدمهلى التدعويروم بي مضرت عيئى على التسن م كے سواكوئى ابو كرص آت رضی الندعندسے افضل نہیں ہے۔

اعلم استه ليسى فى إمسة محسم الله علية ولم من هسو انضام ابى بەكىرىغى يومىيىلى

دی ۲ صب سيرى محب در العنسب مِنى النَّدَّعَنَدُ كُوَّ السَّاسِ السَّاسِينِ

سنيدى مجدوضي التدعنه

عسنيه السلام

ا ورُحليفه مطلق لعبداً رُخاتم الرس عليه وعليهم الصلأنث والتسليماست يحفرست الركرصدلق میں منی الندعنہ ان کے بعد حضرت عم<sup>ا یا</sup> بی صی الدعمندان سے بعد عفرت عمّان دوالنوین م من الترويد ال كے ليد صرت على بن الى طالب بي برون الدور المحافق الفيات تيب طانت مطاب وخليغه مطلق لبدخاتم الرس عليه عليكم لؤت والتسليمات حضوت إبوبكرم داين است ضالك عنه المبدازام حضوت عسوفا وقراست بضى ابله عنه المذا عنان دوالنودين است رصى الله عنيه لعدازال حضرت الماب است رضوات الله عليه افغيليت الماسترتيب خلانت است (ج ا صنا)

## مصرت مولی ملی کرم اندوجه او رایم المدیت بعنی الم عنهم محت نماین درخشان سے

## تصنرت الوكر صراق كي افضليت كابان

الدتغاني بنيار حمتي بول الميلمونين اسداف الغالب، جدركرار في كووى برور سركارسببزا ومولانامل بن ابی طالب كرم اندوجه ومنی اندیمیزیرکداً بب سنے ابنی خلانت سکے زمارزمين رسب مرمرسا مدومما فل اورخلوت وحلوت مبرمسه كانفعنبال فونها برينغفيل سص واضح فرايا أورمصزات بجبن كيمبين وزبين مصطفام لما للدملبروس لم صزات الوكروعمرمني إذ منهاكا ابن ذاست بك اورثم است محديمل مساجها الثنار دالتيبسط نعل وبهتريونا إبساعكم مغیر دانشگاف، ہے احمال دگرا دراییا روشن طور پریبان نوایا ۔۔۔۔ جس میں کمی طرح کا شا ننگ در در در را من الب مستا کومفتری نبایا ادر اس کوشے کا مستنی مطهایا -

أب كان ارت واست مالبركوانى سے زباد وصحابرة مابيين منوان البعلم المعين

رداین کیا ۔۔۔ اہم این مجرمی معلوعت میں فرماست میں

امام ذمبی سنے فرمایا که نوا ترسع ثابت حبى كم معزئت على معنى اندسفے يہ باست اجبے رار منها نت و دورحکومنت میں اپنی مامنے سكالكن بست ترسه كروه مين فرا ل اس بيدام ومي نے اس بار سے مسمع مسندبر تعقبل سے بان كس اور فرا باكر محدثين ك زدیک اس کی دا بیت کرسفے دالے اس

تنال الذمسينُ وُقد توامْرُ ذِالك فى خىلانت م تركىرسى مسلحت و بين الجيم العُفيرمن شيعته شم بسط الزسانب والصحيحة فى ولك فال ديتال راع عن على نيعنث رثسا نوك نفسا دعت ويرمنهم جاء تشمقال مقبح الله الرائفة

Marfat.com

الجهلهم والعاعق المحقومة ؛

بهان کمک که محدث برازی صاحب معنف جیبے بعض منعفان شیعہ نے شیعہ ہونے منعفان شیعہ سنے شیعہ ہونے عدالرزاق ما مصنف شیعه مونیکی او دو معنال الرکیم روز معنال می این معنال

ا کی باوج دصنرت الرکرمدین وعمرفادی رضی اندمنها کوسب صحابر واملیسیت سط نفنل ما ادرکهاکه استی به وجه دصن سط نفنل ما ادرکهاکه بسی معزمت مول علی کرم ایند وجه انهیس خودایی دان کرم سط نفنل فرار دبین سنتے تو مجه اس عقب سیست معزم در ایس می می نواس اول سے میں اول سے میں اول سے میں اول سے میں اول سے میں اول سے میں اول سے میں میں ہے ۔

کی منا امنت کروں ۔ بیا بنج مواعن ایم ان جرمنی بیں ہے ۔

بدارات امشه محدث المجيعين منسف شيع نے کيا محده طرابة اختباري ميده طرابة اختباري ميده طرابة اختباري ميدانهوں سنے کہا کہ بم شيغ بن کريمين دحنرت ما مورون وفن اخدم نها کو صنرت مل اخدم نها کو صنرت مل وفن اخد مند نے انہیں اختل محترت علی وفن اخد مند نے انہیں اختل میں اخبیں اختل من انہیں انہی

الام منجاری ابنی صحیح میں سبیرنا دابن سبیدنا امام محد بن حنیبر مساحبزادہ صنوبت مول علی رم اندوجہہ سے

صريب اولي

رکوی ہیں .

قَالُ تلت لاب اتَّى الله عليه التَّاس حَبِرُ لِعِد النِي صَلَى الله عليه التَّاس حَبِرُ لِعِد النِي صَلَى الله عليه دسلم قال الموبعث وقال الموبعث وقال الموبعث وقال المحروفة

ومیم سناری بی امشان مجتبان)

بعن میں سند است والد ا حبرکرم اللہ وجہ سے عرص کی کوئی اکرم صلی اللہ ملہ وہم کی کوئی اکرم صلی اللہ ملہ وہم کی کے لیدرستے انعمل کون میں ؟ فرایا الوکر میں سند عرض کی میم کوئ ؟ فرایا ، عمر میں کا میں اللہ عمر اللہ میں اللہ عمر الربیان )
در میں اللہ عنہم الجمعین )

۱۱م محد بن حبید مرکار مولی علی کرم اند وجهرسکے شامبران عبی اور نغیبه أب کی والدہ ما حدہ میں

معنوت محتران منفيه كالمنتصرك

ان کا نام خوابنت بعیز به تبس المنیفه به جو تبیلی بی منید سے تعیی سے مرت امام محدین منید رضی الدور ندار بی مرت المام منید رضی الدور ندار بی مرت المام منید رضی الدور ندار نا و مرابی الدوات منی می البی مرتب المام بی بی المام بی بی المام بی

ا مام نجاری این صححا درای آب ما جرایی سنن پس عدا ماری کمر کے طاب سے امرائز منین مول علی منی امدی سے روایت کرتے

صربت دوم مطا

بی سف منرت مل کرم انند دجهرکوفراند مسناک رسول ان مسل ان علیرکسل کے بعد

معسن عليا بقول خيرالناس بعد رسول المه صلى الله يخيل سلم

Marfat.com

مىپ بوگوںسے افضل الوكم ہم اورا لوكم كے بعدمب بوگوںسے انعنل عمرہم،

المويت وخدير النباس بعد المحت سير وابن الموج اصلا)

ای مدین سے جان معنون او کرمدن رفتی اند من کارسول الد ملی اند ملی کے لیدستے انفیل الد ملی موا والی برمی دا منے موگیا کر صربت عمرون الد مندک منام در تربی استے برو بالا مونا صربت الو کرمدنی رفتی الد و مندل منام در تربی استے برو بالا مونا صربت الو کرمدنی رفتی الد و مندل مند مند منام در تربی مندار و تربی الد و موجد دالی منداری کی مدیث تربی سے صربت الو کرمدین رفتی مندل الو کرمدین رفتی مندل الو کرمدین رفتی مندل و الد موجد دالی مندل مدیث تربی سے صربت الو کرمدین رفتی الد موجدی رفتی الد کرمدین رفتی الد کرمدین رفتی کردیل می ترا داراتی سے داراتی سے مندل الو کرمدین رفتی الد کرمدین رفتی کردیل می ترا داراتی سے داراتی سے داراتی کے کیست شنام کی دلیل می ترا داراتی ہے۔

ا مام ابن القائم الملعبل بن محد بن الغفيل ملمى التاسانة مير المريد

حديث سوم ١١١

اخبرنا البرب مردويه نناسيكمل بن احدثنا الحسن بن المنصود الرمان ثنا وادوي معاذ تنا البوسلة العنكى عبد الله بن عبد الرّحسان عن سعبد بن الجب عروبة عن منصود بن المعاذعي ابراهيم عن علمة قال سلغ علبًا ان اقوامًا ليضلون فعلى ابر وعمر فعد على المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر فعمد الله وا ثنى عليه الناس ان المغنى المنابر في المنابر في المنابر في المنابر في المنابر في المنابر في المنابر في الناس ان المغنى المنابر في المنابر ف

ساری امست افعنس احزت ایکر بی بچرحزت عمر رفنی اندعنها - بچرفدا تفالے کو فومع لوم ہے کوان کے بعد کون میں بہر ہے - صفرت ملقر نسد لئے بی کرمب لس بر برب بدنا حن عجبہ رمنی افارعذ بم تشہر بعبیط نفے انہوں نے فرا یا ، خب داکی نیم ، اگر صفرت علی کرم اسف دجہ کمی تعیہ سے کا نام بینے توصفرت مثنان کا نام بینے ۔ رمنی افارعنہم المجمعین

مكروعمرولوكنت نفدمت فيه لعاقبت فيه فعن صعنته بعد منا اليوم يغنول لهذا فيصو مفازيعكبه حدّا لمفارّى شم مفازيعكبه حدّا لمفارّى شم قال إنّ خبره في الأمّة بعد منبيعا الوبكوشم عمرتم الله المم بالخبريع ثم قال وف المجلس بالخبريع في فقال ول لله لوسمى المنالث لسنى عنها ل

د فاید التحقیق مسلاا/۱۰ بمصنف مجاز امنا امل صنرت ربوی منی اندمن دم اعلی مخترین

مد برون مرا امام دارنطنی سنن می اورالویم روین عبدالبراستیعاب میں حضرت محکم بن محبل سے راوی بین صفرت علی کرم اماند وجہ فیرو

<u>ها</u> صریت جہام

یں نے حس کی کہ یا یا کہ وہ مجے صفرت ابر کمر و حمرسے افعنل کہتا موکا تو میں لیے بہتان زامنٹس کی منرا دوں گار

برب. الأخب الحب دُ الفضلين عَلَىٰ الحب حكوم عَمرا للآحب المتبع عَلَىٰ الحب حكوم عَمرا للآحب المتبع المنافعين المناف

و ما ية التعبيق صدى الم ا وصواعق محرقه مسند)

الله معن دا تعلی می صنرت ال محیفه ومن المدعد سعم دی ہے ہے محل معنی اللہ معن

Marfat.com

مینی مبلانی کے دانا کے نام سے با دکرتے ستے ر

اقَ عليَّ انضل الامة نسم اقَ عليَّ انضل الامة نسم التوليًا عنالمون المغن حذياً شديةً افال له عليَّ لعب النا خيفة افاكر الماحزن أبا المحيفة افاكر الماحزن أبا المحيفة افاكر المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيوط المحيفة المحيدان المحيف

ومواعن صلة وغاية صدًا)

بعى معزب الرجيغ من الدعر كاخيال مغاكه صنرت على دمني المندعية حصنوم الأدير. وسلم کی مباری امست سیافضل ہیں ،میرانہوں سف لوگوں کو اس کے خلاف کھتے بمسنا تواہیں سخست رمئي موارصنرت على كرم المدوجهدان كالمامة تجركرانبس لبيض كاست نزا تدس میں سے سکتے عم کی وجردریافت کی انہوں نے اس کی دجر ندکورہ عرمن کی۔ نوحصرن علی كرم المندوجه بسقان سعارسن وفراياكه كبابن تنبس زيبان كرمصنورم لاالمدهل كركس كالمت بم سب انعنل كون سب بالمحصور كامت ميں سے بہترا لوگر ہم بھرتمر ہم محرت الوجيع فرمان عمل كداس كم لعديس خامدتنا كسعيدكيا كرجب يكب جبول كاس مديث كور جيبيا وس كالعدسك كمصنرت مولاعلى صنى المدعر ينسف خود بالمشاح مجدسه اليها فرايار

الم الحركم الآجرى دحمدًا مندعلي أبن مسندسص صفرت الوجيف رصنى المندورست رأدى مين را نهون سفارت وظرا مست بو المستورات عمر من من من مناعل كرم الله وجرك

مام الربي مربين منتعم الرجيفرا معمدت عدليًا على مستبو الكوند البنول إن خديد في نبخ الموبكر الات قد نع كرنستها الموبكر أن خديرهم عمر أن خديرهم عمر أن خديرهم عمر المن الم حجر مكى صافى الموامن الم حجر مكى صافى المناهم المعربي صافى المناهم المعربي صافى المناهم ال

مامع مسجد کو ذریحے مہر مرفہ بائے سات کا کا مامی مسجد کو ذریحے مہر مرفیہ بائے سات کا کا مامی کا کا مامی کا مامی کا مامی کا مامی کا مامی کا مام

ا نامهما فط الوذرم دمی کمی ایسترسندوں سے درام دالیم دانیں وغیما نیر خصرت الوجے خدمنی انڈی نہے رادی ہیں ۔ انہوں سے نواج کم

۸۱ من حدیث مقتم

وخلت على على في بينه فقلت بإخبرالتاس لعكدرول الله صلح الله عليه الماخيل معند الما اخبل بعد الله على الله معلى الماجعة عمرو يعك يا الماجعة كالمعجم عمرو يعك يا الماجعة كالمعجم عمرو يعك يا الماجعة كالمعجم معمو يعك يا الماجعة كالمعجم في من الماجعة معمود على الماجعة الماجة 
"میری مجست اورالی کو دهمرکا تعفی ملمان کے الم بی جمیع نبیب موسکتے دصرت مل کا ایرسٹ اورالی کو درست مل کا ایرسٹ اور اور سامت کا ایرسٹ اور اور سامت کرھنے ہا۔ مدیث مفتم بی مرکار مولی مل کرم انٹ دجہہ کا ارتباد کو ای بیارا ارتبادے کرھنے ہا وهرکابغن او رمبری عبت مسل ن کے دل میں جے نہیں موسکے ، شیر مفرات کیئے لوگار یہ کے ایک کار دہ صفرت مل کرم اللہ وجہدے ہی قوصفرت مل کرم اللہ وجہدے ہی قوصفرت الو بھر اللہ وجہدے ہی توصفرت الو بھر اللہ وجہدے کے بیٹ اور مول مل کرم اللہ وجہ حضرت الو بھر مول وق اعظم من اللہ عنہا کے بعض سے دل کو پاک کرنا موگا مجران سے بی اور علصا را معتبدت رکھن بیسے گی اور مول مل کرم اللہ وجہدے می افضل و اسطاع مجمدان وول مول کی مارت و محرت مل کو مارت وجہدے می افضل و اسطاع مجمدا موگا و در خصرت مل کی عبت و مقدیدت کا وحول بار کا جو چید کو کو ایک مارت وجہدے ان اور مودود کو کار میں مارت و اسلام میں اور مودود کار کی مورت مول مل کرم اللہ وجہدے ان ارت اور مودود کو کار مورد و دورکا و کی مورت مول مل کرم اللہ وجہدے یہ کی صفرت مول علی کرم اللہ وجہدے یہ کہا ہے جو مورت اور کو مورت و کو کار مارت و جہدے یہ مورت اور کو مدین و جرفارد ن و من اللہ واللہ مورک و بیک و مورت اور کو مورت و کو کار کو مدین و خرفارد ن و من اللہ واللہ کو کہا ہے مورت کی اللہ واللہ کو کہا ہے مورت مورک کرنا مارم دوران کی دات اندرس و انداز اعظیم ہے مورت اللہ کو تعلی ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز اعظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت ان کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت انداز انداز مورت کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت انداز انداز مورت کی دات اندرس و انداز عظیم ہے مورت کارت کی دات کارت مورت مورت کی دات کو کرت کی در مورت کی درت کو کرتا کو کارت کی دورت کی در کرتا کو کرتا کی دات کی در کرتا کو کرتا کی دات کی در کرتا کی دات کی در کرتا کی دات کی در کرتا کی دات کی دات کی در کرتا کی دات کی در کرتا کی دات کی در کرتا کی دات کی در کرتا کرتا کی د

تَالَ حِبَارُ رِحْبَلُ الْحِسَلُ الْحُسَلُ الْحُسَلُ الْحُسَلُ عَنْهِ الْحُسَلُ الْحُسَلُ الله عنها فقال ما منزلة الحسر بكروع مرسى الني ملى الله عليوسلم فقال منزلتها من الله عليوسلم فقال من ذلتها و ما بنه النعين مراه الله عليوسلم الناتية مراه الله عليوسلم الناتية مراه الله عليوسلم الناتية مراه الله عليوسلم الناتية مراه الله عليوسلم الناتية النعية مراه الله الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية الناتية النعية 
الم دارطنی صرت ام باقر منی اندونه سے دو این کرے بی أيسنداران وفرايا-بين مسبيده فاطمه رصني المدعنهاك اجمع بنوف اطمة رضى الله عنهم ادلاد كا اجاع وانفاق ب كم الوكرد عمر عَسَى ان يعولوا في المنتخين احسن رمنی اندعز کے حق میں وہ بات کمیں ہو ماليتولىس القول. ومواعن صين ناهب کر سیسی بنزایت ای کے بی می مانبی و سیسے بنزایت ای کے بی میں کی مانبی و سیسے بنزایت ای کے بی میں کا بی مانب نبهز بوسید اس سے صزائے شیخین منی امث رعنها کا مادات کوام کے نزدیک مب معابسه لننمول حعرت على رم المدوجه انعنل موما تا بن موار مرمين وتم الم إن شاكر ونيره مالم بنال الجديدة لوى ده نولت بي كم بس نے صرت الم محدن منبید تلت لمعدين المحتلفية ومن کی او کرسٹ سے پہلے اسان حسلستان البوسيكوادل السفوم اسليماً للستعظي فرايار ، مي ندكها بمرك قاللاتك نسم عسلاالوبكي باست ہے کرالو کرمت یا لاہے ادر وسبق باحتى لايدكراحة مبغنت ہے گئے بہاں پھرکران کے الاابابكرتال لانه حات موا لاگری کا ذکری ہیں کرتے ؟ فرا انضلهم اسلامأحيان اسلم يراكه لي كردواسلام ي سيس انف حتیٰ است برتبہ من وب اسلام لان بهال

(موامل مساه)

Marfat.com

المانية رسي ماسط.

ام الواسس داقعن ، جندل سدى سدوايت كرنة مي ك الام محدب عبدالمدمحض برجسس مثنى بن حمضتنى بن على متعنى كرم المد دوہم کے پاس کیال کو ذوجرزہ نے مازموکومنرت الویکرد مرمنی اندمنہا کے بات بن سوال كي ــــ صريدا م نيم برى طرف توجر فاكرار شادفرا و ــــ اسيف شهروالوں كو دىكيومجەسى انظروا إلى اهللاك الوكرد عرسك باسيم سوال كرست بس يستالوننى عَن الحيب حكروعمر وه ودان میرے نزدیک باکشیم لهاانضل عسندى من على مول على سعد انفسل من ومن المدمنها (موامن ص٥٥) یر امام امل معنون امام من مجتلی کے پوستے اور صنون شہید کر دلیاسے نواسے میں ان کا اقتيم ارك \_\_\_ " نفس ذك يد" \_\_\_ ان كے والدما مرجعزت عبدالمحن جرمب سي يبطعن وحسين دولون شرف كمامع بس اس كيمن كهلاست است زادي مردارى التم متضان كے والد ما مدحسرت الم من مثنی اور والدہ ما مبدہ حضرت ما طرمغری نبت الم حين على المرسس ل جرحم وابيم وعليهم وبارك وسلم. رغاية التحقيق مجد اعظم أسلام إم احد مناريوي منه مسيدالهادات فخرامل بإيات مميرسيمان قطب آن مه صب قدم كرام بيربيران ميرميران انعنل والم اوليارجهان كسيدى ومسندى المشيخ عبدالقا درمركارمبياتى المعرون كيارم يراشرليف واست بسيركي نسبت كرمر كبارم يستعمطابن صغرت مولانت كائنات وأنمته الببين مسسل الدعلى حدهم والبيسهم وعبيهم وبارك وسلم كأكباره مديث لأرانبي بر اكتفارمناسيء ورزح المرمات توتمارس بابي الباترسني الخصوم سيركها ني واسله يرفون عائدين للبيت كروه لبيت أباكم كالمنقادا خست باركه كمان كاسياش اوسي اوران كالمنفاد تطعا ولقينا بهيه

حضرات بین کرمیبن صفورسی ای اندملید کم کے بعدتم می بدیا لحفوم صفرت مول علی رمنی اندمنز دمنهم سے افعنل میں ر

تفضر مواعل ضائد كان اضم معدد المعنى مرجع الفرنقين المغرض لعين

مجرطرنت القينة السلف حجة الخلف سيغ سنابل شراعية الواحد الكرامي قدى مرويا السامي ابن كآب مبارك وسيع سنابل شراعية والمسادة والسيام مبر ببيش كركي اورصور مسل المعلم وويا مي باركا و رسالت على حرا الصلوة والسيام مبر ببيش كركي اورصور مسل المعلم والمعلم والمدور مناص مبركي المراك و بريم المام والمراك و المسلام المام والمان المراك و المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم والغدم و المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم والغدم و المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك المعلم المام والمان المراك و المعلم المام والمان المراك و المعلم المام والمان المعلم المام والمان المراك و المعلم المام والمان المام والمام وا

مین ملاحظ فرایس) مین ارشا د فرطیقی به واجاع دارند که انسل از حبر ابر برد ابرا ابر برصر بات است دلیدازدی میم ادری میم اندازدی می المرتضا است دلیدازدی می المرتضا است دلیدازدی می المرتضا است دلیدازدی می ارفضل شیخین کمترابت مین میم میم از میم

عرتغفیل کمندا واز دو اُفل است. د ناینهٔ التحقیق مسکا)

بو محداد کرد مراضط اندارگا بی اسکوری و کارس می از پی اسکوری و کارس می از شبه عورس کا حواله

انضل *قراریسے وہ را نفنی ہے۔* 

عن عدين المستكدران ولى على المناورالكونة علياعليه السلام على المناورالكونة وهولظول لئن ا تبت بوجبل يغضنن على المفاذي بكود عسم كاحبلد نترحد المفاذي

محدبن منکد سے مردی ہے انہوں مقصورت علی ملیدالسے می کوکو ذکے مبر رجابہ اسے می کوکو ذکے مبر رجابہ اسے میں کہ دیکھیں اور یہ کہتے سنا کہ اگر میرسے یاس المبیات ہو مجھے معزمت ابر کرد المبیات میرسے انعمل نیا تا موتویں اسے بہتا ن معرسے انعمل نیا تا موتویں اسے بہتا ن مرسے انعمل نیا تا موتویں اسے بہتا ن مرسے انعمل نیا تا موتویں اردن گا ،

(دمال المحتى لمبركل مشسس)

شیر صزات نے اس وا بت کواپن ای کتاب بی مقل کرنے کے بداسے سے کونے ک بہت گوشش کی ہے کبن حق کپنداور العات کے متلاش پراس کاکول اڑنیس ہوسک ۔

الحمد الله ۔۔۔۔ کرمسک اہل سنت وجاعت کی متنا نین دوزرد کشن سے بم رائی و واقع ہوئی ہے اسٹر تعلی لا مہسب کواس پر ناتم رکھے اور اس پر خاتر فرطے اور منیروں کو بم اس کی مدایت فرطے اور منیروں کو بم اس کی مدایت فرطے اور منیروں کو بم اس کی مدایت فرطے ۔۔ کہیں ! شیعان کوفر کاعیده ادلی کاعتیده بمی داخر اتم سنة بل از برش کیا ہے کوفر کے شیعہ استعان کوفر کاعیده ادلی کاعتیده بمی داحظ فرائی ادر انعیان دار انعیاف دیے ۔ ادام ابر عبدالله محد بن احد المعروف بالذم می متوفی مشریحه اپنی شهور تصنیف مطیف میزان الامت دال فی نقدالر جال میں فرائے ہیں \_\_\_\_

بعن امام لیٹ فرطنے ہیں کہ میں نے کونہ کے شیعان اولین کو بایا اور وہ الوکروممر سے کمی کو افضان میں سمعقد ستھے۔

وقال ابن متوذب عن لينت قال ادركت الشيعة الأولى بالكوف أو وما الذركت الشيعة الأولى بالكوف أو وما الفي في وعسراحدا

المام لیت بن الی مرک باشده بین بین کے بائے میں ام واقعی فرماتے بیں 
حسان صاحب المدنة - اورا ام مبدالوارث فرماتے بین - حان من اوعیت الحدید المدن المستر علم میں ایک خواز تھے ۔ اور کون قر شیعان براد وان کے زریک تبتالات م ہے ۔ یرصدا تبتالات کام میں المب کو برج دو فرو فرائد من المب کو برد و فرو فرائد من المن بین بن کے زیلے مرج دہ شیوم خوات کی مسب کور پہنچا معلم بواکر شیعی خوالے والے و فرکے شیعان اولین ہیں بن کے زیلے مرج دہ شیوم خوات کی مسب کور پہنچا معلم بواکر شیعی خوات کا کارین شیعان اولین کا احتقاد درست اور جی ہے ۔ اس کے بداس مین برافعان احتقاد کو کا کارین شیعان اولین کا مین سے برجی ۔ اس کے بداس مین برافعان احتقاد کو کا کارین شیعان اولین احتقاد کو کی بین بیشت وال دوراز دیا نہ ہے ۔ اور جنام نہار سنی کہ بلانے شائے مولی اور ہیر مسئوا فعلیت میں اجماع البنت کے خلاف کرتے ہوئے موجودہ شیعوں کی بم خیالی میں مسئوا فعلیت میں اجماع البنت کے خلاف کرتے ہوئے موجودہ شیعوں کی بم خیالی میں مسئوا فعلیت میں اجماع البنت کے خلاف کرتے ہوئے موجودہ شیعوں کی بم خیالی میں مسئوا ہیں یہ دورت البنت کے معام میں سے خوف ہیں بھر کو دیک شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ کہ کو ذرک سے شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ کارین ہے مسئول ہیں بھر کارین ہیں بھر کے گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں یہ کو زید کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں بھرکے گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں ہیں بھرکے گذرہ کے شیعان اولین ہے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہم کے گذرہ کے مسئول ہیں ہوئی کو نو کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کے مسئول ہیں ہوئی کو مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کی کو مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کی کو کو کو کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی کے مسئول ہوئی

# معرف المعرف المعرف وبعرف المنان المعرف المنان المن

صرت معا راع رام کام م سرت وید: عراض کام م

مزوری سے کرمنرت امیرمعادیہ براعتران در المل صنوراکرم ملی اند ملیرو کم براعتران می مردری سے کرمنرت امیرمعادیہ براعتران در المل صنوراکرم ملی اندملیرو کم براعتران کے سی میں میں میں میں میں میں اسلیم ایمان سے می اور در در فرق مونا اور ددر فرق مونا ہے ---- می ازاللہ

ای اجال کانفیل یہ بے کو اگر صزت ایر معادبہ اور صزت مل ک جب جنگ مون قربی وزوں کی معلی میں مونی میں کا معنوب ایک معنوب ایک معنوب ایک معنوب مائٹر مدلیہ رضی الله میں ایک معنوب مائٹر مدلیہ رضی الله معنی ایک معنوب ایک معنوب مائٹر مدلیہ رضی الله میں ایک معنوب ایک صفرت امر معاوبہ براعتران ان اور صفرت امر معاوبہ براعتران ان اسے معالمت کرل آدان برمی امترامن مواکد انہوں میں ایک کا فرور تد ہمنے میں اسے معالمت کرل آدان برمی امترامن مواکد انہوں مائی کا فرور تد ہمنے میں اور آدان میں معنوب مائی کو فرور تد ہمنے میں اور آدان میں مواکد ان مواکد ان میں مواکد ان مواکد ان میں مواکد ان

> نقال باحس قسم دنبا بع فقام نسبا يع فقال للعسبن علم المسئليم تسم فسا يع شمقال با قبيس تسم دنبا يع فالتفت ال العسبين ينظر ما يام نقال كا تسبن الله العامى ،

> > رحال الكننى طبع كري: صدر ا

توحسترت امبرمعا دبرسن حسنرسن امامحن مص فنرما با - لمصحن أب كمرشي ول اور مجعست بعبنت كيجية الماحن كحرسي سخت ا دران سے بعیت کی چیچ حضرمت الم حین عليالسان سے فرايا أب كم وسے موں وا بعیت کیجئے۔ وہ کھڑے موسے ادرمعیت ا ک میجرتیس بن معدسے فرایا لیے معالیہ كحرسه مول اورسبيت كيحير توثنبن المحين ك طرف ويجيف لكے كروه كيا كلم دسينے م المهنف ذايا كرتبس بعينت كيجة كرام حسن مبرسامام بن حبيب بنون من معزن امعل كى بعيت كربى سعة وأب مي كيمية فوانهون سنے بعث کی۔

برشیده صرات کی سے معتبر کا ب کا والہ ہے جب صرت مل نے صرت معادیہ مسلطی کو لیا ہے جب صرت ملی نے صرت معادیہ مسلطی کو لیا اور اسے مسلطی کو لیا ہے اور اس کے میں دکھی کا اور اس کے میں در اس معادیہ کو اور اس کے میں اور اس کے ساتھیں میں در اس معادیہ کو اور اس کے ساتھیں کا وہ در اصل منزت میں در سے میں اور اس کے ساتھیں کو میں را محد اسے اور اس بطور ہوئی در اس میں

ہے کبڑکر برسے آدمی سے ملح کرنے والے اور لیسے فلا نت نیسے اور اس کے افریر بعبت کوئے واسے میں اچھے نہیں کہلا سکتے ، اور ان صرات برطعن کرنا لیتنیا اسمحفرت مل انڈ ملیروسلم پر طعن ہے اور اصل خوا تعاسلا برطعن سے ۔ ابسا اور اپنے بائے بی خود ہی سوچے سے کہ اس کے بعد اس کا کیا انہم موگا۔

مدمن میں ہے کہ انحصرت میں اندملیہ دسے کہ آنجھ نوتقیف مومنیفرا در نوامبرنا ابست مصرت امپرمعادیہ نوامبرسیے مومنیفرا در نوامبرنا ابست مصرت امپرمعادیہ نوامبر

عتراض اول

سے نعلق رکھتے ستھے لہذا یہ می مضور کو نابسند ہوئے۔

اس کا جاب برہے کہ کمی تبیعے یا کمی مگر کو البند کرنے کا مطب برنہیں کہ اس میلے یا مگر کا ہرخض البند ہے۔۔ اس طرح کس قبلے یا مگر کو بہند کرنے کا یہ مطلب مرکز نہیں کہ اس قبلے اور حکر کا شرخص لبند یہ قبل برگر نہیں کہ اس قبلے اور حکر کا شرخص لبند ہے۔ ویجھے نبیل ترکیش مدا کا بہند یہ قبر میں کا اوجہان

محفرت عثمان عنی رضی الدعدنی امیرسے تھے اس کے باوج دعضور مسل الدعدی الدیں الدعدی الدیں الدعدی الدیں الدیں الدون الدیں میں الدی دونتہ الدیاں رقبہ اورام کلنوم ان کے کا ح بس دیریاں کا ایسے کو دوالنورین ( دونوروں ولسلے) کہا جا تا ہے ۔

مرتبیلهٔ نقیعت سے ابک جوٹا ادرابک مہاکت خض بدیا سوگار' پیرانشارہ مختار بن ابی مبیدادر مجاج بن یوسٹ کی طرف تھا ۔۔۔ اول الذکر جوٹا ادر نی الذکر مہلک فیا کم مختار

تبلری امیرکونالب ندکرایزیدکی دجهشے نفاچنا بجرایک مدیث بس ا تہہے ہے ام البعبی نے ابن مسند میں منعیف مسند کمیں مفاصرت ابوعبیرہ سے دوایت کیا کم صور

بین میری است کا معاطر میشواند، تربت ایم رست گار بهان تک کرسب سے بیاج معاطر سے بیاری است کے معاطر سے بیاج میشواند کا میں رخد اندازی کرسے کا وہ نسب یا ہی ایم ایک مرد سوگا وجس کا نام می ایم ایک مرد سوگا رجس کا نام

ادر دوسری دواید بی ہے جھائی دویائی نیائی کر مندیں صرت الج در دارے روایت کیا۔ دو فرات کے بھائی کے بدوی منزت الج دوایت کیا۔ دہ فرات سے کر میں مخطوط میں ان افاد کی افاد کیا ہے تھا ہے تھے کہ من میں کا من بید ل شنہ کا بھیا گا کوتبدیل کرسے کا وہ بنی امبر کا ایک سرو موگا خصے بزید کہا جائے گار

الله المديدة ليضال كسك والمرامنة المنادمنة المنادمنة المنادمة الم

#### Marfat.com

ينائج حنرست البهرية دمن اندم كامديث بسيكم أبد فرلمت في " معنود مسل المدول المدوس لم المعالم الما معلى المعنود والمرائد المرابي ظامركرون وقتل كرديا مازن -- كما في مح النجارى اوراً بيداين دعا من كها كرست نف سيالهم الحت اعوذ بلق من السين كريا المنديس سائد سع نيري يناه جامبتا بوس "---- اس د تن كري معلوم د مواكرسا سب كي مراوسيط نزي أب سفكى كوتيا يا-ببر---- صغرت الرمرية وعايم يون مي كها كرت من اللهم الخيب اعوذ بلك من المارة الصبيان ..... كم ياليند من يحل كم مورد سعة تبری بناه چاتها مه سیسی کرآب نے کمبی اس کی دخاصت د فرمانی مکیاس كوخفيه ركعا كرصنوم لم الترعليه وسلم كامح بمي تقار حبيب مصحم بم معترت البررة كاومال موا اوريز بدك دورامارت مي اقد مربل رونما موا تسب وگول کوینز میلاکه ما مؤسسے حضرت ابوہ بریخ کی مواد مستعدم متی ادریجوں کی مكومت سے ان كى مراویز بدكا دومِكومت تغاكہ امسال م ہى يہالا كم عراميرمقرد موا اس ت اس کی محربیتی سال متی ر عزمبر الرمين الرمبيره أورالودوامي يزيدك ام ك وحديث التحتريث مل الديمسلم سعى من وهم انبي دا زيست مرسين كا صفى معومل ال عليه وسلم كلطون سيع بن كونمنيه دركھنے كى ماليان مقبى ، اگراب از مرتا توحفوم كى افد طاپر كسار خصومی طود بران و وحشارت کو تباسلے کی مجا ہے جمعے عام ہمی فرطنے۔ وکھسے معمار سننے اوراس کی دارست ما موتی مظرکری و رصحالی سے بیرجدیث مروی تیں سے۔ اور رسی یہ مدين رويال اور الرهبل كيمواكي ورسي معلم مراكر بينا يرارشا درازك طور رفزا بالبانعا جوعزت ابرمعاديه عرد دررع معانيك

Marfat.com

معزت امبرمعاديه سيحفزت المام من كالمع اس تشرط يرمون منى كه مغرشت المبرمعاديه محے بعرکومت الم حین کے میروکی م سنے گی گر ا ایک من دیواس نظری من دیواس منظری مناب درزی کی جوایک صحابی توکیدایک مام المبران ک شان سے می بعیدسے۔ اس کا جراب برسے کے صلی مرس اہم حبین کی مجلسے اہم حسن کی شرط منی لیمن حب الم حن يبلے ې وفات يا محتے تو پينرط ختم مولئ ---- اس بس برنهيں تفاكر ام حسن اگر بذنده مذيهي تومحومت الم حبين كيم سير فركن موكى اكرام بي شرط بوني تواس كي من ف ذري المبأني مطرير شرط منعمى لبذاخل مسد درزي محى زمولى ۴ برکی خلاف درزی کاطعن می سیے جاسیے ۔ حنرن امبرمعا دبر نے لیسے بیٹے کوم اسٹین باکر مہورت کی أعراض سوم خلات ورزى كا در طوكيت كى بنياد دوال يواسس مي ما حائز سهد ادر بدیا می مجدا، فامن و فاج اور مشد الی تسم کا --- دا مسرهم شدری البينم - فرأن كه محم كم من فلان بعد امل کا جاب پرسے کہ جیسے کو جالنبین بنا نا اس کا می جہوب کے ہرگز خال الميس ال اسلامي جهو بيت كے خلاف اس وفرت موكا مب حالتين مونے والا بيا اال إدرنا لانق موبا حالمشين موسف واسلے كے حالات اس بان كا غالب اندلشہ ولاسے مول اده اسلام کے خلات کام کرسے گا ورسلانوں کوامسام کے ملاوہ کس اور دسنے برالنے والمستد الخيربال كرسف كالوسنس كرسطاله الركائف الدامل ادى مع وج ال ال موت مي سين كوي سين ما ما مانداس. المصورت علل اس مختر عسر موبعى حاسب سوت والاابل علم اورلائن مونيات

جانشين بيانا حاريب --- اگرناحاكزمونا توحفرت فررمنی الدو كوصنی بربشوره در كم أب البيف بين عبدانندن عمركوا بنا حاسبين نها تبن كمبؤكم ما حائز كام كامتوره و بنامعي ، ما يا بجرحسرت عمرت ابيت ماحب زاوس كوخيفه زناياس كي نشا سبعة كوما مثبين بنانا المسلامين فالي اعتزام باست مصطرة بسدني يوندر سبيري "مير جباحد ان كى روم برمه جانا سے اور ضيفے كے كے مخل اور رد بازمونا صروریسے مجر الوكبت كرمى ابيس بدنام كرد باكبيب حال كراسسام بر الوكبت ألان مانعت نہیں ملک ادمن و عادل کو حدریث میں خدا کا سابر فرا بھیا ہے۔ الفاظ کریم بربس، ----السلطان العباد لرظين الله في المضاء ل المحديث، كذعا ول بادست وست زبين برنودا كاس برسه — أحبك كے جمہوى طرف ليا بغے واسلے صدر یا وزبراعظم گزیمنٹ ز مانے کے با دمن موں سے محی را وہ آمریں امجال وفعه مهم الورهست كامن حالات كانفاؤك كم أمريت سب وسي البي حمينيا اسلام كالندسه ؟ \_\_\_ لاحول ولا فوة ادرا کرمنوره کرما منروری اور فرائص اسسه میں سے نفا توصفرت ابر کرمیدنی محفرست عمرصى الله عنه كوكبول مامز وكبانضا معلومه مواكمت ووثنا تعبلن وراستحسان كابن سهد فرم اور واحب تبين -

اس کے باوجو دیر کہاں لکھاست کر صفرت امیرمعادیہ سنے برید کے باسے بری سے منوره بهبس باننا كالمضرب مغبره بن شعبه لبسطيعن مبيل القدرصحابه كامنوره انبس حلل ربار كرصنرت معبره سناين معرول سنة بيحية بكليسلة انبين يفلط مننوره وبانحا تورايكم معالى ربان اور نارى كافترار على سين كرم من افتد البرك و من ا میرسے سمار مدول میں لین نیکو کارمیں --- نودہ کم می کی مغلط منٹورہ نہیں شے سکتے مبکہ وہ ترخ وعہد: ک گراں بار ذیر دارلی اسے معزولیت جاہتے تنے ،

جن بخد تا رزم طبری میں ہے آب سفہ صنرت میرمعادبہ کوخط مکھا تھا جی بہن طبہ کے لید معروبین میں ہے۔ اسے ایفاظ بری

مروصلوق کے بدگزارش ہے کہ میری ہڑاں میں میں رمیدہ موگیا ہوں میری ہڑاں داس بارگزاں کی برداشت سے ، کمزد پڑگئی ہیں اگرانب مناسب مجھیں تو مجھے معزول فرما دیں۔ امابعدنانیکنت قد کبرت سنی و دی عظمی (الیان قال) فان داین اُن تعسز لن ف اعرضی

ذنار بخ طبری چے ۵ صلیس)

به مورخین کا صفرت مغیره ربهتان سے کا انہوں نے معزول سے بچنے کے لئے حفت
امیرمعاد برکو بز بدکے جالٹبن کرنے کا متورہ وبا نظا اس سند برب ججہان کی طرف شوب
کیا جانا سے دہ سرا سرا فترا دہے۔ — حقیقت یہ ہے کہ صفرت مغیرہ کا بزید کو حالت بن بانے کا متورہ البیے ہی مخلصا نہ نظا جیسے صفرت عمرصی انڈ ہو کہ ولیف میں ذادے عبدائد بن عمروم اسٹین بانے کا مشورہ مخلصا نہ تظا م

یزید فامن و فاج موا نوصرت امیرمها و برقی اندعمنه کے دمال کے بعد موا میں سے مصنوت امیرمها دبہ رضی افتاد کو طعن کرنا ندمرف عفل دو انسس ملکا میان کے تفامنوں کے مجمع ملاف ہے۔ اورمشاورست مج المكستخس حيزسه فانعن يااركان امسسا مسعنهين كماس سے تزک پرانسان نامن وفاج موجاناسے۔

اعتراص جهارم اعتراص جهارم کردکے دڑائی کورکوایا نفا نیزوں پر بلذکرنا قرآن کی سوا اول ہ

اس کے بنزجیل سے کو حضرت معادبیے دل میں زان کا کوئی احزام زمنا۔

مراس کا جواب یہ ہے کہ---- نیزوں برفران کو بزد کواکہ قرآن کو اور خیابی کی

ك تفا خلائخ است نيج تونيس كي كيا تفاكر فرآن كى بداد يى موتى بسيد دوسرى بان بركر

حنرن امیرمعادیہ نے نوحصرت مل کی تقید کی تنی کی کی کی کری سے کہ جائے ہے کہ کا سے کے کہ اسے کے کہ اسے کے کے

سئة معضرت على ندى فرآن كونبوس يرلندكرا يا متنا سلطيمني ليستنجي على بيمول كرنا بان باكبيزه

لرك كي حق بي سوم طن سب ر لاحظيم نا زن طيري ج ٥ صرب ١٠

مگراس ونست جگ درک سی منی اوراب رک گئی ۔۔۔۔۔اگریہ بے اوبی ہے

تومير حضرت على كرم المدوجهد كوكيا كبيس كي ع مسام بواكريه عيكى جال زمتى -

ا مصربت امبرمعادیه ک برایک حبک جال بخی انہوںنے نازہ دم

مل كرم المدوجهدة بزفرات مي كر -- ليسوا باصعاب دين ولا خرآن

ا نا اعسرف بحصم مست کم اخ ---- برلوگ مزوین دار بی اورمزقرآن ولسے

بن انہیں نہسسے زبارہ میں بہجا نیا موں ۔۔۔۔ابیض مغیرں کو جنگ بند کرنے سے

منح كرد با مفا مبياك اربح كى كابول سے دا صحب ؟

ای کاجاب یہ ہے کہ تاریخ کی جن کتابی میں بریا اس طرح کی دوسری روایا

أنى من ان كامركزى دوى - الإنتنت - مع وكريت واكذاب نفاء اس كاس

كالبي والمعن كذب مرتك مراكبين ولا علامن سيندر

(جاميه معرى)

جب تاریخ دسیرت کی روایا ست اعادیث مناح کا مقابر نہیں کرسکتیں توتران و سنّت کے مقابر میں مضرت امیر معادیہ کے بسے میں تاریخ برکلی اعتماد کرنا متلاشنگ مت ک سنت ان نہیں ہے۔

اس کے بدگزارشس ہے کرصزت ابربعاد برکااس طرع جگے کے رکوانا سندت جذبرا سلامی اورطن اسلام برکے وروکی دوب عقا — اس بیدان کا درامی آب کی مدلئے دروجن کل ات پرشنتی خل انہیں الافطرفرایی — حسنا جسک کما سے اللہ عنود حیل بین مائے اور نہائے ورمیان برا حسنا جسک کما ب الله عنود حیل بین مائے اور نہائے ورمیان برا سیٹیا د مسینکہ من لنغیور النسام میں بائٹ فیصل ہے آبل شام کے نہو مے بعدشام کی ادرا لی موان کے زمیعے کے بعدموان کی مسرحدوں کی مفاقعت کون کرسے کا ج

بسداهد ومن لنغورالعراق کے بعران کی ابعدوان کی ابعدوان کی ابعدوان کی کے بعدوان کی کے بعدوان کی کے بعدوان کی رہے گا جا اس کا میں کی کی کے میں کا میں کی کا میں کا می

معنون المیرمعاد برصی الدوری بر مدائے درداس و تن نعنا و میں بند ہونی جب معنون المیرمعاد بر میں الدوری بر مدائے درداس و تن نعنا و میں بند ہونی جب معنون علی میں المیرمعاد بر کی فوج سے جائیں میں المیرمعاد بر کی فوج سے جب میں مہا دہ و فوج کے تنے سے جائی ایم ابن کمیر کھتے ہیں مرابل من میں موج میں میں المرابل موان کی ایک میسی مزاری

کرابل من می مامظ پزار فریصسے بیسس بزارا درابل عراق کی ایک لاکھ بیس بزارسے مامظ بزار قتل کی مجنبٹ حدیہ کی بیز نقتنل مذهع عشودين المعنا ومن اهسل العراق ستون الغا (البدار والنهايزي، مهيك)

ج صنرت ابرمعادبر کے ان دروا عجز کل ت کوایک خبیقت مال قرار دیہے کی بجا میں کے مبنگ جال برجمول کرنا ہے ہائے خبال میں سبال نوکی رجانی کرنا ہے العاذ الدین المین میں ان نوکی رجانی کرنا ہے العاذ الدین المین میں اعتراض کے اعتراض سبتم اعتراض سبتم العراض کے ذریعے معزت مل کو فلانت سے معزول کوایا ۔ صفرت مردن مال معنادیہ کے اوموسے اسمنع میں کو بے وقوت بنایا اور صفرت معادبہ فنالتی معادبہ نے نامی سے فلان نوتے ابن فلانس کا علان کواکوان سے معادہ فنالتی کی فلان درزی کوائی اور بہند بڑا وصور کہا ہو۔

اس کا جا ہے۔ کہ بر مرفع کے ایم والی ہے کہ انہوں نے وافعات کی وابت کرے وافعات کی وابت کرے وافعات کی وابت کرے وافعات کی وابت کر سنے والی کا فقاری میں میں میں میں والی کا میں میں اور کو است کے میں اور کو است کے میں اور کو است کے میں کہ دوا ہے۔ سے میں اور کو است کے میں کہ دوا ہے۔ سے میں اور کو است میں کہ دوا ہے۔ سے میں

می توانوں نے اس خیال سے کرچمن تاریخ ہے مدیرے نہیں ہے اسے نقد دجرح سے امران اور کر کھنا مزدری نرمجہ اسے دراس خیال سے کہ درمن برگردن رادی مررطٹ بالب کونقل کرڈالا۔ ملک اگر ایک موسے نے تعقیق کے بغیر ایک واقع کونقل کرڈیا تو درسے رئونین میں میں اس کی تقلیدیں اس دا تو کونقل کرتے ادر سمی برسکسی ارتے جائے۔

بیک رئید مون می زبانی اس مقیقت کا اعترات ما فظر فرملینے اور پس ام مظ

ابن كثير معة المرعليه — فوات بي

لولاان ابن حسربردغيره من الحفاظ والان قد دعسره

ماسقت واكثره من رواية

ابے مخنفے لعط بن یعیی وکان

شبيعيا وهوضعيف الحبربت

عندالانهة

لابدايه والنهاينزج ٨ صع٠٧)

بین اگراین جربرطبری اور دوسرے انر وحفاظ تاریخسنے برموایات این کالوں میں ذکر دنی مجمی قر میں ابنی اس کتاب میں ان کا نفر در جیانا - حب کر اس نسم کی محفر دوایات الو مختف لوط می می کی سے مردی میں - دو مشیعہ تھا اب مخترمین کے زدیک میں - دو مشیعہ تھا اب

بین آج سے دورجبالت بی جب کہ لوگ تن ب دسنن ک طرح ناریخ کوئی ا ام بیت دسینے اور جزوا بان بنانے نگے ہیں صروری موگی ہے کہ منفل دخرد اور جرح دنفد کے ام دلوں سے حق وباطل میں اتنیاز کیا جائے ۔

اگر ذرائمین مغل د درایت

### ہاری تاریخ وشمنان سلم نے مسیح کودی ہے

سے کام لیا ما سنے ذان دایا من کی ختیفت میاف کس مانی سے اور دشمن ان اسلام کے مکرونری ہے اور دشمن ان اسلام کے مکرونری کا برخ من کا برخ من ماری تاریخ مسنے کردی ہے ماری من من من و

حال كويفل دوانش ا ورامسيل م كى سالتر دواياست ومنوابط محيم محے خلاف سبے ۔ اموسے ببترجب مج كبب ابيس بم فيعلے موست وہ باقاعدہ ضالط متحرب ہ سے موستے تھے ادر وتن پر برم کرمسنا و سے جاتے ۔۔۔۔۔معاہرہ مدہبرا درائ طرح کے ووست رمعا برسے تحری طور پر موہتے ہیں۔ یہ اس ندرترا نبعدا ورلغریخ پرسے محف زال اسنادیا مبسنے مرکز قران فیاس نہیں کیرراکیس ایسا ہم فیعیل تفاحق کے سلتے تحرير مزرى حقى كم فريتين ك تالن السع يوص كرسنات اس كے بعداس بغريقين كے وستغط تبست موست اكرأ ننده فرنقين كواس كه ابك ايك حرف كى يابندى كوا يرنى او كى كى طرفت سے خلاف درزى كامكان خم سوجاتا ---- حالا كر اگر جند كول كالمين دبن مونودست معى قرآن كريم صبط محرير مي للسف كاحكم فراتاست كالتيما الدّن امنوا الساء يان والوحب فم ايك من

مقرده تک کمی وین کا لین وین کردنو لست تکے اور میاستے کر نمیارسے دران

اذا ستدايت المناهدة بن إلى أحب لمسكمى فاكتبوي وَلِيكُنْتِ سَبُنِكُمْ حَاتِبُ الْمُلْمِكُ مَيْكُ مَيْكُ مَيْكُ مَيْكُ مِكْمَ وَلَا مُيكُ مَيْكُ مِكْمَ وَ

بالعسدل الخ . رنغرة أبت ١٨١

اورا مست محدبہ کے دوعظیم گروموں کے وربیان نبعلرمو اسے اورایک فری منگ کے بعد مور اسے میں زنین کے . وہزامادی مام تہا دین اوش کرسے میں ذائ استرر کرت می از بی فرنین سے مطال بخرید تا ہے ای مرکز نہیں موار مارى اس كزارس كه ما نون كانيعد معن زمان بنب تفا عركهماكي ادر ومراسناياك البرطرى اورعام التدميك موسقان الفاظمت مولى ورمعامره كميمك ميوس ونيس بيط يا يا فعاكم المناف جميد

نبعد سنائب گرایک نوده زبان مزمو کمکر تخریری طوربر مرتب موادد دوست ربرکه ده نبیسله دومة الجندل کے متعام برمقرره تاریخ برینایا مائے"

رفا حظر موطری ج ۱۹ مد۱۷۲۲ معافرات ج ۱ مدا۲ مدا۲ معافرات المعافری معافرات المعافری معافرات المعافری معافری 
ده نیملرکبان العرام اوراس کے متن کے الفاظ کبیتے ؟ الم الو کمرین عربی سن العدواصع من الفندواصم من الفندواصم من الفندواصم من الفندواصم من الفندواصم من ترجم ،

" فلانت کا معالم بڑے بھے معابہ پر حجوڑ دیا جلئے
جی سے رسول انڈمٹل انڈ طیر درسلم اُخ دم کس دامنی ہے
مردست حزرت علی اور حضرت امیر معادیہ اپنے اپنے
معترمز ملاتوں کا نظم ونین ملحلی جلیدہ جیائے دیں اور
ایس مرائی درسیائی سے رہی"
ایس مرائی درسیائی سے رہی"
ایس مرائی درسیائی سے رہی"

حزت عمرون عاص کے حن ذبانت اور خدا داد بعیرست سے آبس کی جنگ دمدال کا نفیہ مین کے لیے ختم ہوگیا۔ سان نالٹوں بیسے نہ توصفرت الوموسی انتعری کم خال مقعے حبیبا کہ ناریخ بی وسٹ کرنے دا ہے سبا ہوں نے کہاہے اور نرمی صفرت عمرو بن عاص وحد کہ ازتے مبیا کہ حجل تاریخ سازوں نے ان کو ظا ہر کیا ہے۔

ان عاص وحد کہ بازتے مبیا کہ حجل تاریخ سازوں نے ان کو ظا ہر کیا ہے۔

اس و سرو میل حضرت علی معی مرتبان کا اسلام و حاکمہ دالیے آدمی کو نالت

اس سے درمس صنرت علی بہمی ہمتان آتا ہے کہ وہ ایک ایسے آدمی کو تالت بائے ہوئی ان تا ہے کہ وہ ایک ایسے آدمی کو تالت بائے برا باقدہ مرکئے حج اس ندار سا دہ کم غفل ادر ہے وقوت تفاکہ فرنی مخالف کی سازش کا شکار موگیا ۔ اس کیا مطلب یہ موگا کہ حضرت علی میں اتنی سوجہ او جو مجی فرنتی کو ٹنا گئٹ کو کرن صفاحت کی حال میزیا جا ہیں ہے۔

ہذاہم بنین سے کتے میں کر ۔۔۔۔ نالٹوں نے دی نبصلہ کیا جوامام فامنی الجرم بن عراب کے حرکے ہے گزرا ۔ اس میں زکسی نے وحوی دیا اور دکسی نے وحوی کی یا اس کے حنرت امرمعادیہ کوامن نامسے می مطع ہے کا قطع نے معاصے ۔

البن دوایات بین الماہے کرا تخیرت میں اندمایہ دم خوجترت ام معب دیرے باتھے میں می معلق ماک

اعتراض مفتم

- اذا رأ ينفولا على الملنبرف انتاولا - كرمية اليق منبرريبها دمجونس كردد اس کا چاہ برسے کہ ۔۔۔۔۔ دوایا سن را نفیوں کی من گھوست میں ہو حفرشناميرمعا دبركوبدنام كرسنے اور تكاج نبوت بس انہيں مقبور ومبغومن ظاہر كرنے کے لئے اختراع کی ٹی بی ان کی کوئی امل نہیں ہے۔ جانج امبالمومنين في الحديث المام مخارى ابني كتاب تاريخ صغير من فرط تے وهلنك الإحارين ليس بین ان ردایاست کی کون اصل سها اصول ولم ميثين نبيس اور زمي أتخضرت ملى التدمليه عن المنبئ صلى الله عليروسلم وسنم سے میں میابی سکے باسے میاس التاريخ مستبرمنه المرح كا فران البيطي اعتراض الميرماويرسنے يزيدكوولى عبدكرسكے اسے يحكم دافقا كہ دہ امام سين كے اسے يون المام سين كے ساتھ برمكن علم ورشد وكرسكے ان سے بيست سے۔ يرسول الندمتى التدعيروتم ك ايكسية مان تارمها بي يرسب بنياداعراض جواب الماس سے بیشتر مرض کرسے بین اگراس تم کی کوئی است "الريخ سنكے مغربر موجود ہمر تروہ ہرگز عبست نہيں كسى عام مسكان پڑھى و زيادتى كرنا ادر اس كامتوره ويناكناه كبيروسب ببروامة فركول الذمتى الذمليدس فمسك باسب بساسةم مشوره باسكم دینا تو انتهائی بدترگن و سیسی سی ایک معابی رسول متی الدعایدو تم کی طرف نبست کرنا ادر تاریخ کے رطنب یالبی اور بدر ویا والدیاست پرکس کی بنیا در کمناکی والشندادرامول يسندانسان سيعبو فيلين بالغ كاكول فاص حيثيت نهيل سي كموسيان كاظرف كيروكن وكانبست مسكسك كالمخض تاريخ كالواله كافي نبيل سب

من صرب علی بن ابی طالب کم الدّرجه کی و فات کے بعد معفرت
ایر معادیے رضی الدُّه مند ایک مدت کک مر براہ ممکت ہے کہ المخفرت
من الدُّه علیہ و تم کے الجبیت اورجیع بنی الشم خصومًا معفرت الم حسین اوراب
کے برادران وابل بیت واقارب کی بہہ ۔ تعظیم فرط تے تقریبان والدے
میں بڑکو شغت فرست و مقارب کی بہہ ۔ تعظیم فرط تے تقریبان والدے
میں بڑکو شغت فرست و مقارب کی بہت معادید کی طرف سے مریز مفود کے گوز راد کی بیات معادید کی طرف سے مریز مفود کے گوز رکھ کے دور ایس این المراہ میں وہی الدُّمن مور مقارب کی بات می مورت امراہ میں کی میت مقارب کی بہت میں مورک کی مباق می معفرت امراہ میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امراہ میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امراہ میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امراہ میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امراہ میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام مادید برخوص کو امام میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام معادید برخوص کو امام میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام معادید برخوص کو امام میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام معادید برخوص کو امام میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام معادید برخوص کو امام میں کی تعظیم درکے کی مباق می معفرت امرام میں کی تعلیم درکے کی مباق می معفرت امرام میں کی تعلیم درکے کی مباق می معفرت امرام میں کی تعلیم درکے کی مباق می معفرت امرام میں کی تعلیم درکے کی مباق می معفرت امرام میں کی تعلیم کے کارب

کاف کے بیتے امام سین کے ہرمتورہ اور ایجے ہرم کی تعین فراستے۔ اور ایجے ہرم کی تعین فراستے۔ اور ایجے ہرم کی میں فراستے۔ اور ایجے بیران کی میں معاویہ مہاں سیبے بیلے آپ کی ہی ہرمزورت پوری کی جاتی ، حفرت امیر معاویہ مہاں میں ہرمزورت پوری کی جاتی ، حفرت امیر معاویہ مہاں مین من من ما مسین کی کری اسین مراه دکھولت - انواک بمارموت اورموت سكا تارنظراً في قراس وقت استضبيع يزيدكو بوايا وه ما مز ہوا اور ملت بیٹوگی۔ آپ نے فرایکر ۔۔۔۔ میرا آخری وتستے ادرة مسيد بالتين بوسط محركي ستجه دميت بي عدل وانعاف كاويت کرتا ہوں بروں کر باہید اور را روالوں کو ہمائی اور حیوٹوں کو اولا د سکے بمنزلهمین، خدا اوردسول کی اطاعیست کوبر باست پرمقدم دکھنا اورامات میں ادراسيك اعزؤوا قارب كاعزاز واكرام تعجديه اليه بى فرض ب مي مراءاي بمرودت برامام سين اوراك العرف واقارب كا فرودت كومقبرم ركهنا اورجيع بني بالشم كم ما تعدميري طرح من ملوك سيميش أنا اورجب امام سین ممکنت کی باک وور لیناکیسند فرائیں ان کے تواسلے كرديا ريد النانت وبادنتاب توانبير كري للكركم كاليب محترسه -اگرفداخ است تحتیمی می میست کے خلائے کیا تر دوزتیا مست میں تجد سعه بری بول کا اوران کے جد ام پر رسول الندع کیرونم کی شفاعست بمی سیمے نعيب زبركي \_\_\_\_ سايريد! بم اس مقدس كمران كفام بي كى عال مير مى مضرست امام سين كونا را من زكرنا كيونكران كى نارامكى ندا أو ربول کی نا رافعگی سبے اوران سید بینن وعداوست خدا اورربول سے بغض و علادت ہے۔۔۔۔ یزیمشن ہے! اگرتوامام سین اوران سکے امزه دا قارب کا تغییر و کلیمین کا تا کا کاران کی نارافتی و لای کارافتی و ومدفياد ازس بن محسب بري بول كا درتياسترم بن كرماة بول

ادر ترسيدها دوزخ بي جائے گا۔۔۔۔ يزيد لولا ، حنور! بين آپ كى برایاست پرمن دمن عمل کردن کا ی . دوالعين في متحد الحدين صص/ الميع مع مطبع معطفي اليابي مهاام) مغرت اميرمعاديرك زنازمي يزيدي ميب ولغض وسجينه بماياتنا بينانجيب المام ابن محركل فرطاته بي --- فعادية معذور عنما وقع مند ليزيد لانداد بينبت عنده نقص في عسر وتطرير البنان والسان من عند ين معترت اميهما دبريزير كمكو في مهدبنان بن معذورسنے كدانهوں نے يزيد بن برخيم فودكوئي ميب نه دیجانتا بکریزیک طرف سیلین لوگ امیمعاویر کے صنور اس کی تعرفین کیا کرتے ادربیخرا بی بعدمین کیشیدا ہوئی اس کی ذمہ داری امیرمعادیہ برنہیں ڈالی جاسکتی۔ إس ك بعير فعرست المرمعاوير من النوعند وصلى بم مورداي أفرست مو كمت انخفرت متحالة علير وسترك كيرموئ مبارك وناختهائ شرلينه اورجا درمقدس كابك تعلعه لطار تبرک لین بهراه سدگئے۔۔۔۔۔ مگریزیں کم بنی کرمغرت امیرماوی وفاسکے ببرس کی محبت فیرادر کمینیت مختلف برگی امام سین پی الدعندسیراس کا تظری مجر كين ترخلا ومصطفى وعلا ومتى النواكيدة تم كى نظر مناسب خودموم بوكيا الامسين ونى الدفنه ورحقيقت اس كانظر مناسطة بركز بركز مماع وسق أب غيورانه اندانست دش کونیر بادکه کرد برزم اقامت پذیر بوسک سے سر بو کھر بوا دہ أب ك شها دست ادريزيد كي شقادست يرمني بوار الم الواسماق امغرائی میراندرالم میرجنین مرثین است از کے نقتے یادکرت الم الواسماق امغرائی الم الدی الدیماء عنده ليستجاب هذه حوامة دي الله سيان لا ترك إلى وماين برل ہوتی ہی ادریران کا کامت سے معد کہ امام کیراموی وقتیہ معلقہ تے

بيست ذابرد عابري اسبك نام ارابيم بن عمدن إرابيم سب اسغرائن ايس شهرسي عس كالمرت ا بسی منسوب میں کام واصول میں الاسستناذ آگے ہی عرف سہے۔ امام ابرلحن اشعری کے تناكردين دوزعا متوره مشاكا مرنبيث إدمي وفاست يائى دنباس شرح شرح مقائره والمالي اعتراض اعتراض اعتراض نبین کا مجرمایت میسه - حضرصی النّدماید قرم نے صفرت عل ومنی النزمندسکے باسے میں فرمایا ۔۔۔ جو ان سے لوسے گانیں بیسی سے لووں گا۔ جو ان سے مسلح کرسے گا ہیں اس سے مسلح کروں گا۔ بوان سے لبنض رسکھے گا وہ مجدسے بغن کھے گا عواب ا مفرت علی اور مفرت امیرمعا دیر میں جنگ صرور ہوئی سے اور وہ صرف جنگ چواسب ا ] مغین ہے۔ بجنگ جمل میں توقیا دست حضرت عائشہ صدلتے رصٰی الدّعنہاک تنی متحر حبك صغين مي مضرت اميرمعا ويركى قيا دست نتى رمتر حبنگيرنهي بوئي برخرت ميماوير كامعفرت فلىست حبثك كزا ياحفرست علىكم التُدوبهرست ببيست كرسن كى بجاستُ مقابهي '' ان معفرست امیمعاویدکی خطا اجتهادی ہے۔ مرف تصاص حفرست عثمان رضی الڈیمنہ سکے مطالبركي ومبيسي انميس طوقا وكرها مقابدمين أثا يرا عللب فلافت كمسك يخرنهي مبيها كرلبض نام نهامعنفين بالتحييق سائرتا تانم كمث برتسته بي بكروه مضرت على كومى افض واحق بالا مامتر مجمعة من ميناني مشرح مقارشر لونيه من امام تفتازاني مدرار ممة فرات بن

بيني مفرست على ومعاوير منى التدمنهاك ما بین جرازای مجگود برا وه ان کی خلافست من المن كى وسيد نا المنظار اجتهادى

كتا وتنع مينَ النَّخَالُنَاتِ وَلَمُالِكُ؟ كم يُكُنُ مَنْ نَسَزَاحٍ فِي خِلَامَسَتِهِ تبن عن عَكَامُ فِي ٱلْاِجْتِمَا دِ وتريط مارطبع معرمتك من تنازان موليم يم اس ارث ويهستاذ المعين مولانامعام لمدر والدين

ابرابيم بن محدالاسغرائن رحمة الندعيرارت وفرطستة بي

كحفرشته عاديران كردهسن

مغرش عی دمنی النّه مندکی فرمانبرداری سسے

بغادست كردى تتى باوج وكير انهي امتران

تفاكداً بب بى افضل ابل زمان اورخونسي

زاده مقدارم ایس شرددلین شرمی کیوج

مع دنباویت کردی تی وه تا نین ممان وی الدو

فَانَّ الْعَالِمِ اللَّهِ الْمَعْلِمِ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ اللَّهُ الْعَلَىٰ اللَّهُ الْعَلَىٰ اللَّهُ الْعَلَىٰ اللَّهُ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ اللَّهُ الْعَلَىٰ الْعَلَ

اقتول وما قال اندنا مرابطلان لعدم انقياده لاحكامد المقدمة اليقا فاهرالبطلان لامنه ان انقاد لاحكامد لم يبق نزاع بل يحون تقليداد كا ناضى الله عنهما فقيهان وعجبتهد ان والتقليد حوام على المجتهديل يحب عليه العمل باجبتهادة \_\_\_\_\_ عقرام مم المنة والدين المووف

بانخسیالی \_\_\_\_ فراتے ہیں \_ ایر در ارسی رسی در ارسا

خَانَ مُعَادَبَةً وَآخَذَابَهُ اَجَسُوْاعَنُ طَاعَتِهِ مَعَ اعِترافِهِ مِنْ اَجَسُوْاعَنُ طَاعَتِهِ مَعَ اعِترافِهِ مِنْ حِاسَةُ الْخُصَلُ الْحَلِي زَمَّا مِنِهُ وَ اَسَنَهُ الْاَحَقُ مِالُومَامَةِ بِثَبْهُ مَنْ الْمَنْ الْاَحْتُ الْعَصَامِي عَنْ قَسَلَةً عُمْنَ تَذَكُ الْعَصَامِي عَنْ قَسَلَةً عُمْنَ مَنْ اللّهُ عنه عُمْنَ اللّهُ عنه عُمْنَ اللّهُ عنه

رخال معرى مناك)

اسے داخے ہوگی کرمنرت امریوناویرمنرت کی کری اس دلخت مسینی بنشل اور

ملانت كا زاده خدار محت تع ليمن بو كومضرت على صفرت عن الكرك قا تول سے تعام نيں ملانت كا زياده خدار محت تعرب الكا عند سے الكارى بوئ انبي خلافت بمطلوب تنى و كور الله وجهد كى خلافت بمى و كور الله وجهد كى خلافت بمى و كور الله وجهد كى خلافت بمى و كل مور الله وجهد كى خلافت بمى ممان تيم كرست تعرب المحادث المحادث و المحادث

معفرت عى منى الدُعند لبدازشها دست سيّدناعثمان منى الدُعنه خليفه واقعمل ومن الميرك ترمواري ايمد من الماسيم من الماسيم من المارك كالمين المعادي الماسيم من المارك كالمين المعادي المارك كالمين المعادي المارك المعادي المارك المعادي المارك المعادي المارك المعادي المارك المار منان سے فرا تصام ہیں قالمین عمان کی تعداد جارہزار تھی بھریہ لوکٹ حفرت علی کی بعیت ہو کے یہ بینے منواؤں کی تعداد میں اضافہ جرکہ کے میس مہزار یک پہنچ کے مفرست کل کوم الدوجب فولمستنستن كانسي فروتفاص لياجاسة كالمكرخانش كامعاط متنكم بوملت مكوحفرت كاكثر مدلية ناراض بوكئي كرقصاص مي ليست ولعل كميا جار بإسب حفرت على وزبير حفرك كم الدَّدمِ، سے بیت ہونے کے ابدحزرت عاکشہ صدافتہ کے ہمراہ ہوگئے اورلھرہ کوروانہ ہو ہڑے۔ حغرت على ومعلوم بوالواسب مغرست ام المؤنين كے بیجے دوانہ ہوسیات اكراسپ كومجا بجا كرواليسسيرائين رامتهي طاقاست بوكئ امالمؤمنين لينضوقف يرقائم دبيرحتا كفاليين مي جنگ جيوكئ بعنرت للحروز بريرومشرومبشرو مي سيست اور اس موقف بي ام اكمؤمنين كے ہماہ معنوت علی کے خلاف سقے اس جنگ میں شہیر ہو گئے حفرت ام المؤمنین اونٹ پرموارتین اور ایس جامعت آسپ کی تعظیم وکریم کے نئے اونے کی مفافلت کرری تنی اوٹ سے امک نربوتی تنی تاکہ وم نیوی کر کوئی تکلیف نسینے اس لئے اس جنگ کا نام جنگ ج رکماکی کر مجل میں اورف کو کہتے ہیں اس میں صنرت علی کرم الندوجہہ خالسب رسے۔ ام المؤمنين اورصفرت على وم الندوج من التي وقت مصالحت بوكئ اورمحدبن إلى بحر ام المؤمنيي كي بال المريد المريد المريد المريد الميرمعاديد في مطالبً

تعام ماری رکھا کرحفرست عمّان کے قریبی دشتہ دار شخصے سامل فراست رصفین کے محل میں جنگ ہوگئ پر بچکسہ ایک عرصہ تک رہی لبندمیں معالیست ہوگئی۔

ينانجدا مام ابن مجر كمي عيدالرحمة فروات بي

رَاعَدُارُهُ مُ الْحَدُارِ عِنْ وَكُورُهُمُ الْحَدُارِ عِنَ الْحَدَارِ عِنَ الْحَدَارِ عِنَ الْحَدَارِ عِنَ الْحَدَالِ اللّهِ عَلَى اللّهِ اللّهِ عَلَى اللّهِ اللّهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ الللهُ اللهُ اللللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الللهُ اللهُ 
مفرت میماویریم بهرستمداد مفرت میماویریم بهرستمداد ان کی خطا اجتهادی تمنی ا

اس سیسے میں میمی بھاری شریف کی مدینٹ ہی جست کرکانی ہے۔ کانظر ہو \_\_\_\_

مفرت ابن ماس سے کہایک امرائونین معاویر کے ایسے میں آمریکی کیا خیال ہے وہ در ایس کا تنظی وز چر سے میں فروا وہ ورست کرتے ہیں کہ وہ مجتبہ ہیں۔

قبيل لابن عباس كان فى الميرالدكومنين، معادب كاكانكا كا الميرالدكومنين، معادب كاكانكا كا المسلم المتشرالا بواحدة قال اصاب استه فقيله مراهم مراهم المسلم فقيله المسلم المتبيد وع مراهم المسلم المسلم المتبيد وع مراهم المسلم المتبيد ال

فتيبد كمعنى عارف بالفقدمع الدلائل كم جيسيد ووسرك تغطون مي عبهركت بي بنانجداس كى شرح مي امام درالدين مينى فرماسته بي كم معنوت اميرمعاوية نعة كے ماہر وإنشة عارف كإلفقه ليعنى بي لعني مجتبدين. برن البواب الفقه (عدة القارى ع ١١ م ١٣٥/١٣) (اومجتبريا مة امن الكاردرست نبس بونا) اعتراض کونه امیرمعاویسند مغرت ام مسن کوزهر داوائی اور ان کا دنا اعتراض کونهر داوائی اور ان کا دنا کا متراض کا خبر پرمسترست دخوشی کا اظهار کیا -إس كيواب من لعن قد على الحكادبين مديم تركي مرنبي سب کما جاسمتا و این کا بین کتابوں میں آگر کوئی لیبی باشت ہے تو و منا نیبن ا میرمعادیدگی افترا پرازی کے سوانچه نہیں۔ المطرمت اميرمعا ديدن مضرمت معدين ابي وقاص سيركها كوكاليال اعتراض ومرانبوں نے ان کاکہا زمانا۔ يه خطسه کد انهوں نے حضرت معدسے گائی فینے کا امر فرایا ہو۔ بکر ميم مرا المال الما امرمعاوسية بن إلى منيان كبنى مضرت اميرماديد نے مغرت معد كوام كياكتم الرتزاب كوبراكيون نهيل كجنة سحدافقال مأمنعك ان تسب تراتبول سفي واكران كم تين نفاكل البالتراب فقال الخ

یہ ام ام ان استنہ میں کے میں است کرنے ہیں۔ ماہج الم فوی رحمۃ النہ عیر اس کی نزرہ بی فراستے ہیں ۔۔۔۔۔ فعنوال ملوب ترحب السیس السیس السیس ایرموادیر کا یرکہ اس

فنيه تصريح بانه امرسعدالبيه وانماسا كه عن البيب الانع له من السب كانه يتول على امتنعت منه تورعًا اوخومًا ادغير وكان لورعًا والجلالال عن السب فانت معيبت ومحسن والله عن السب غير ولك في له جوآب آخر ولحسل معد الكان في المكن المدس معدم الإسب محدم الإ

اعتراض وه مونة التدب من قاركة بات اور صفوص الدُّول ایمان کرور تعاکیر کرد و اسلام سے نصر جائیں۔
دیتے تاکہ وہ اسلام سے نصر جائیں۔
جواب میں بات یہ کے حضرت امیر معادیہ رض الدُّون مدید یہ موقع کو فقے کہ مختی رکھا اور فقے کہ مین رکھا اور فقے کہ مین رکھا اور فقے کہ مین رکھا اور فقے کہ کہ مین رکھا اور فقے کہ کہ مین رکھا اور فقے کہ کہ مین رکھا اور فقے کہ کہ اور فال برک المنا اس موجے کے کہ اس بال جواب کے مال جواب کی مقدمی اللہ مین بن مال جواب کے مال ہوں میں مردہ کے ہیں جواب کے مال ک

تمين --- حيانى التطهيري من جراليكى ---- مياكر مرسياس رننی اندعندسکے باسے پیم وی سنچے کرانپول نے مین فتح کمہ تک بلینے ہمٹ مام کورِد ہُ خفا مين ركها- اوريد عذركى بنا بيرتغا-اور رباس صنوصتى النديميروتم كاستفرست معاويركومالى اعداو دينا ان كيم ونعة القلوسي بوسف يرواللت نهي كرنا جيها كدحفور اكم صلى الدعليه وتم كاحفرت مبسس منى النعندكو بحرمن سكے فن تم سے آنیا مالی امداد دینیا کہ سیسے وہ تنہا اٹھا ہمی نہ سسکتے شف ان کے مولفۃ القوسیے ہوستے پر دلالت نہیں کرتا۔ اعتراض المنسب اكم الندمتى الدُم الندميرة من الميكية مكومت كى بيت كونى الميكية مكومت كى بيت كونى المعتراض المعتراض الموسنة المرابية المراب خلافت مین واردسی ---- لهذا امیمعاویدی مکومت کا ظالم بونالازم آتاسید-بنی امیدی محرمت کوظالم فرما تغلیری طور بیسه می طور پر نهین کمنطقی لما ظ وسنسك است تعنيه بهربز نيركم عم بين بوناسه كليدك نبين احفرت عمر بن عرايعزيز کی حومت می توبن امیدی حومت سے تنی سے کون ظالم حومت کے گا ؟ -- نیز حفرت اميمعاديرك بالسيرس مديث بيسب كدان كي حومت كسكة مفاومتي الدّعير وستمسنه وعافرائی تنی ---- تواگروه ظائم مکوست متی توکیا سوصتی النّدعلیه و تم سن . نظام مسکرحق میں دعا فرائی ---- نیزاکیب مدمیث میں تو حضرت امیرمعاویہ کی حکومت كسك واروبؤاسي ابني مندسي من ابن عباس منى الدعندسي راوى بي - معنوس الدعيد ولم الدارشا وفرايا -بعنی اس دین کا آغاز نبوست ورحمت اول حددًا الاسرنبوة ويصمة پهنچ میر خلافت دراسف د) درجست تنم يعتثون خلافة ورحمة تم يعيشون سب بير با دشا بست ورحمت موكى ملحكا ورحدة الخ وتعلميه الجنان مداك

یه ملک درجمت مینمرست امیمعاویدگی بادشابست کوفرهایگیاسید. لهذا -- معوم بنوا که معترض کی مردی حدیث کا حکم دورام برمعاوید رضی الند مندکو نبرگزشاس نهیں سہے۔ اعتراض جواب که ان کا نا کھاستہ رسید کے سے صفرت امیرمعاویہ کوکئ بار بوایا دہ است اس کا پیٹ کہی نہ بواب یہ سبے ۔۔۔۔ حضور تی الدّی بدو تم سنے بتقاضا سے کشریت اور مجی کی خفرا صماب كوسيلي سخنت لفظرسك اورببروُعا فرائيسه - شلًا تعسكلتك امك ، ويعك ، متوبت بیداک – ادر سعلی دغم ضلات سریا سر دغم انغک چسرسے مقصد بردعانهیں بکراظہار مخی محبوباندسے -- یریمی بارگام اقدسے در مقیقت رحمت وبركت كانحفرسب مديث بينب وسهد الندتعاني سي ترما فرماني كريالتدمين تبقاضاسة بشريت مس المتى كم بلسدين كوئى منت لغظ كهردول يا بروعا فرمادُل است اس کے حق ہیں رحمت سے برل دینا۔۔۔۔ ملاحظہ بومدیث میری مصرح است لهٰذا --- يسمنت الفاظ مضرت كى دعاست اميرمعاوير كم عن يا مست رحمست ومغفرست بول سنحے۔ اعتراض المتعمرين باسركومضور متى التعليدة تمسنة فرما يانتاكه شجع باغي گرده اعتراض المتعمل اور المت معنوت امير معاويد كرده سنة تتوكيا-بوا ما منام بيدون كرسيك بين كراس باغي كرده مسع فارجول كرده مراف اور اس ا تنم کے لوگ دولوں طرف سے سنتے ، معفرت امیرمعا دیر منی الدّعذ اس می شك نهب كاخليف برت صنرت على كي التدوجهك مقليط بي سقے مكروہ ايك ترمی شب كادب مقالى برسق ادريدمقا بلها حتمامًا قا فركوناوا مبكرات كروه كيفروك لين فارجى احتما جانبين عناوا لا يسيد يتحديد أميرمعاويه منتى ستصر اورج معابراس اشتباه

كى دحب الميك ما تعرب سے معيد حفرت زبيروطلى عشره مبشره ميں سے دہ ہجى قطعاً منتى منے ۔۔۔ مدیث میں۔ كرصور من التركار من منت عمارے ورا يا مقاكر -- تدعوهم الحلجنة وسيدعونك الى النار- كم انمين جنت كى طرف او وقمہیں دونرخ کی طرف دعوت ہے ہوں گے ۔۔۔۔۔حضرت طلحہ وزبیر بھی تو حفرت امیرمعادیدکی و فستنے برقطعًا مبتی تنے اُدر اسی باخگردہ کی و فستنے ۔۔ ترمبتی درزخی وعوست کیسے میں مکا سے ورزخی بی دوزخی دعوست سے مکا سے — تو معلوم بنواكه اس گروہ بیں سے جو دوزخی توگستنے وی حضرست عمار کے قاتل ہتھے جو صحیح معنوں میں باخی ستھے اور وہ خارجی ستھے ۔۔۔۔۔ حضرت امیرمعاویہ رضی الدّعنہ توجم تہداوہ معذور ہونے کی وحیسے ایک تواسیے متن ستے اور وہ می جو ان کے ہمراہ استاہ کی بنا براديه تقے ۔۔۔ جيسے صنعت على منى الدّعز كا ما تھ ہے والے لبض لوگ دوزخی تھے ادروه خارجی نتے ۔۔۔۔ پینانچے متدرک شینٹ میں۔ ہے ۔۔۔ ابن برموز جوصف سے مل کے کودہ میں متنا اور آپ کی حابیت میں صنرت امیرمعا دید کے مراہی زبیر بن عوام کا مرکا ت کرلایا اور مفرست علی کی فوشنودی کوآپ کی خدمت میں زبیر کا سرسیٹیں کیا۔ منگر آسیسنے رضا و نوست نومی اظهار کرسے کی بجائے اس سے فروا یک تو ووزخی سنے کر دسول الڈمال الڈعلیے دیم کے داری زبیرکا مرتعم کیا سے ۔۔۔ (واحظم و متدرک ج ما صیاح) اكرجهمورة مضرت اميرمعا ديرياغي كاطلاق بوسكة سب سنكر يج كمدان كى نيست متحمق اوردلیل شرمی مسکھتے ستھے۔ اِس سلتے وہ باغی الخیر قرار بائیں گے ادرقائل عمارین یاسر جرخاری ستعے نیست میمے نر مسکھتے تھے تو وہ باخی النٹر قراریا ئیں سکے اور الیے دیک ہی واعی نا رم ہسکتے ہی جيب مديث بي باخي خيرو باغي شرارست وبواسي-اعتراض احضرت اميرمعادير كى خطاكولىنفى المسنست في المتناد المتاوى المين خطاء اجتهادى المير خطاء المتاوير كالمتاحث المستركا مركب فاست -

ا معترت اميرمعا ديرض النعن محبت ستعدان كاعبته به والمعفرت ميراع دالند بن بواسی عباس منی الدُمنها نے مدیبیت میم بخاری میں بیان فرطایا اور ابن عباس کی یہ شهادت معفرت على بى كے گروہ كے ايم فرمنظيم كى شہادت سے جواس مينگ بين معزت کلی کاما تھے۔ مسام کام انسب یاء نہستنے اوزرفرسٹنے کمععوم ہوں۔ ان بیرسے مجع مطارت سے منزشیں ہوئیں اور بایں ہمائند تعاسلے نے ان سے درگذر کرسکے اپنی رمناکا اعلان ادران سيع بنت كاوعره فرماليا -- وكلاوعد الله الحنى --خطا اجتهاوی کی میں الا خطاک وقیمیں ہیں سا خطاعنا دی: یہ مجتبد کی سٹ انہیں عطا اجتہادی کی میں اللہ اس سے اور عندالنہ اس سے اور عندالنہ اس سے كوئى مواخذه نهيل ..... ميرخطا اجتهادى دوتم سب ، مله خطائ اجتهادى مقركاس کے مرحمب کا ونیامیں میں کوئی مواخذہ نہیں۔ یہ وہ خطا سے حسسے دین میں کوئی فتز ریاز ہرجیے بھائے نزدیک امام کے سمجھے گاتھ پڑھنا خطار اجتہا دی مقررسے۔۔۔۔ ملا خطاسته اجتهادی منکر : بروه خطاسی حب سے مرتکب کا دنیا ہیں مواخذہ ہوگا اور لیسے چنین زدیا جائے گا۔ یہ وہ خطاسہ جس سے دین میں فقز انتشاہے ۔۔۔ معرت امرمعادیہ كالمخارت على كوم النّدويم سبب اختاف التي تعم كى خطا كها تأسب لينى خطاراجتها وي سبكر إس الفر معنوت على أن كاموا فذه كرست اوراس خطارك ارتكاب جنك مست فديل انهي إزيكف كالمشش فراسة كما قالحطيم الاسة سيدى الوالعلاعمد اعجه على الاعظمى الرضوى في مستثناميه الشرلي الهوسي ببهما وشوليت المجله الاول اميرمعادي اقل توك استنام جي قراست مقدس بي اى طرف است رهه مولده بهدا ومعاجرة بطيبة وملكم بالشام - (دارى شراب مك) -كرنى افزالزان كمين بدابول كم مين كريخ ست كري كدادران كى معانت ثام يهما تراميرمهاويركى إدمث بى محديول النوملي التعليدوس كالعلنت قرار إلى سب

تيناه ام مسن في مين ميدان بي اين جان تناربها درفوج كيم إه ادادة واختيار متعيار ر کھدسید اورخلانت امیرمعاوید سے میروفرماوی اورمیع امام سین از بھے اتھے پر بعیت کی ادراس ملح کی مضور تی الدّ کلیرو تم سنے بیش گوئی دی اور اسے اماح سسن کے می مدیں سے تمار كياتنا ---ان ابنى هذا سيدولعل الله ان يصلح به بين نستين عظيرين من (لهسلهین دمجهری چ اصنص) \_\_\_میراید بیلهستندسه کی امیدفرهٔ تا بول کدالدُّتّعالیٰ اس کے باعث اسٹ م کے در بڑے گرموں میں ملے کرائے گا ۔۔۔ توابیرمعاویہ پرنستی کا طعن كرسنة والاورم تنيقت امام مسن رطعن كرتاسب كرانهول ندايس فاسق كرخلافت اسلاميه مبروکردی بکر پیمصنوراکرم متی الترملیرکرتم پرطعن ہے کہ انہوں نے امام مسن کے مما پر مِي تَمَارُهُ وَاللَّهُ كِلَّهُ يَهِ النَّدْتَعَاسِكِ يُرطِعن سب كُواس نتصفوم تَي الدُّعِيرُوتُم يربيهِ يَسْسُ كُوئَى العّاء فرائي ومعافدالند مم معاذالند) غرفيكا جنهادي خطاري فنطاري في كافترى بجائد توونس ب فنقسس رارت المعرب والاياتورافني علام بخت فارم جوسنيت كالباده اورسع بوسنے سبے۔ وہ واست اقدم محابی رسوام بی النه عید تم سرایا عدل و نیر ہیں اوف ق كى نسبست سے يك سسد حضرت علامرنهامرا لمسنست كے امام ملاعلى قارى رحمۃ الدّعليہ محمر اجتهادی خطارسے مرکمب کی بنا بر والمغطى فى الأجتماد لايضلل نمربب مع مدنفليل وتعنيين زكى جلستَ كى -ولاينسق على ماعليه الاعتماد وشرح فعداكبر لمبع مصر صص ) اعتراض المحاسق نبین قر کم از کم بای کمه شکتے ہیں ۔ کران کے گروہ پر باغی جواب المروه برحم تك في المنظم المراه برحم مان منين المركاروه بن تر

منتعب تبمه ك لأكبريت بيب يزير تطعلنه كي بيك كرده كي قادت كرر إنقاء مكر فود مغنورهم کے عکم سے خابی تنا، جیاکہ عنوریب ہم ملاح من کریں گے ۔۔۔ دوں محارت اميرمعادير كروه بن مناواً الرن والدن والتاتين ممارخار جيون پرفسر بعند كما كمالاق سے حفرست اميرمعاديه پركسس كا الملاق مزورى نبي - الملاق ، الملاق مي فرق بوتسه - جن علار نے صربت امیرمعاویہ بہائی کے لفظ کا اطلاق کیا سے وہ صورت نرمید کے طوریہ بجبراكب اس لفظ كالطلاق صورت شرعيدست بهيث كرايب فلط اورفا رمعن وميموف بوحياسه اس سنة اب ان پراس کا اطلاق موراد بی سید مبیا کوران مجیری جنگ بزر کے محابریر وانتسم اذکبہ دفیل) کا طلاق سینے لغری مغہوم پر مؤاسبے اُپ بھا سے موٹ يى ذليل كالفظ قين منهم ركه تاسب اس ال المال كاطلاق كى شرلين برجائزنين بيناني المام البسنست يحيم الامترموا تامنى الوالعلامي أفيرعلى صاحب قتبل مظى رضوى رضى الذعه ابنى کتاب مبارک نشرلیست کی بهارموموم برنام بهارشرلیست میں فرملستے ہیں۔ عرف تشرع مي لبناورت مطنعًا مقابلة المام بري كوكيت بي عنادًا بريا اجتبادا ان مغرات درجرع كرسنه والدن برابرجر ربوع اس كا اطلاق نبي بركت كرده اميرمعا وبيرمنى الندعنه بيعسب لصعلاح شرع اطلاق فعرً باغيراً ياسب كر اب کر باخی مجعنی مفید و معاند و مرکش ہوگیا اور وسٹنانم دگالی مجماحا تاسیے السيكى ممالى يراس كاالملاق مائزتهي . دبيار ترلعيت ج امالالا) ا مام بدر الملة والدين كي تنبيه من من من من من من من من من من المحمود بن احد المعروف والمق الذى عليه احل السنة الامساك عما شجريبين العصابة و المسكر سكرابس كم محود سع زبان روك ادر

ان کے باسے بی صن کلن اوران کے سیتے تاديل كرناسي اور اس مين شك بنبي كروه عجتبد سقے ان کے پاس دلائل شرعیہ سقے انبولسنة معيست ادردنيا كانفدنهس كيا تفا کچدان می سے اجتہاد میں خطاکر نے واسلے بیں اور کھیے حق بیر ہیں اور فروعاست ہیں النرتعالى شف خطا كرسف والصحبتبرسي تنكى امنالی د مبکرایک تواب مجی ریا )سبے اور حق باشفطالے فواب کو دوگن کردیا۔

حسن إنظن بهشم والتاويل ليهشمونهم عجتهدون متأولون لعمليتصدو امعمية ولامحض الدنيافمنهم المغطئ فى إجتهاده والمصيب و تسددنيج اللهالحرج عن الهعيشهار المعنعلى في العنوع وضعف احسر

دعمدة القارئ شرح نجاری) عاملا

ا مام طبری کا فرمیب این جنبول نے اپنی تاریخ طبری میں مبرطرے کی رطب ویالس باتين جمع كزدى بين مخالفين سكےسلتے اتناكا في سبے كه خود طبرى كواپئ ان رواياست پريمير وسہ نه تقا انہوں سنے سند کے ساتھ مبروا تع کونقل کیا سسند کے داویوں کی چھان بین کرہے ہر واتع كى چينيست متنين كى جاسكى سبع- اسسكى باوجود المام طبرى نے جو اسپیف کے رائے قائم کی سب وهمپودا لمسنسف سسے می سخدت سبے جہودا لمسنسٹ تو دونوں فریقوں می خوس علی کوحق پراورمفرت معاویہ کوخطا پرتصورکرستے ہیں گرامام طبری یہ نصدیمی نہیں کر بائے كران بيسكون عن برتما أوركون خطا برسب بينانيدام عنى عمدة القارى شرح بخارى مين فراست بي --- وتوقف الطبرى وغيره فى تعيين البعق منسه رج اصلام) --- بین انام طبری وغیره بند اس بانت بین خاموشی اختیاری سهران حضارت میں کون می پرتھا۔۔۔۔ جو مفارت محض تاریخ طبری سکے رطب ویابس واقعامت پرحفرت امیرمعاویر پرجرح وطعن کرسٹے بی وہ پہاں سے مبرت حامیل فرمایش ، کہ خود

ماسب اریخ می سب کچر کھینے سے بعرفاموشی میں بہتری دکھیتاہے تر دورسوں کو کہاں مناسب سبے کہ وہ اس کی تابیخ کو دلیل بٹاکرز بالطین درازکریں۔

## فضائح والمعاورة والأعنه

رض النّدَعزے وایت کیا گیاہے اس میں سہے براہ وراد مع ابیت کا عزازہ نے بخانج فرائے ہیں اِسّے میں اِسّے براہ وراد مع ابیت کا عزازہ نے بی فرائے ہیں اِسّے بی فرائ اللّم اللّه کا لیے لیے ہیں اُسے بی خرات امیر معادیہ کے ایسے میں ذبان انکار زکمولوکہ وہ توربول النّه متی اللّه علیہ وقع کی محبت کرمیے نیفا ہو ہیں ۔ یہ وہ اعزاز و اکام ہے کہ جہان ہرکی وولت اس پر نثاری جاسکی ہے ایک مسلان کے لئے ان کی شان و مقلمت میں اتن می بات بہت ہے کہ وہ رمول النّه متی اللّه علیہ وقع کے معالی ہیں ہی سے معالی میں ہی سے بری مقلمت اور ہی سہے برائ علمت ہے جرانہیں ماصل ہے۔

مدیث را ، بر منت منت من منت من مناوید دخی الدُون بن ابن مها رضی الدُون کا در من کار من کا در من کار من کا در من

ارمافرائی -- اللحم نقعه فی الدین -- اور مریث می می ب ان یود الله به خدالین تنسب فی الدین -- کرس بندسد می الدین المالی کا داره فرا آب الدین المالی کا داره فرا آب الدین المالی کا داره فرا آب الدین المالی کا داره فرا آب برای از معوم بو که امت کا جماع ب کرمی به اور معنی اور معنی اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به اور معنی کرمی به معنی کرمی به اور معنی کرمی به کرمی به کرمی

ین امت کے اب اصول وفروع کا اس بات پر آتفاق سے کومحا بہ اورسلف ما ہے اوران کے لبد کے قرون بی فقیہ جنہ بہ معلق کو کہتے ہیں اور یہ کو اس پہلنے اجتہا و پر ممل کونا فروری ہے اسے احکام ہیں ہے کری مقلی کر کرنا فروری ہے اسے احکام ہیں ہے کری تقلید کرنا جائز نہیں۔

نقد اجتمعت الامة اصل الاصول والفروع على ان النقيد في عرف الصحابة والسلف الصالح و قرن آخرين لجدهم هوالبحتمه المطلق و ان يجب عليه ان العمل المسلمة والا يجرزل ان الفلا ال

وتطبيرانينان المم ابن مجرمها

نے حفرت معاوید کے حق میں دُعافرا ئی

اللهم علمه الصنتاب مسندا وندا-اميهمعا ويركوقران ادر الحساب ومكن ليه نى المبلاد وقسيه مساسب كي تعيم مصداور است زين كي بادامي سوم العذاب

عطافرا ادرسيس مذاسيس بجا-

دتظهالنان صلام دشرح شفاد للقارى ج اصنالا)

المام قاضى عياض فراستة بي — ودعالمعاوبية بالتسكين ننال الخلافة وثنغا يشرلفي جا مسطاح كهمضورمتى النهيروتم سنصفرت معاوير سكرسك ملطنت کی دعافرائی توده ظیفہ ہوگئے ۔۔۔۔ اسی پس اُسکے فراستے ہیں ہے۔ واخد بربیکٹ بنى امية وولابية معاوية ووصاه وجه متلا) كمعفوم فالذعير تمسة

بزامیری بادش بست اورمعادیدی مکومست کی پسیشگری دی اور اسے دصیبت فرمانی المام شهاسيكين ففاجى فراستے ہيں --- صارخليفة وسلطانا ما لكاللب لاد

سبدعائده ملخلط عليه وترامان عسمه الله سبدعات معاديه صوركي دعليه

بى خليقه وبادست اور مالك بالادبوست.

نه بول کے بینانچ معفرت محدث المستم

معقق اعلم مولاناعلى قارى رحمة الندعيد شرح شفاريس مدسيث نقل فراست بن

المنمفرت متح التعليم وتمست ادمث وفرمايا

" معاویه برگذمنوس زبوگا اور "لن يغلب معاوبية" وتبد سيلغ علينا حسدة السرواسية معنرت على وم التروجيد كريه مدريث بيني مقال سوعسلمت سسما التوفرايا اكرير مديث يهوم يرساعمي

الم عاتی تومی معاویه سے زلا ؟

. حارته

(شرح ثناءج ۱ مس<u>وس</u>)

امام ابن تیمیہنے العبارم المسول ہیں اس مدسیث کابین نظریوں تبایا ہے کہ ایک مرتب مغرت اميرمعاديرة تحفرت متى النهيرستم كى خدمت اقدس بي حاضرتنے ايكس بير دي يهوان آيا اورصنوصتى الترعيروتم سيسكين ككامير بدسا تعمشتى كيئ تنبل ازي كرمضوص لأ عليرت تمهداميرك في جواب مينظ مطرست المهرمعاويه فوراً بوسك كرسك يبودى بين مضوركا غلام بون ا درمیری موجردگی میں شجھے مصنور متی النه علیہ وتم سے مشتی کرنے کی اجا زیت نہیں پہلے میرے ساتفرشتی کرد اگر می مغلوب بوا تربیر میرسد آقامتی النده یدستم کوکشتی کا چیلنج کرنا بیودی میپران نے باست مان بی اورکسشتی شوع ہوگئی چفرست امیرمعا دیہ نے ایک ہی وادسے لیے زمین پردیننخ دیا اور اسے زبر درست سے کست دی ، حضور حتی الڈعلیہ و تم نے فوش ہوکر حفرت اميرسي فرايا — لي معاويه! اب كي بدكو في طاقت ستجهے زير نه كرسكے گی۔ ایسے نف کی بیں میں ہے کا آب کی کا تب دی ہیں ہے کہ آپ کا تب دی ہیں ہے کہ آپ کا تب دی ہیں ہے کہ آپ کا تب دی ہیں ہے کہ آپ کا تب دی ہیں ہے کا تب دی ہیں ہے کا تب دی ہیں ہے کہ ایسان میں ہے کا تب میں ہے کا تب میں ہے کہ ایسان میں ہے کہ ہے ک جس کی مندس ہے کہ حضرت امیرمعا دیرحنوش الندائید و تھے کے صور میں کتابت کے فرائض أنجام دیاکرست والتعلمیوسن - امام ایونعیم فرمات مین که حفرست معاویه انجفرست فالتعلیدم کے کا بین سے سین اکا بر نقیع وطیم اورصاحب و فارسے ۔۔ بعض کوک کہتے ہیں کہ معنورمتی الندملیدو تم کے ذاتی خطوط مکھتے۔ تھے زکر وی ۔۔۔ بیمیمے نہیں بکہ آپ دی اور خطوط دونوں کے کا تب تے بنانچہ ۔۔۔۔ امام ابن مجر کی فرماتے ہیں من وحى دغيرو— وتطهيرالم نان صناب الم قال المومنين المام قاضى مياض سنة نقل فروايسه كرايم شخص في معانى بنال المومنين المومنين المومنين الموانير معاويد من سيركان أفن المنتاج ؟ المستال المومن المعربين عبد العزية الدرانير معاويد من سيركان أفن المنتاج ؟

ا مام معانی بن عمران منت دیدنا راض بوست اور فرمایک انحفرست می الدّی میدست می کوم کسی غیرکومت قیاس کریں۔معاویہ توصفور کے صمابی اورملسے دمساؤں کے اموں) او اسیے کاتب اورخداکی وی کے این ہیں۔ عضرت معاویر کے گورے کی ناک عیار است امام زابر مارت مبالاً است معاویر سے گھوڑے کی ناک عیار است مبالاً است مبال رمنى التدعنها سيسكس في سوال كيا كرعمر بن عب العزيز اور مضرت معا ويدمي سع كون افعل سبه ؟ سهين نرايا كرسس كمورست يرمغرست معاويه من الندعز موار بركرمعنومتى الذ مليدو تم سك بمراه بوست اس ك ناك كاغبار عمر بن عبالعزيز سع برار بار اضل بر ۸ \_ مفرت معاویه منتی استرسندسے مردی سے کرمفرت عون بن الکیا شیر مندا کا بینام ، این الدیند اربحاری معیدیں دوبیر کے دخت میں الدیند اربحاری معیدیں دوبیر کے دخت میں الدین الم بینار ہوستے تو دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کے دیما کہ آپ کی ایسان کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کی دیما کہ آپ کی دیما کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کی دیما کی دیما کہ آپ کی دیما کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کہ آپ کی دیما کی دی طرف اكيك شيراً رياسه واسين بتعيارا شايا يستير بولا ، تعهرسية ، ين ايك بينام لا ہوں دگریا پرسٹیری شکل میں فرسٹ تھا)۔ اسب نے سوال کیا کہ شجے کس نے بھیا ؟ اس سنه کها .... سعے آب کی طرف النزے ہیجا سے کرآئیے معاور کو پر بیغام بہزا دیں کہ وہ حبتی ہیں ۔۔۔ 'ہیں سنے بیر چھا کون سے معاویہ ۔۔۔ کہا ابن الی معنیان ۔۔۔ اس مدیث دراه م طبرانی سفرص شرمت عوف بن ما مک سیسے روامیت کیا سیے۔ 9 - - برزيار اور مى انظمارست بن اسسامداين سندسد دوايت كوشت بي كد - - مضرصتى التزعيد كم سن معزت اميرمعا دير دحى الترعندسك باست مي فرمايا ومعاوسية بن إبي سغيات كمعاويين ابي معييان ميري أتمت

میں سے زیارہ بردیار ادر عی ہیں۔

حلم امتى واجودها

ا عام محب الدين طبري ايني مشهور كتاب رباض النفرو بس مدست رواست فرطت

لأزوار ببغم بمرشى الندعليه و

بي كه معنومتي النّديميرستم سنة عشروميشره معابري تعربيبي فرا يَن بعرفرايا: كممسيسي رازدارمعا وبين الصنيان بیں رتوجسس سنے ان سے عبست کی وہ سجات باگی اورسس نے ان سے فی رکی ہلاک ہوگیا۔

وصاحب سري معاوسية بن ابی سغیان نسن احبهم فقه نبادس الغضهسم فقدعلك والتطهير مستال

المام ترندى سنعصريت دواميت فرماني كه صوص التعليم سے امیرمعاوریکے عن میں وعافر مائی

باوی ومهدی

كر استدا معاوب بادى ومهدى مهد اوراسكولوك كى براست كا درلعربا-

اللهجم أخبكه كاويًا ومكفريًا و اخدبيوالناش دترزى

## مون

ان کیٹ رو روایوں پراکتنا کرتے ہوئے کتاب ختم کرتا ہوں ،الٹدتعالے نے ما إقرط اسين بايت اصدة ان ان ان ان الله المايس كرد ان كرد الم كا ازاله بوكا-بوطرات اس كامطالعدفرائين كهي قابل اصلاح باست بائين تواسس خادم كمعللوفرا كروعا واجرعامس فرائين والتدتعاسيظ اس كتاب كوليت يبليد عبيب صتى الندعيرسة كى باركاه ب كس بناه مين شرف تبول كو بينجاكر اس را بامعيست كي كابول كالغاد

نرلے ادرام وعمل صالح میں ترقی ہے۔ مسلک المسنست کی تبینع کی مزید توفیق پہنٹے ،اور روزقیامت ، سرکارصدایق اکبروشی الشد عندسکے وامن مقدس سے وابستہ توگوں میں اٹھلے ایمن ۔ ایمن ۔ وہ نداالہ عالاب ویت ولا ولادی ولاسیات ندتی ولمشا تخف جابی

نقط سخیل انشمیر علام کمیورفاوری ایم با اسلیک لار ایم بات اسلیک لار مخصص نقرو فانون است لای

#### بالمنافظ التحتيين

# وضائل من المساوس المساسبة

وَانْعَا مِهِ مِنْ لَاللّٰهُ لِهِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِ الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي اللّٰمِي اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمُ اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمُ اللّٰمِي اللّمِي اللّٰمِي الْمُعْلِمِ اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمُ اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي اللّٰمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي اللّٰمِي اللّٰمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي الْمُعْلِمِي اللّٰمِي الْمُعْلِمِي الْم

كافيس اببيت كالمين بين سا البيت كالماروه صورم آلاد المبيت كالأروه صورم آلاد المبيت كالماروه صورم آلاد المبيت كالماروم المالة المراب كالمراب المراب ا

کے البیت ہیں جن کے اسے میں اُست مندرج بالا نازل ہوئی۔ لہذائص قرآن کی روسے ازاع مطہرت کا البیست ہونا اظمران شمسس مرا۔

رواب ازواع مطبرات این ابریت بی اورده ایت تطبیر اصداق اولین بی انحفرت بواب از این از این این از این از این از ای مطبرات کو البیبت می اورجالت کے البیبت سے فادی کر اتشیع اورجالت کے اورجالت کے اس کا کندی کا درجالت کے اورجالت کے اورجالت کے دراور پیطیعہ دیے ہم مذکر کی خمیر از دہ لفظ ایل کی دجرے ہے مادرہ واب

یں " امل کے لفظ کے بیے جمع مرکزی خمیری ہتمال ہوتی ہی گرچ کسی کا معداق مورقی جل بیا تران مجید کا ایک مجریح تیت تابل مشاہرہ ہے۔ ہم ان شوا برقرانیہ میں سے مرف ایک شاہر کے جا کرسے پر اکٹنار کرستے ہیں۔ قرآن مجید میں ہے ؛

بین صرت بوئی میالنده سند این بیری سافرد در شرو محید کید. آک نظر پری سب مثایری تها سین ایمی سے کوئی مینگاری سانے آوں . اف قال لِكَمْ لِمُ الْمُحَثُّوُ الْمِنْ آنسُتُ كَارُا تَعَدَرُ الْمِنْ عَصَرُ مُولَا اللّهِ عَصْرُ مُولَا اللّهِ عَلَى اللهِ اللّهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ المُلْمُ اللهِ اللهِ المُلْمُ اللهِ المُلْمُ اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي اللهِ المُلْمُلِي المُلْمُلِي المُلْمُلُولِي المُلْمُلِي المُلْمُلِي المُلْمُلِي المُلْمُلِل

کرایت انساب ویدانه تا نر نامکرانخرست تمال ویردنم کرادواع ما پر نامکرانخرست تمال دی در کم کرادواع ما پرا سیکرای اثری .

نزلت إنهائ ويندالله الع ني نيسكرالن توسكرالله عليه وسكر خامشة روع المعان و ۱۲ مثل)

لنظ خامش ي وفامك موظ فاطري .

ان طرح امام ابن مردوید نے مغرت ابن جبیر کے طراق سے سیر تا ابن مجس رض الذمنها سے دوایت کے دارو معلم است کے اسے میں اُڑی ۔ اُدر فی روایت کے دارو عملم است کے اسے میں اُڑی ۔ اُدر فی روایت کے دوایت کے ایسے میں اُڑی ۔ اُدر فی کور سے دام ہی مردویہ دوایت کرستے ہیں۔ انہوں سنے فرایا ،

کر آبیت تعلیمی مراوصنوم آلنده ایر تم کے ان ان مالی در تم کے ان مالیت میں ہے۔ ان دواج معلیم است ہی ہیں ۔ ان دواج معلیم است ہی ہیں ۔

. انعاهونساء النبع لم الماعية المعلية يلم رتنبير مالعاني ع١٢ مسكام

اس میں لفظ انسا جرمنیہ مرئے کوؤلئے۔ ام م دبن جریط بری دوایت کرستے ہیں۔انہوں مائے ہ

کرمزرت محرر بازاری منادی فراست سخے کر آیت تعلیم کے اور میں منادی فراست سخے کر آیت تعلیم کے کا بیت تعلیم کے ایک معلیم کے ایک معلیم است سکے بعدے میں ان ال براکی ۔ ازواج معلیم است سکے بعدے میں ان ال براکی ۔

المناسب الله ليذوب عنكس المولية الله ليذوب عنكس المول البيت ويطه ركد تطهد والمالية في الماليق في الماليق مسلى الله عنلية ويسلم

دتنسيرايي جريري ۱۲ مسڪ)

۱ - اجبیت کادُدر اقدم نمبی بنی جنبی صور اکام متن الدُوکی و تم ک ما تونسی تعلق به بیسی صفرت می و فالم وسنین کرمین آور صور اکرم متن الدُوکی و در مری صاحبز اویاں رضوا الدُولی الم میں صفرت می و فالم وسنین کرمین آور صفور اکرم متن الدُوکی و می شاخت بی جنبین صفور اکرم متن الدُوکی و می سند و آورید و بی حفرات بی جنبین صفور اکرم متن الدُوکی و می سند و منرت مان فرایا جدید صفرت و آفر بن استعی و صفرت مان فرایا جدید صفرت و آفر بن استعی و صفرت مان فرایا جدید صفرت و آفر بن استعی و صفرت مان فرایا می در مند مندان مان و من الله و مند مندان من و مند مندان مان و مند مندان من ان من و مند مندان من و مند مندان

بهمودت انطع ملہات مغرص الدّور کرستم کے اہل بیت ہیں۔ مدمیث ام لرین الدّمنہا میں " اِنکٹ مشیل خسیر سے معن ہیں کر ترجی کی پرسنے ومین میرسد اببیت سے سنے )

Marfat.com

ا رکا پرطلب لینا که ترابیبیت سے نہیں ہے جو بالکا خطائے کیز کر ایک اور دوایت بی مسیق نے حضرت ایم کرنے مرض کی :

اَلُنتُ من اَخْلِث ؛ قَالَ بل دانَهُ مَرِينِ مِن اَحِدِ مِن مِن اَحِدِ مِن مِن اَحِدِ مِن مِن اللهِ اللهِ الله اَدُخَا الكساءَ دالعواعق مثلًا) فراي كيرل نبي أوراست مِن يا درم اكر مِن اللهِ الكساءَ والعواعق مثلًا)

ا اران مجرک میدارمته موای موترین روایت نقل فراسته بی که صورمی الشرایس تم نے معرف می الشرایس تم نے معرف می و ای می د فاطر درسسن درسین رض الدونیم کے ہمراہ دوسری معاجزادیوں ، اقارب اُدرمز بدر کوست کے مسلے ازواج مطہورت کومی کیا در تعلیمیریں وائن کرایا ۔

المرآبی جرک موامق اور ملامرقانی ثنارالند بانی بی سین مول می فرات بین خلافت جها ارتخاب این مرسادی می فرات بین و تقبر وار مرسی الدُونداس سے حفرت امیر معادیہ کے بی و تقبر وار مرسی الدُونداس سے حفرت امیر معادیہ کے بی و تقبر وار مرسی بھراس کے وفراللہ تعدید انہیں خلافت بالحنیہ مطافر مائی کرفرشت کرئی الجبیت کے ماتھ می منتی کرئی سین بسین اور مجد و اسلام الام احد رضافاں بر بیری عوال میں بر آب بغیر فوث مرسی کے مالک الجبیت کمیں کے ذبین دامان تا کم نہیں روسی ہے۔

مورثیت کیری کے مالک الجبیت کمیں کے ذبین دامان تا کم نہیں روسی ہے۔

مغارت بوت سب ان کے نائب بوت اُدان کے بدرستہ نامون مظم میں بی اور میدال فرار بی -حفور تنہا فو تبیت کری کے مصبے برفائز بھے تے صور فون انظم بی بی اور میدال فراد بی -حفور کے بدیتنے بوت اُد مینے اُب بی گے حزت الم مہدی کہ سب نائب مضور فوث انظم رض النیونہ بوں گے ہے امام مہدی وضی الڈون کوفوٹیت کبری مطا برگ دامنو فرای النیونہ بوں گے ہے امام مہدی وضی الڈون کوفوٹیت کبری مطا برگ

معفوراکوم من الدُولا یوسی فراست بین کریر سے معابر برایت کے سنان اُدر میر سے ابدیت کمشتی نجات بیں گر باکشتی نجات پر بیٹوکر سنا روں سے دوشنی حاصل کرسکے دنیا کے بجر تا رکی میر مز اُنورت کوست کوست والا مُامل مراد کومزورہ بہنے کرئے ہے کا برستا روں یا کشتی ، دونوں سے یا کسی مبی ایس سے بانے بیازی برستنے والا سامل مراد کومبی نہیں بہنچے سے گا۔

المِستَّنت كاسبُ بَيْرا فارام المِصْور ﴿ مَسْبِعِ اوْدُ فاوَسِهِ مَتْرَبِ وَالْمُسْلُ المِستَّنت كاسبُ بَيْرا فارام المِصْور ﴿ مَسْبِعِ سُبُ اوْدُ فاوَسِهِ مَتْرَبِ وَالْمُنْسِلُ الْمُنْلُ

مدیث شرایت میں ہے کئیں تم میں وہ چیز ہی چوڑے بارا ہوں جب کستم اندی اور ان کے کام پر جانے کا کہ اللہ کا کا ہے۔ اللہ کا کا ہے۔ اللہ کا کا ہے۔ اس میں ہوا ہے۔ اور ان کے کام پر جانے کا ہمیں میرسے بعد ہر گڑ گراہ نہ ہوگ ایک اللہ کا کا ہے۔ اس میں مراست و فرر ہے وہ مری میری میرست سے دف دوایت مطان عتری سنتی بسا ان العتری تالمان کو اکر ہے مراہ ہے۔ اندی اللہ علیہ کے مخالفین کو مہمت نہ بڑی ورز حفرات الجبیت کی دھاسے منالفین کا خاتر ہو جا تا ہے خورمتی اللہ علیہ وسے کی دفاسے منالفین کا خاتر ہو جا تا ہے خورمتی اللہ علیہ وسے می دنیا ہے۔ دوایت فرائی تھیں۔ کہ منا جہ اورای شرکی میں باہر نہ میں کہ وہ بہے ہی دنیا ہے۔ دوایت فرائی تھیں۔

البيت كم مُا تومجنت ومعيرت فرائف إنان سه بنانج أيت السودة فالعوب كا تعان المعردة في العوب كا تعان المعرفة المعرف المعربي المعرب المعربي المعرب

مُوضِ مِن اللّارِ فِى القرآبِ اَنْ وَلَهُ مَن تَدُومُ مِن اللّهِ عِلَيْهِ المِد المُدمة وَ لَهُ مَن تَدُيمُ مُن اللّهِ مِن اللّهِ مِن اللّهِ مِن اللّهِ اللهِ مِن اللّهِ اللهِ مِن اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ ال إده ترسيت دسول الله حيك ثر كذاك ترمن تخطيم العتدارات كشير آل النبر دراید و هسرالیه و یدن آنجیسد اید و الی بیت تمباری محلف آلیلیدی بعین کر ساند در الدم آل الدم و آل الدم و الدی الدم و ال

حفرست سعدى مليازمة فراست مير به

الني مبحق نبى فاظمه به برقول ايمان كمنم خاتمر اگردموتم روكني درقبول به من دوست و دامان ال يمل

ولاب بويال مَا وكالله السائل السائل السائل المسائل الم

انمغرت من النوليرس في ال الحبارس توسى النيرنبي روسك بيناي وه ابن مشرق منيات المعند التنام شرح بوغ المرام من الموست بي المحد المنام شرح بوغ المرام من الموست بي :

تاموة برآل نوستند آمتیان به مردبه مامون شود نرو الی مبی نیمن مل به مربرقل ایان نیم خاتر الی مبی نیمن طر به مربرقل ایان نیم خاتر

رمك النام عامك

## مر بر بران ما ويد

ام یزیربن معاویر کنیت افرفالد فاندان امری والدکانام مفرت امیرمادید اور واداکا ابرمنیان من النّد منه بر دوفل مغرات ممالی بین ال کانام میسون بنت بحل کوییئے۔ یزید مصلیا ایم کو دائز مثمان فنی من النّد مزیر برا اور بہت گئے باوں والا تقا المبین با بیست مدیث بی دولیت کو بہ براس سے ایک اس کے بیٹے فالدین یزید اور عبد العک بن مروان نے چو کو حفرت دولیت کو بین مروان نے چو کو حفرت ایر میماویست اسپنے زمان میں اس سے کوئی نازیا جوکت زوجی متی کو لوبن حفرات سے اس کا ترفیق المرائد تعالیہ سے کوئی نازیا جوکت زوجی متی کو لوبن حفرات سے اس کا ترفیق المرائد تعالیہ سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں اس سے کوئی نازیا جوکت نواز میں کا موجوز میں کا موجوز میں کا موجوز میں میں با یا اور النّد تعالیہ سے کوئی دولی کا موجوز میں کا موجوز کوئی میں موجوز کی میں میں موجوز کی میں موجوز کی میں موجوز کی میں موجوز کی میں موجوز کی موجوز کی موجوز کا موجوز کی میں موجوز کی موجوز کی میں موجوز کی موجوز کی موجوز کی میں موجوز کی موجوز کی میں موجوز کی مو

الندار برسندر برکوس کافنیلت ابرت و کیرکراً بنا مانستین بایاسی تواسیم بری ترقع بربرگرا با مانستین بایاسی تواسیم بری ترقع بربرگرا از را در کریم شفتت بربی کراید باب کو اسیف بیشک که اقد جو آب سست این نوانسین بایا ادر دو اا ایست تو است تو است منان محران منبعات بسیدی بی بای کردے.

الله مدان كنت عصدت ليزيد لما رَأَيت من فقيله فبلغهما الملت واعنه والن كنت انعاحلني حب الولالولولا وإن كنت انعاحلني حب الولالولولا وإن كنت الدياما منعت به العلا فاقبضه قبل الايسبلغ ذلك والميما الميلا فاقبضه قبل الايسبلغ ذلك والميما الميما ا

كامالى كالى المالى كالمالى كال

مقامع میں اقتدار نہیں بیلہ ہے۔ تھے میں تعلیا تعلیہ ہے میں اقتدار کے لیے ہا شراب کے کے میں اقتدار کے لیے ہا شراب کے مقدمت کا میں اقتدار کی کے افراد کا میں اقتدار کی کا در مراد کا میں اقتدار کا میں اور مراد کا میں اور مراد کا میں اور مراد کا میں اور میں اور میں اور میں اور میں اور میں اور میں اور میں اور میں اسرا میں برخن والے والے مقدمے مقامعے میں کسر کا دامن

مان بای اردین بسلم کے تفظ کے لیے اسے برتیم کی قربانی کا یقین واکئی قروہ ان سے واکی پیرائے کر ان کی تیا روی کی ان کی تاریخ ان کی تیا روی کی ان کا مواس کالم وفاس اور برکار کرک آفتدار سے بنا کر خوداس پڑھی ہا اور وین بسلام ایسے جامع بیات کو گوکس میں برتمام وکال دائج وافا فرک سے جیے حزت، در معالیات کے حزیز معر سے فروا تقا ہے آ کے تعلق کے ناشر الارض افر خوبی کا تعلق کے لیے سے جا آبوں کہ کہ مسبم کے خواب کی موال ہوں کے دکھے کئیں مک کانظم وفت کس جن طریقے سے جا آبوں کا کہ کہ بعر کے خواب ایم کی کانظم وفت کس جن طریقے سے جا آبوں کے سے فرک کی موال ہوں ۔۔۔ اسے اور خوابی موری والد ہوں ۔۔۔ اسے اور خوابی کرئے آت دار برفائز ہوئے کے بند برے کا جا خواب کی احد مانوی والد ہے ۔ اسے اور خوابی کا موری مانوی والد ہے ۔ انسا الا عسال بالد نیات واسعا دیک احد م مانوی والد ہے ۔ افراب کا دار دار دار دار دار دار در ار نیس بے اور بیر خواب کی زیت کا میس ہے گا۔

ادر اماتم سیری دمنی الندمزید عبدالندی مرخی الندم است عبدالندی مرخی الندم است عبدالندی مرخی الندم است عبدالندی مرخی الندم است مرفی کرانسد الندم الندم الندم الندم الندم الندم الندم الندم الندم می ایست می ایس

الم سيركل ذراستين ، وتسال لسة ابن عسى يلا تكفير يلط وتسال لسة ابن عسى يلا تكفير يلط في المن وسلم في المن وسلم الله صليه وسلم خشية والله تعالم بديث الدنيا والاخرة و في المنتاز الآخرة وإنك بعنعة وسنه وكل تنا ليها يعني السدنيا ولا تنا ليها يعني السدنيا والاتنا اليم المناء مده المناء المناء مده المناء مناء المناء مناء المناء مناء المناء مناء المناء مناء المناء مناء المناء ال

اسس سیمسوم براکر صنرت ام ملانت ما تنداری خوانهش رکھتے ستھے اور یزید الیسے فاسق دفا برکے متکسیے میں از کا ایساکرڈا ان کی ڈیمن دمرواری مجی بتی۔

معرت امام سین دمن الدّور مامر المسلین کے اعراز و امامیت یزیدالی مکرده و نالیسندیده تیا در الله می الدّور من الدّور مامر الله الله من

ق دي برناسي برناب رس ك احكامت كر إال كرست اس كے ظاف مداست احتاج بند فين ادرم وجد كرست والا باخي نبي ممام بواسب بيناني مديث بيسب – افضل الجهاد تعلية حق عندسلطان جاشر — كنالم تيادس كمرى كمرى سناء اضل جادسه. حفرت المام كوباخى قرار دينا شقاوت ادرخ دج سنه جنائج سنس المم المبتست كي دمويمس کے مثلے ترین مجدومولانا علی بی مسلمان قاری فراستے ہیں۔

كم يربوليغن جابولسنے كہاسپے كرا ہا يمسيين باخی سنتے الی منت وجاعبت سکے نزوکیب نالط سنے اورشا پرر اوی سے بیکے بمرتے (خارمیں) کی پڑسنے۔

وَاتِنَامَا تَفَكَّوَ وَبِعِمُ الْجِبِهِلَةِ مِن أتشالمعسين كانتباغيًا نساطيلٌ عشد فأحل السنت وللجهام تودلعك حسندا من هِندُ يا كات المغوابع عن المجا وَق

يزيرلبيث كى شنا دول كا بَازُولِينا بوتر مارع النوة ونبراس دويجركت معتني كامطالع فرائي. ا ہے ایسے انکشافات بائی سگے جی سے ایمی میں کے جذبات بے قالم ہوئے بنیرنہیں وسکتے۔ يهإں اختصار مُنظرسے بھس سلنے مرت ممثمین کی نظریں پزید کی بیٹیت واضح کرسنے پرکتفٹ ہ

ين در كوار المرمين كن والركي منزا المكامير من المتالية المرامام ابن مجر مستلان المرام المام المن محر مستلان المرد والركي منزا المناب التهذيب من فرات بن كرفون بن الالات

واور تهذيب التبذيب بيسب فوفل بن المعقرب سف حفرست الماع مرب والعزيز من الدّورك حضور میں ایک شخص سنے بزیر سکے ام سے ما تدام الزمنین کا لفظ کہتال کیا۔

المسيمس يرالين بوست أوينوا إكرتوريديد كرام الزمنين كتاب ادرآب ممس من المسال

فقال تقول اميرالهمنيت وامسر ب فضرب عشر من سَوْطا والمريخ الخلفا وصنالا وتهزميا لتتربيب عاام البس

لیست لدن این نعب دری کی کردیری کی است. رجالا مساله ۳) نیس سنے

یبی الم ممادع رحمة الترکلیریزی کے بسے بی تغریب التبذیب بی فراستے ہیں،
ولسیس باحسل ان بیروی عند کریزی کسس باست کا الی نہیں کہ کسس سے
دلسیس باحسل ان بیروی عند کریزی کسس ہے
دولیت لی جائے۔
دولیت لی جائے۔

مر ملام منی الذین احد بی جدالترانی رجی الانصادی خلامد تبذیب تبذیب بخلالی فرات بی یروب معادیه بن ابی منان به ب کاول حبد الجدید الجدید الجدید الجدید الجدید الجدید الجدید البدید ا

امام اسنت آیج سن می می می الده می الده می الده می الده می الده می الده می الده می الده می الده می الده می الده و است بی که یز در کے بست میں جلا وی مسک سب جرم اسے امم الرمنیز رضی النده و کامسکا سے مینی و دند کرخود اسے کافر زکمیں معملے اور محفیہ کرسنے واسے کو من بی زکریں محمد

الم در قدی نے متعدد طرق سے دوایت کی سے کہ خرست بختطائعیں لایحہ کے مُساحبزاد سے عبداللہ در قدی سے ایک کے مُساحبزاد سے عبداللہ دِمن اللہ منہا سنے ایسٹ وفرا ہے۔ عبداللّہ دِمن اللّٰہ منہا سنے ایسٹ وفرا ہے۔

تیم نبرزیرسے بہنے اس وقت بی بنادت کی جب بہیں اس بات کا فررنگنے لگا کہ بم پر امان سے تیم برسی کے لوگ امہات الاولاء بیٹیم کی اور بہنوں سے تکام کرنے ، شراب جینے اور نماز چروزنے لگ سے تھے تھے۔

والله ما فرجناعلى بين يكعنى والله ما فرجناعلى بين السماء خفنا أن برمل الجارة مون السماء الأولاد التي رجاً لم ميث كم أسهات الأولاد والبنات و لاخوات وليشوب العسر وليدع العساؤة والميم الغامن المعسلة والميم الغامن المعسلة

ادرانام زمی این تمید کے شاگردرشیدفرا ... بین ا

ادرجیب پزندانی پرسند کے ساتھ نارواموک کی ساتھ ہی شراب و برکاریوں کا دور دورہ چلا یا کو کوک کہس کے باخی ہو گئے اُورالٹرنے اس کی عمریں برکت زفرائی۔

\_\_\_\_ درامنخ النفار صن ۱۹)\_\_\_\_

یہ اہم ذہبی کی شہا دست ہے جوظا مراین تیمید صاحب کے شاگرد کرشنید ہیں۔ اور خود امام ابن تیمیدیز دیسے اسے میں نہایت زم خیال ہونے کے اوجود صفرت امام سین رضی النّدعز کومظلوم وسٹ مہیدا متنا دکرتے ہیں۔ فاحظہ ہو:

من سبطرد ول الله صلى الله عليه والم من سبطرد ول الله صلى الله عليه والم حتى قشاكرة منط و ما شده بري عليه الالى ان قال ما تصده بري عبيل اللى ان قال فإن ما تصده بري عبيل الخديد و ده ندج الشروسي يحشل منه شنی دنیاع النتری مناع النیزی مناع النتری ا

مسسست ابراک منبست الم کایز پیسک خلف مداست این و کان اوراس کی ایاک وی ا عمران وخررا بيك يسمقصدتها أسب كانتل وفي كورير نهين ظعوم ومشهيد كم طور پرسند . يزير أن ررامونا في رطاعي منا أوروه كامة المسين كراينا توم بناكر ركهنا ما بتاتها.

بين نجرام بن جمعتون رحمة النعير فتح البارى مي فرلمستة بي :

ادرابل مرسيت كمحتق عام كے بدلتر اور سيمتم بن عتبريز يركن في اس إست كا مهدلیاکه وه برند کے البدار بیں مے اور زید كوان سيح مان ومال بي ابني مرمني كيم طابق تفرن كرسن كا اختيار بركا اور برمازونا جائز دنتجالباری جا اصنائلا)

وتنشل متن تشتل وبالع مسسلكر \*الناسَ عسل انه حرَّوَلٌ لِيزبيدَ يختكشرنى ومائبهرواكثوالهرخ بسماشاء وانهسعواعبذله تسن فى طاعـة الله ومعضيته

موال جواب کرمیج بن بر سب کرسیدناعبدالتدین فرمن اندمنه نه یوریکی بعیت کی مرسب الرسيسة الركاب المسكى بعيت ترزى قرده نا إن بوسة الرساليد

رگون سے تعلی تعلق کرسنے کی جمکی دی نے بر وجہ سبتے کو کہسس مدیث کی نثر بڑی ا مام عسقلا فی و

امام مشطلانی فراستے بیں ،

كمعبدالتدبن مركى مدسيت سسعوم فواكر المام كى بيعث تمام برست بدرس ك زيانوارى مرددی اور سرک افرانی منروست اورده نست ست است المرت مديم والنبي بركا.

خبيه دجوب طاعة الإمام البذم انعقدت ليه المسبيعية والمنع ووزالخوج عليه وامنه لا

- دفع البارى عساميل وارتئاد البري ع-اميوي بعراما حمسين منى الترمنسنة كمسركى بيعث سيركزل ايكاركيا بسبب كمسركا واب ير

سب كرحفرت مبرالتدبن مرزا مرازم وركمت اوركون ترشين مبت تعرب كران كي مالات يسع سے معوم برتا ہے انہیں پر پر کے اسے میں تینی درائع سے ان کسب ہے کا عمر تدیبنیا جن سے كون تنفس الأبل ببيست قرارياتا يا أسيف مهرة الارست سيمعز ول متفتر مرة سب ادرامات سين ادر ان کے ماتیوں کو کلی وج البعیہ ق اور نتینی ذرائع سے مسی کا ملم موکیاتنا اس سلے انہوں نے بیست سے انكاركي اوربيه من كشده معزات في بيدت تونجي دي اورشرليب بي بي سب، ينانير --مرست المم ونعتيب المم مولاتا على قارى دحمة الشرعيد فر لمستريس،

يبنى المستنب كالمحسس باستديرابها عسب كر كافرسيانول كالميرنبي بوسخة أوراكرمهان بيسن سك لبدكا فربومًا سئة توده معزول بوكيا اداس طرح بوست وأكرنما زاكرنما زكى تبيين ميور وس اُدراسی لمرح ده بیوست کاملی بریاست تو وه أسيف عبدوس معزول موجيكا.

وكبجه محواعل آن الامامة المتنعف أيستافيرة لتوكزة عليادالكغر إنعسنزل وحصكيالوشوك إنشامشة العساوات والسدعاء اليهرأ وحشذا البدعة

(بَوْقَ شَرِع مُشْكُوة ي مِدُلِ)

. مین کسس پرفوش موکاکرده کرس اقتدارسے انگ برئیاستے یا ماتہ کمسئین اسے زبر کستی علیمدہ كرك متباطل مالخ تنفس كوابنا مربراه كمكب بنائي وس کے لید فرانے ہیں :

مینی ا*گرمساز لسسے ہوسکے* تواسیے سربراہ كمحظيمده كرسكي كسست مالحضخص كومستدراه بنائير.

وَجِبِعِلَ السلمين تَعَلَّمُهُ ونسب (مام عادل ان أمط نهم خلاب رع ، ملك)

ادرامام بدرالدين مين رحمة النوايد حمدة القارى و المم ابن مجرحسقلانی فتح الباری بس فرات چير: مینی ظالم مرزامول کے برسے میں علام فيعدسب كالمحكمي فتنه اوطلم وزيا وتى كے لبير انس المرور المكن بولا انس الحده كرا

السنيى عليب والعسكساء فى أمسراء الجؤرات إن شكرك المستلفة لغسير تستنة ولاظسام وكيث

(مرقالمة ري ١٤٦٤ مرفوا ونتح البري ١٤٦٤ مسرك من مودي سبع يهال در المليمين ك ايمد مديث سنے حق ك شرح مصندر بن قل قل توكيكيسنے . وُہ مريث يسبُ — " دان ننازع الأمراه كم إلا أن تروّاكنو ابواعًا عندكم من الله نب برهان "- ين منود كرم تل لنواكيرة تم سنه ادمث وفرا يكرتم اس دقت مردا و ملکت کی نافرمانی نزکرد جب کمک کروه اسیسے کھے کا وصعیب سے کا تایہ ارتکاب زکرنے تھے جرکے كغرومعيدست بوسين كا تهاكيكسس خلاتعاسك كا طون سيدوليل موجوسيك. محواجب مرداه محكة أسسا مرسيك كملك كغروم صست كاعلانيدم كحب يا ياجات جس كخرومعيدين بوسن يركآب، ومنست كى دوشنى بى دلىل موجود بو تولىليد مربراه ممكنة كؤمينا نا اورا ئ ك مول افران مزدى سرُب سدچانچ الم مسين دمي الدُمن سنديز پر لمپيندک نافر ماني کوسکه اس معربيث پر عمل فرمايا . مدریت مطنط کا کواسب کسی اوک جویزید کوامیرالرمنین کے خطاب سے زازنے برسنے پر ایان ولتین ہی رکھتے بي ادراس كسيد ين انبين كسن مذكت فلوستيك كروه أسين اكيس موم ومعادة كي بنديب کے جنتی ہوسے میں ڈٹٹک کرسکتے ہیں گر زمیسے ایسے میں نہیں۔ ان کے کہس نوکا موجب ومامل أيست مديث سنه بنصيرا ام مخارئ لإ الوزيدة معنونت ام وام دمن الذعنها سعد دوايت كاكرأ تمعنرست متى النعوير وتم سف ارمث وفرايا وجركا وموعقديه سب أقَل جيش مِن اُمَّيِنَ يغزون المميري أمّت كادّلين مثر ومشرقع مَسَالِينَنَةُ تَيْفُرُمَنَعُنُورُكُهُمُ اللهِ المُسَاكِلِينَةُ تَيْفُرُمَنِعُنُورُكُهُمُ اللهِ المُسَاكِلِينَ المُعَادِرِكِ المُسَاكِلِينَ المُعَادِرِكِ المُسَاكِلِينَ المُعَادِرِكِ المُعَادِرِكِ المُعَادِرِكِ المُعَادِرِكِ المُعَادِرِكِ المُعَادِرِكِ المُعَادِدِ  المُعَادِدِ المُعَادِدِ المُعَادِدِي المُعَادِدِ المُعَادِدِي المُعَادِدِ المُعَادِدِ المُعَادِدِ المُعَادِدِي المُعَادِدِ ا (مع ایم ایم است) سكتى بى كى كىسى جادى يريد شركيد كو قيادت كرداً قا اور مريز تيع تسطنطنيد ، يزيد ک تیادست پرکسیدنا بن حروای میکسس و این زبیروالیسید انصاری اسلیداکا برمی پرجهاد کرسیے

تے جب بریدکی تیادیت اسلے مماہر سے تسکیم کولی تراسس کی کیا شان ہوگی ؟ ادر وہ مدیرے کا عداق بوكرمغفورله ومنتى بؤا.

مهسركا جواب يرسبك كريرنه واست مما برحفرست مغيان بن حونس دخى الندحزل تيا وست بس سیکے سنے پرزید کی نیس ۔۔۔ بینانچہ امام بررالدین مینی عمدۃ القاری مستسرے نجنب ری میں

كخالى برزيسي كرلوك أكارمحاراس سغیان کے ہمراہ شتھے پریربن معاویہ کے ممراه ندستنے کیوبحہ وہ اِسس کا اہل نہ متا کہ يركا برمعت بهسس ك خدمست ين بيستے

الأظهرات لمثولامالسادات سن العمابة كانوا مَعَ سُغياتَ هل ذا ولسر بيكونوا مع يوبيد بن معادبية لإنه لسعر پيسڪن احد لاأث يستحوك حسوكام

(37/192)

الأرمهاب سندكها كراسس مديث بيرجهال مضرست ام يرمعا ويركى منعبست فابست بوتى سهٔ و بال یزید کی منعبت می معوم بوتی که وه مدیری بی مودومنعزر می کامعداق بو کرمنتی قرار يا است. منارى سي من وكالمسلط العرام المس كى تزيد مي في التي .

کئیں کتا ہوں کہ کہسس میں پر دیسے سیتے كايسى منتبت سنب جبراسس كامال

ق المنتبة كانت ليزيد وحالية منهود (محدة المارى عمام الميلا)

مديث كوم كالمين من واست ين كريزيد كسس مي ثال بى نبير كريو كوشنرى مشروط برخاتر عل الايان سنه. الدسيان من دينول في الديك كس واخل بوسف الأم

نبین آنک دوکمی دومری دلیل فاص سے ذکاتی ہو کیونکہ اہل علم کاکسس پر اتفاق سبے کہ صفور کا ارسٹ اومغور کھم اہل مغفرت ہوسے دالوں ہیں سے سبے حتی کہ اگر کسس خز دسے والوں ہیں سے کوئی مرتد ہوجا آ ومعاذ الندی تو کسس حموم میں داخل زبرتا تو بہت جا کہ مغفور کھم سے وی لوگ مراد ہیں جن میں مغفرت کی سٹسرط بائی کبائے ( لہذا یرزیہ خارج ہوگی )

المسالعمم الله عليه وسلامه خاص اذلا يختلف المسل العلم المن توله مسلم الله عليه وسلم مخفور لهم مشروط بان ويت وزوا من المسل المعفوة حتى بوارمند من المسل المعفوة حتى بوارمند ولحد المسمن منذا هالم مي وخل العمل فن ذلك العمل اتفاقا فند لحل النالمواد مغفول بمن وجد شرط المخفوة نيه منهم

دفتح الباری به مریک و عمدهٔ الغاری به مرافی و ارشادالساری شریخاری به مرافی و مرافی و ارشادالساری شریخاری به مرک شری عقائدیں ترعلام تفازانی موازم ترشیخے بزیر فرپنید کر طون و کا فرقرار ویا سئے ۔ اور بہ تامنی ابوالعلی اورا مام احمدین منبل رحمہما الشرقداسے کا خیال سئے۔

الغرض مغرست المام سین دین النّدونه ادر یزید لیب علیه العیرک درمیان برجگسبه بی النون میری النّدونه ادر یزید لیب ملیه العربیت کرنے ادر الله مسل بی المام مثل پرستے اور یز بی مبخست باطل پر تفا —اور کسس کی حابیت کرنے ادر الله مبنی قرار دسینے والے حقرات ورامی فارج بیت کے والی ہیں ۔

## المنت وجاءت محقین علمار کرام مها ویرمتن فقها و مثالخ المسنت محقین علمار کرام وحایان بن بن المام و مثالخ عظم کے فیادی شرافیہ تصدیقیات مایران فیمنیفه

تابدارالمبنت مجهد طنت مائی دین فار ترابیت ایم المحدین دارتا دا افساری تطریخ با در این از در این این در این این این این در این از داد در این از در این از در این از در این از در این این در این در این این در

44

بِمُلِلْنَالِمُ النَّالِمُ النَّلِمُ النَّالِمُ النَّلِمُ النَّالِمُ النَّلِمُ النَّالِمُ النَّلِمُ النَّالِمُ الْمُعِلَّمُ النَّالِمُ النَّالِمُ النَّالِمُ النَّالِمُ النَّالِمِي الْمُلْمِلِمُ النَّالِمُ النَّالِمُ اللَّلِمُ اللْمُعِلِمُ الْ

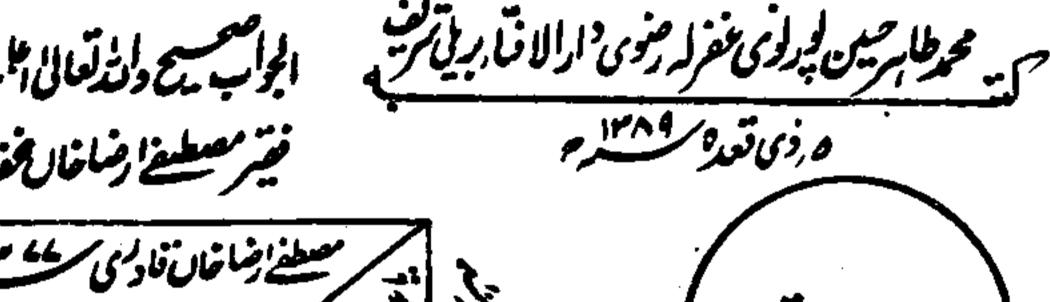
ا ـ بو تخف مولا على كرم الله وجهرا كريم كوصديق يا فاردن دمن الله عنها النسان الله عنها الفنال بنا كراه او د بد ندبت اس كے بیچیے نماز مكر و وقتر يمى واحب الاعاد و جه البه كوانم بنا با كناه و الم بنا يك با بنا كناه و الله منا بنا كناه و الله منا بنا كرا منا بنا بنا كرا منا بنا كرا نا كرا بنا كر بنا كر بنا كرا بنا كرا بنا كر بنا كر بنا كر

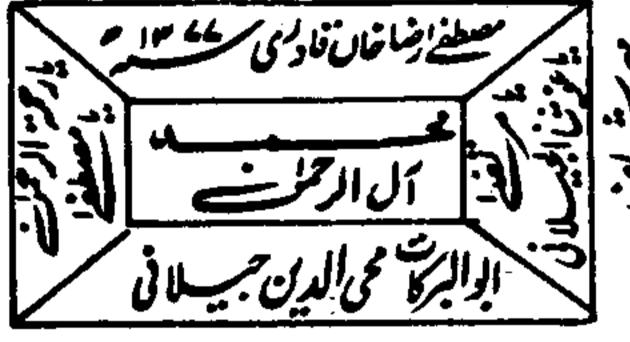
جمنه به که ده صورات رسل الله تمالی طیه وسلم کیسائد بغض ب ایساشفس رانفی ب اگرجایس خلفا رکوها نے اور این ایپ کوسسنی کیے مثلاً صفرت امبرمعادیا وران کے الده جرحفرت اب مستعبان اور والده ماجده صفرت مرفوه ای جاری جفرت بست بدنا عروب جاس و صفرت مغبره بن شعبره صفرت الومولی انتعری مینی الا منهم می که صفرت و متی دمنی الا معز جنوب نے تبل اسلام

Marfat.com

تفرت بيدنا مسبيد للتهادم وصى الأمن كونهيدكي او تعداسام اخبث ان م سياري ملون كوجنم والملكيا وه فود فرمايا كرتے تھے كريس في خيرالناس و شرالناس كوفتل كي ان مس كمى ك ثان بي كسناخي تبراسي وراس كا قاتل انضى اگر بيرصرات يبين مني الأمنها کی توبین کے مثل نہیں ہوسکی کر آن کی توبین مجران کی خلافت سے انکاری فقہا کرام کے ذویک كفرب دبها دمشدل بست صرّاق ل سيه } اس سے ظاہرے کر حزبت ابر معادر کو فامق کھنے والا كيهاهه والأسك يجيف أركاك يحمه والأمل

فيترمصطيف لضاخال





عزالى زمال ارى دورال استداذ المحرثين والمفسرن مولامات احرمورثه المصاب كالمى بتم ررسه عزبه الواراس لوم مثان وبن الحين المين الماليكا فنو کی دازبهادلیوا

- شیمی*ن کمیین سب*دنا مدان اکبرادرسبدا عرفادق رضی الأعنها کی تعنیل جمع صحاركهم ومنوان الألعال عليهم البين بالمعتقب المعتقب المعتقب الم معيده كا منالف مسنى نبيل ہے . اس كے اس كا اقداد اسے الم بنا نا انجى جاز نبيرے

a 🕍 🤻 i 🗗 ka i a i

- مسترست ميرمعا دبريضى الله عزكومعاذ الله فاست كجين دا لا مركز مستى تهين نهم معايرام ببهم الرحمة والضوان بالاتفاق المبنست كے نزديك و اجب الماحترام بس اس لئے ابے تنعض كانتدا ومعى درمت نهيس-التُدَمِ السَّا مِنْ اللَّهِ عَالَ بِرَحْمَ فَرَائِحُ \* أَبِينَ !

و اگرت مودول در

الم البسنت استاد المحدثين ولمفسري مفتى عظم بايستان مولا بالوالبركات سيداحد صاب حزب الله خاف البراك فو کی دادلابو)

الجواف بوالمون للصواب

ا \_\_\_\_ بوشن صنرت على كرم الندوجية كومصرت صدلي اكبراد رغمرفارت ومنى الأعنها يره نبلن بياجه ويغيل مشيعه بيئه ضال مشل كمراه ادركم إي بجيلانه والابت : بركز البنت سينهي سالي المنتعمل والم بالاركز واربس المسب ويشتمن معرت البرمعادير منى النويز كونات كتاادران كومطون كرتاب دجود ناس ب اس کوام بناناگ و ب اس کے بھے نماز قرب جرم اورد احب الا عادہ ہے وہ تنف لمبنت وجاءست نبیر کی کورسالت اکب ملی الدعل وسلم نے تمام صحابرکام کے بارے ورفراب اصاب عالغوم فبابعم اقت بيتم احد دينم برس سار معمارتاول ن مدین نم ان بس سے مسل می افذا کرد کے راہ ایب بوجا ذکے برولا یا

Marfat.com

ترجمبر مبرے صحابہ کے بارے یں ندے ورو میں میرے بعدان کو افتار نزبانا ہوان کو درست رکھتا ہے ان کو درست رکھتا ہے وہ میری مجست ان کو درست رکھتا ہے میری ہے اور جوان سے دشمنی رکھتا ہے میری دشمنی سے ان کو درشن کھتا ہے میری دشمنی سے کان کو درشن رکھتا ہے اور جوان کو ایزار

بغادم المديث والعلوم حزب الاخات

الله الله الله في المعابى لا تعدوم عسوسا من لهدى في الحبيم فيعب الحبيم وَمن العضائم في غضى العضاع ومن أذ يلهم فقد اذى الله ومن اذى الله فيو شك ان ياضف لا

دیا ہے وہ بلات معے ایزار تا ہے اور جمعے ایزار ذیا ہے وہ بلات بندا تعالیٰ کو ایزادیا ہے۔ اور حواللہ کو ایزادیا ہے عنقریب اللہ اسے کوٹے کا یہ

مضرت علامه فهام محق المنت محيم الامت محال المعنى احرير المعلى المرات على المرات على المرات على المرات على المرات على المرات عنى المرات على المرات عنى الم

بر اصرت فی کرم الله وجر کو صرت الو کرمدین وفادی الم دنی الله منها سافنل باند یا مسرت ابر معادر دن الا منها سافنل باند یا مسرت ابر معادر دن الا کوفاش کهند دال این مالک به دن اور نبویسی فال القیم کرد المسنت

Marfat.com

ناموا ہے الیے خفس کو فرا المبنت کی مبی سے طبیرہ کو یا جلت اورکوئی ممان اس کے بیجھے نماز نہ رہے۔ الرام سے لائے میں قور می کرے قرز الل اغبار دکرد ملک مخربے کو اور بینفائہ بالکل انفیسوں کے میں کو بین کر میں المبنت کے مقید سے میں معمار کی قوبین وگستانی نہیں ہے دکوئی مسلمان ان جوائت کرسکا ہے وہ خفس الباعتیدہ و کھے دہ رافض ہے اگرچہ وہ ادر اس کے حواری اسے مسلمان سنی سمجیں

والآومول على الجراب يجيع نعتراممرا عاد فعمی فيتراممرا مارود فعمی مجرات باکستان

مغتی اندار مراصفی دار العلوم نوزیدیمید مجرات مغرب اکستنان مین سیاسی

(4)

ام المبنث محدث بالتاب صرت ولا الراح صاحت و حرى محدث المبنوك المعقق و قت عام المعقول والمنقول تناذ العلما برصرف مولا المغنى المعقول والمنقول تناذ العلما برصرف مولا المغنى علام بروك شبخ الحدث معرض بيكا معلم و مع مرا (ازلا بلود)

البرده والمرفق للصواب

ا — منران انبیار کرام بیم اسلام کے بدارت کرکا صرت اوکر العدیق می الاً ورا کی نعنبات اولہ براتفاق ہے انعنبات مشکک ہے جس کا افل ترین فرد صرت مدباق اکبریں میر مجسب المرات دی ارب خلافت ارب و بنی المدون می برنسل حرت علی کرم الدوم برمی ختم نہیں ہوتا کی اس کا املاق دی مخت ان می اگرام دمنی الاً منہم بریمی مؤاہد کو حرت ملی کوم اللہ جربی اکل اس کا املاق دی مخت می اور مندان بی اور صف المربی افلات و اور فضائل میں افلاق میں مواجع ا

لے امن

سنبرك باعث ولان تصوف مي مراتب نفوي كي مكان تصى كے فرمان كے متبرا ہوا ور مدبرة العلم كم كما لمات علم كاأب باب مفتوح بس مركز إي بمرصرات شينين ب مفعل لع بل او ای بامن صغیر کا انفاق ہے اس کے رعمس مقیدہ رکھناتینے ہے اور محض صلالت و کراہے الساشف الرئز مركز ستى نبير اورمى المسنت وجاعت كى مبيدى امت كے فال ہ ليصنف كوبركز بركز سيتون كالم دنيا ياملية ٣ ---- يعترمن المرمعاويرمنى الأعرز عادل تعدّ اورصالح صحابي سروركا ثناست مسل الأعليه وسم كركم أب كي صبقى بمتبره م مبيدين الأعنه المتب أب بهت ترسه ملم او يخهر معالى بب لبسبط موركانات مس الأطبروسلم في دما فرائي أب كي ننان بير كستناخي كميناد آب كوراكهنادفض سع السائض وأب كوراك شبعه مده وه مركز مركز سن نبيل سے س کے پھیے ہرگز مرگز نماز مزیری میلئے اسے ابنت وجا دست کی مسجدی برگز مرگز الم در کھا صلنے والسٹ جو رسولہ الم غلام سول غفراني دري منوي مَى عِامِعُرِ مِنْ لاك لِيرِ ١٩٠٨٠١٩ اشا ذالعلما علام فالدحم فنى عظم كيسان صرت لاما فى محمد بل القادى البركان بهتم وضيح المديث العدم جس أبر سيد كيد الدين المعلم فتزي - بعدا نبيار دمرسلبن تمام نحلومات الني اسس وين و ط

Marfat.com

العبديخيريلض العادري لبركاتي



فيها المرمولانا محدورال معاصب مى محدث المبرورى كالمحدولانا محدورال معاصب مى محدث المبرورى كالمحدورات معاصب مى محدث المبرورى كالمحدول المنطق المبرول

الجوار اللهم الجعلى النورو الصواب عال خارج مرست قادرى صاحب مطليم السلام علیکم و رحمهٔ اللّه و برکانهٔ
المبنت و جاعت کا یعتبده اظهر می است که صفرت او بکر صدیق و عرفان ق رض الله
عنها بعدالانبیا دوالرسل افغیل البشری اور ایران بی صفرت معاویه بن الم سفیان و می الله منها صحابی
اورد اجب الاحترام بین ابذا ای کے برکس عقده رکھنے و المدخف کے پیچے سنی کی نماز مکوده ه
تخری و اجب الاحادہ ہے واللّه تعالیٰ الم مسل اللّه تعالیٰ عل سبیدنا محدوعل اکر و صحاب د بارک و م
حردہ الوالی محرفورالنّه مسبی خوار مناب می مناب می مناب الله می ما بیول

المرا العلم المحال المعلم على صاحب مم مم العلم العلم المعلم العلم العلم المحال العلم المحال العلم المحال المعلم المحال المعلم المحال ا

بسلطه لتصنالت ين

ابوا في المون المصاب الزوجه كوصرت الوكرمدلي وعمرفادق من الأعنها انفل مجه يا حضرت الوكرمدلي وعمرفادق من الأعنها انفل مجه يا معنرت البرمعاديه بن الم مسفيان ومن الدعنها كورا بنائد ان سه برعتبدگ ركع مرد وصورتوں من البرانتون فامن ومتبدئ سها ورابط تنفی كوام بلانا كمانه سے و بونما زاس كے بچے بڑمی مبلئے ایسانتون فامن ومتبدئ ہے اورابط تنفی كوام بلانا كمانه سے اور بونما زاس كے بچے بڑمی مبلئے له متبدئ بین بری اورالم نست خارج

وه كرده تخري البياله الماده بول في منه اهو الحكم فى كل صلحة اديت مع كراسة المسلمة اديت مع كراسة المسلمة والمسلمة والمسلمة المسلمة المسلمة في ولك متواهرة واذكر البعث لمبية الماحة

(1) \_\_\_\_\_ الأرم كوسيني بالكيفيل كاتال مبتدع به نائ بلد ووم مدوم مين من المرافض ان كان مين بالكيفيل كاتال مبتدع في على المان مبري غلط في الوى المحاف الوى المحاف الوى المحاف الوى المحاف الوى المحاف ا

الم المرابعة المرابع

الوالسيبان علام على عفرله

نهادم الاذ مار دربر لجامعة ألحنيف اشرف المدارس أدكاره الامتر والمواقلة

ابن مسے آگے ) کو اس نے ان قطعیات کی عالفت کی ہے جن کا دین سے ہوا بالبدائۃ معوم ہے اس کے ریکس جب وہ مضرت علی کو فعیدات نے یاصعابر کوام کو را کھے کہ وہ برین اور است خاری ہوگا کافر دیم کا رہے ہوا کا اس کے ریکس جب وہ مضرت علی کو فعیدات نے یاصعابر کو ایک فودہ استی ہے اور برعت ہے بالاتفاق محر جب وہ اس بات کا استحاد رکھے کے مسمابر کو کرا کہنا جا کہ نہا ہے اور برا کی اس بالبری شامی معابر کو اس کے افران ما بدیں شامی معابر کو اس کی افران ما بدیں شامی سے ایک فران میں ملاز قاری سے نقل کرتے ہوئے اس کی تھری کی سے سے اس کی اور اس کا مرد کے اس بابر کہ اس مقدم اس کے کہنا کہ اس کا مرد کی کا مرت کر ہیں ہے تھے اس کی تھری کے ایک کی اور می کا مرد کرا رہ اس کا مرد کرا ہوں کا کرا ہوں کو کرا ہوں کو کرا ہوں کے کہنا کہ اس کی کرا ہوں کو کرا ہوں کو کرا ہوں کو کرا ہوں کو کرا ہوں کہ کرا ہوں کو کرا ہوں کو کہنا کہ کا مرد کرا ہوں کو کہنا کہ کرا ہوں کہ کرا ہوں کو کرا ہوں کو کرا ہوں کو کہنا کہ کرا ہوں کو کرا ہوں کو کہنا کرا ہوں کو کرا ہوں کرا ہوں کرا ہوں کو کہنا کو کرا ہوں کو کرا ہوں کہ کرا ہوں کرا ہوں کرا ہوں کرا ہوں کرا ہوں کو کہنا کو کرا ہوں کو کرا ہوں ک

فال بيل ما منيل مقتى بيد عديل مقتى محراعيا دالوس بين المحالة المركان المركان المرك

بسمان المعن الحسيم المجولب

ا ---- صفرت سركارسبدا الوكرمدين وفى الأعداك المستوليدازانبيادد مرسين موادلة تطعيد في يناج الموجم المراسك المستديم المرجم والمراسك المستديم المرجم والمراسك المستديم المرجم والمرت المردم والمرت المردي الأعنها المستولات كائن مت جدد كراركوافضل تباست والمهنت سينهين فائت منال بداسة الم بنان حرام جرام جرام المنت حرام بهد المنت حرام بهد المنت المراسك المر

بالمل دنامار وحرام ب الميعون خلفه اصلاك

الأصل الأعلية المراح فالله تم معاذ الدّركر البرالمومين معاديرض الله عدص الرول الأصل الأعلية المراح فالله عن الأصل الأعلية المراح فالمراح فالمراح فالمراح فالمراح في المراح في ا

والنترتعالي ومولرا لأعلع عبب فم احانة شرعاله فيترفا درى محراعجا زالضوى خادم الجديث ارالعلوم حامع لعانبه لأمور 19 رمضان مسيوح عن العابين ساد العلما علامة الدمولانا علام جهادك صاعبي معنى بي الحالية والتقبيرا مصيبته وره عارتحال عهرضى الله عنها كم بذأ نغيبل على كرم الله وجهر كاعتبد وكحصة والاالمسنت ببير ب لهذا الامست كم محمى لائن نہيں سے

رسے آگے اوّل مذاعند الامام مالك وعند الامام احرف وا بتدعنه اماعند ناوعند
النافل رحمه الله فجوز الصلوة خلفه ع حواصة تحريبية وكل سلوة ادب مع
حواصة تخريبية فجب اعادتها فتبين بهذا ان ما ادعاة الغاضل الحبيب
دامت بكاته من اجاع الاسمة والفاقه على علم جواز الصلية خلف مذا المبندع
المنفس بلى ف بق عن قله وسعو فقاع فلام مورقادري منوي معطفوي ميدي في عد
المنفس بلى ف بق عن قله وسعو فقاع فلام مورقادري منوي معطفوي ميدي في عد
المنافل عن مقدم كرف في المنافل على المنافل المناف

المسس تام معابركهم واجب الاحترام بي المفوص منرت ميرمعاد يرمني الأعرض الأعرض الما ويسما المعنوض معابرك المنت معابرك المستماع المستن من المعنوب المعترم بين ان كالود وكر معمار كالمستناغ المنت سينهي بوسكا اورزوه المتناف المستسب

وعاكم فيترغلام جهانيال معيني خادم الحديث عامع معتبير ويره غازيجال سهر دمغنان المبارك مستارم

رسم الأارمن الرسم الماج مولوفت للصوب الماء من المادة الماء الماء الماء من الماء الما

ا ---- اجاع صعابه دضوات الله تعالى عليه اجمعين حزت الوكرمدين وفي الأعمد والمعلى الله تعالى عليه المعين المراع كالمرشد ومن الأعمم الجعين المعام كالمرشد في المراع كالمرشد في الله من ذلك.

مل --- مغرب معاور دمن الأعند كم من قب ملم النوت بي ان ك شان بي كنا في كرنا الرالتزم كغربين ولمن معاور دمن الأعن ومن الألم من الرائد الم كغربين ولمن والمل مزور بيط معزب اليرمعادية بن الى مغيان ومن الألم منها كم بارسيمين ركب المرائب ول من منها كم منها كم بارسيمين ركب الأنهول في معنوت المرابع المرابع بياد يكر المبيت ومن الأعنهم سع

اله تم معادید منالدوزی کستانی به کوان آلک الا درخ بی یا که یون میال در الصرت معادید منالدوزی کستانی به کولازم الدید

وَثَمْنَى بِالنّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ 
(۱۲) اسانهٔ عالبهم العارفین صرف الایرسیرم برای شاهی الایرله الوان شرف کا و معمر ا

وادگواره شراین، راداندی

ا ـــ نفغيل شيخين من الأعنها بين المسنت وجاعت كامك به بياكرش فراكر مسترع بيقائد أورنبول وغيره منا يُدالم منت وجاعت كاكابون وافع منا المرست مع فلان كرف و لامبترئ به معبس كالم منت مكوده بدالبة بعن جروف الم صفرت ميزاعلى كرم الله دجه كخصوم أيات سد جي مثلاً مشرف لنب ، قرابت بالمبتى معلى الأعلى وم الله دجه كخصوم أيات سد جي مثلاً مشرف لنب ، قرابت بالمبتى معلى الأعلى وم المرسلاس تعوف كامرج بهذا وغيرا يفغيلت كليرك منان بنين جرصة من الأعلى ومن الأعنها كمك لله بين جرصة من الأعنها كليرك منان بنين جرصة من الأعنها كمك لله بين المرسلة من ٢ \_\_\_\_ كم معانى كا تغيبت وتوبن مسكك المبنت كم فلاف اور بدعت تصوما

الدين الأسطر وميرع مارك الدين الوواد كهوس فاس كنا

اسب بعدازا نبیار و مربین تمام علوقات الهی انسس دین و مک سے افضل مدین اکرمنی الاً مین الالاً مین الاً ً مین الاً مین الاً مین الاً مین الاً مین الاً مین الاً مین الا

الم ميردكرنا للعدوسين

مسيد وولى قادرى درى منى مرانوا العلوم قان ٠٠ د مردم

امامت احارسيط فقط والأعلم مشتأ ق ليمرم رم الوار المعلوم ملتان

مبكاتفنيل وصنرت البيمعادية منى الأيون كمتعلق صنرت الم المبنت بغزال ذال علامرسبيد احرسعيدما حب كأفى المت بركام العالم إور يركاكا رطما المسنت وجاعت بوكير مخروظ ياب دە حقىسے اورفقىركا بىي مسلك سے فقط

نبأ زمندغلم مسطفة وموى يجيدى كمرس مررانوالعلوم تنان

سلساها لبقتن سير تتعظيم أمنا حضرت على مولانا حاملي خال بين العرب لتقنير مرتض المعادمان

ورواح المران الرانان)

\_ المبنت وجاعمت كااجاعى عيده سے كانضليت خلفار المرشدين برزتيب خلافت ہے \_ اواصماب سول كريم مل الأعليه والم كل مدل بي منزت ايرمعاديه وفي الأعزى ممات ملم والرسيد والمحاطرت مرسا ومعاويه كوالدين اجدين منرت الومنيان ومنرت منده ك مما بيت بم مورد است بيد الوهن ال كانتان م ديده ومي اوركستا مي ك ادرمزت ل كم الأولا مے وہ المنت سے خارج اور مدعی اور رافغی سے اس کے بیجے نماز فرصنا جائز نہیں ب ملاركام في يروي كورفرا بسي مع سه فقط دالداملم حرره حامد على خا ں حيين احد مدرسس مردمه اسام مغتى لأبرانس لامبرخيرالمعاد خيرالمعاديورى سنة متان مشعهر بودی سرائے متان مشتہ مريع ببمظم العلم ولن وازه من الصحيح الحريث ولا المحرت ليساك تبم الذّارمُ الرحيم الجوكب --- معنرت الجرمدليّ وعمرُفارِه في افعيلِسن تمام صحابرُكرام بِالمِبندّ وجاعث ---- معنرت الجرمدليّ وعمرُفارِه في افعيلِسنت تمام صحابرُكرام بِالمِبندّ وجاعث كحاجاى متيدهب نفيلت ترتيب خلانت كم مطابق سے لهذا اس كا غالف المبنسط غارج سيتكما في مشرح العقائد. - معنرت الميرمعاديرُ ان كرد الدا م معنرت الومفيان ان كى دالده ما مده معنرت مزد وديرجيع صعابركم من اللعنهم واحب الاحترم بن ان كالعرام ايان كالمعترب انهي راكين دالاالمنست فادح سے اوراس کی امست مام زیعے۔ نقط خادم ماعم ومورينط العلوم لمان ميدمحدم برالأشاء منوئ مم مدم انوارا لإيزار منان

Marfat.com

مررح أنيرمناك مهتم مفتى عبالكرم مكناني رحمة الأعليه كعيان مفتى محرع بالتكوما رمتان) رمتان) \_ صرت الوكر وعمر من الأعنها سي صرت على كم الأوجه كو وشفس افغنل مجع - اور وشخص صفرت امرمعادر ابن الى سغيان وشى الأعنهاكورات تے وہ المسنت مينهي المبنت مقتران كاام مونا اس كانا ما منسه من اصاب نقد احباب محد والتشكورات في عن عن بحكبب لما ف عزيز الأعفى عنه مدمدس مرنعانيات كشهر ارثوال پاکتان مشہور میں بہا ماہ طبیب کے مرفال بال مرات مولانا الوالنور محرات مرسات كولى لومارال كا وسياتون، صنرت الوكومدين وعرفاروت ومي الأعنهاست حضرت مولاعلى كرم الأدجه كوافعنل مجعن اوم صرت البرمعادين الماسعيان من الأعنها ياكى و وسعمالي كي بدادل كريد ياان سے داعتيره ركه والانتم كاوسه اورسلك المينت كما الرفال فالروه ابيت أيب كالمبنت كهاست كو

Marfat.com

يراس كالعيهد ورمل وكمشيعادر الفنى ب ليتنف كي بجي نمازم أزنهس ب نقط الوالور محدسب بررير" ماهر سب کوئی واراں دمنے سسبانکوت ، ١٢ رشوال مجمعيلهم ر ما بغاد روم بالار مفتى صرب الامولانا برخمدال بن است المساري

- مغرشت الوكرمىدليق وعمرفا وت منى الأعنها سيص خرست على كرم الأدجه كوافعنل بتسفة الانتمن بركزا لمبنت وجاعت نبين كلكراه وبدندميت اس كوام باناك ه ادراس كي بيجية يصيم وي تمم تمازو لكا عادة واحب سيد تشرح فقراكبريس الاعلى فارى امام الو منعوسي نقل كريته بي مح أكا برشوافعسي بي انهوں سنے فرايك المبندن وجاعت كاس ير اجاع والغاق بهد كرسب محابه مطافعنل مغرت الوكرمدين بين بير مرمع عثمان بجرعل مني الأمنهم بين بمغرشت كم من الأعنه كومغرش الجروع رمنى الأعنه سيافضل مجين والابول كر متبدح أوزاس في العقيده بالمال كالمي بيجيه نماز محوه تخري أو والب الاماده بعيا كخنيه معنيرى مزاتى ولخطادى ادرد رمختاري سب والأظم -- حزرت ام رمعاور دمنى الأعنه كوراً تباحد الامي المبنت سيركراه ادر بدزريم.

الم عدفت العبارات الى بها الجيب يعتد القالم أبرس خوف الطول

سعمام بانان وساس كي يحياز برمنا ماننبس فقاكري ساكم معاركودكون سع يادكرنا جاسية كبزكوا تخنوت مل الأعليره لم فرات بي جب ميرم محابركا ذكر است أوانيس بركهنسه بازأوي وبسه كوتم وعلى مكت بن كرا مخسرت ملى الأعليد والم ككل صحابه عدول (مدل ملك) بن الله تعالى في مسك من تشكا ومد فرا باس وكلاوعد الله الحسن

معتى متدمحد العلى حبين تناه ففرله مغتى بمعداد برمنويه لاستسب ليور ١٤ رشوال مهم سلوم

مرمرابيراج العلوم خال اوركا وما يرمن رمايل

بم الدارمن الريم المجلوب

شرلعبت محدبه كم زديك صرت مول على م الأدم وكوصرات معين من الوكر صدين وعرفارت رضى الأمنياسيا فعنل اعتماد كرسف والابعى كمراه أورا لمسنت معارجه جائخه فأدئ فالمورخزانة المغين فسنشنغ المدير كمشبرتبين بمح الانهز شرح عقائداور العادم المسلول وفير فاكتب كميروس وامنع سيد لبذا اليشنس كم يجيد نماز بحوه الخري اور واجر الاما ده سعمداكر درمخارا ورفيده فيره معسيد

وسن مرس امرها وبالاستفيان ون الأمنها اكم معانى رول مل ات

طیروم کے فن میں بداوی اگستنا فی اور سینت می گئے ہے مواسسام سے فاری امراد ر واجب الفتل ہے جیا کہ شغار قامنی عیاض ایا ت قرائے واحا دیث نبو برصحا برکام کی در شنا میں بحرت وار دہیں ان کے باوج دہوان کو برا کے وہ بدا بیان جون اور ذات اک مذاب کاسنی ہے۔ اس کی امت بال ذاجا رہے مزیر تحقیقات مطولات بیں ہے ، فقط ،

حره الوالاسسن محدمن راحد مد مدرک مدرساره العلوم خان لور هدر شوال مومسلام هار شوال مومسلام الجابيع الجاب فيه ماه الجاب بي الجاب فيه مافعاً مراح المراع المراح المراع من المراح المراع المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المواد المراح المراح المواد المراح المواد المراح ا

ملساعان مند میری عظیم شدخ مار با در مولایا نام محان است ار ملسله اینم شند کے علم برخ عاربالد مصرف علام محاذ ال الاست رو نقشبندی عزفوی کا

رعز في افغانستان)

استفتاء

الاستغناء ، مجضرة العلم عددة مشائخ المانالمشيخ المولى غلام احدث الاحراد النقشبندى دام اقتبالهم

السلام عليصم ودحمة وبركاته

الما الشيخ ما تو ما الشرافي فيمن المصل مولانا ومول كل من آلمن بالله سيدتا على الشيخين الكريميين سيدتا الميرالمونيان

اله زور استفار مخدمت على مقوما الحلال والفلائد ما العنزي م الالم ران مرر)

الى بكوالصدين وسيدنا اميرالمؤمنين عرالفادة ق الاعظم دخى الله عنها المه وبيسلم الله يحون اماما لاهل السنة والجاعة ام لا المست وما قولكم التربين فيهن يب الامير معالوية بن الى سفيان دخى الله عنها وينقصه حدل هومن اهل السنة والجاعة وهل بيسلع ال يومهم الملا عنها وينقصه حدل هومن اهل السنة والجاعة وهل بيسلع ال يومهم الملا عنها وينقصه حدل هومن اهل السنة والجاعة وهل بيسلع ال يومهم الملا معنى مدرسه الوارالعدادي

بم الأالم المراحم - الجواب والحنطاب المستطاب للسوالين المذكو بين في الاستفار ان من فضل عليا رض الله عنه على الصديق الاكبر والفارق الاعظم وضى الله عنه على الصديق الاكبر والفارق الأعظم وضى الله عنه حسن عنهما ولايستى من الله تعالى في ثنان ستيدنا المير المومنين معاوية وضى الله عنه حسن

اسے اکے اسکام علیم در حمالات در کا اللہ ای من کے برسے میں کیا فوی ہے جمزے وال مل کرم اللہ وجہد کو صنرت الو کرمیدی و عمر فاوق منی اللہ عند ساففیل کتا ہے کیا دہ البسنت سے کیا اسے ام بنا مائز ہے ؟ او اکب کا اس من کے بارسے میں کیا فوی ہے صنرت الم معاور منی اللہ کورا کہتا ہے کیا دہ البست میں سے ہے یا دکیا اسے ام بنایا مہتے یا د؟

اب کا خادم من میر خلام مور قادری منی بررانوالهوم مان در المرانوالهوم مان در المران منی بررانوالهوم مان در المر مدبت و مرحد و المران و الم

يسبه ولنسقه اعاذ تاالله تعالى صدن الطعنقاد الباطل السرافه فعد ال الشخصان خارجان من طريقة اعل السنة والجلعة بلاريب وارتياب وليسا باخلان فى العرقة المناجية فاياك والعساوة خلفها فانهاس اصلاته عقيقة والله لهم ابد لساناً عنداه والحق فاغما مدن يقولون بافواهم ماليس في قلوجهم - فقط

الراقم غلام احد جان الاحرار النقشبندى عنه افغانستان كابل ولايت غزف حكومك تسلباغ ويه اختر خييل صاحب افرا- ١٥ رشوال المحرم ١٣٨٩ م

مناظر الم صرت على مولان عموما الجيم كا

سیدا او کرمدن دو فراد ق من امد و نهای خلافت مقد کا منکواسلام سے اور منرت مل کوم الله و فجه کوان سیا نعنل محیف والا بدوین گراه شیعه بها و رحفرت ایر معادیر بن ابی سنیان رضی امد و نه اکو سب و شم ادر کوای کرسنے و الایمی اسلام سے خارج سے فقط محید و الدی کرسنے و الایمی اسلام سے خارج میں الدیر

محمد عمام وی لابو یم عرم الحرم منوس م یم عرم الحرم منوس

رسہ سے تکے، بوان کے مران میں نہیں ہے۔ بکرول میں تو پرشیعہ میں، فقط دراتم خلام المرمبان احرار تعتبی عنوان السننان کا بل ولایت فرانی،

Marfat.com

(YY)

الم المسنت مجابد طب معنولا معرف المعرب المبين معاص والمت بركاتهم كالمحمل والرادانيذي

( ( Y ( )

مخون اسلام فنهل على مونامنى غلام رس صلى خليفه عارض الميرات الميرات بير محقق اسلام فالما من على على مرس و مربيا بنام الوارالصوفية فضور كا جاعبت على أبهما. محد على إدري ومربيا بنام الوارالصوفية فضور كا

فرق مل رازتصل

ا بیم البینت دم عند کا اجاع دعیده ب کصوری کیم مل الده المرسلمک تام محابری البیار درسل کے بعدتم بن ادم معین میزید الرکومیدی المرمنی الاً عنه انفسل بی میر معنرت عربیم معنرت عنمان بیم محضرت علی بینی انده نهم المبعین ان می بعدم میشره میرایل به بیمر

المامداد معرده معارم بول فسطع مديس المغنرت كدوست من يرست براسلام كعسك إن ما ول کواوران و رمول کی اطاعت بی تابت قدم رہے کی بعیت کی تھے۔ بعیت رضوان کا ہم دیاگیا بصبياكم شرع فقراكبر مشرح عقائداورتناه فضل رسول قادى بدايدن في المعتقدي بمراس كمفيا مِين فالل راي وود المتدعلية في كعديد الله الماع كالمنكرونما لعن بلتى لودا لمبنت سير فارج ب اس کا ماست محدو تری ہے د منعا)

\_\_\_حنرت البرمعاديدمنى المدعن صنوري كريم لى الأعليه وكم كمه ذى قدرصحابي ان ك شان من ازرا كمن والالهنان كوتباه كراسيد اور معون بداكريون سعن ما الجهادي بولى الم وهاكي وابسكمستى بي ال وراكم والاالمستن فارجهاس كالمامت معى المارس فقط الجابيح والجبيب نحييح احترا لعباد فالم ديول كوسريديوا والصوفي فضور فتيمحدى العزية نعتندى كوشيطام احرما تضوي محصفدال تم وابت ب بوميرات ذفي الانكسيم

احترالعباد مسببط لبصعن تشاهقعو

كارى معنيط الرحن

ام المبنت محدث وامرطرت عارف التقبله بيرتيرها عن على شابه صاحب معدث على إيرسيال حرفه المرعلية كم شهزا في معنون مولانا علام بيرستبد معدث على إيرسيال ومرفران عليه كم شهزا في معنون مولانا علام بيرستبد اضربن ثامصارح المقاني تنتندي المركمة

وادهل ليرسيان بسياكوت

الجواب لعون التواب حاسد الانصليام

اسبنا المست المست المست المست المست المالا المست المس

ترکیم مسل الدی است کا الفظیر دسم کا نمام صحابر کرام بدایت کے روشن بیار ادر مجیلت ہوئے است ارسے بیں ، تمام بی بندر بی افغلیت کے الک بیں اور ال نمام کو رف اللہ بیں اور ال نمام کو رف اللہ بیں اور اللہ نمام کو منا کے رف اللہ بین ایسان کو منا کے رف اللہ بین ایسان کو منا کے کہ وہ کرنا ہے سب الرافن بیں ہے جو اسمفرت میں الاطبیر کی محابہ کو بوا کے اور کھے کہ وہ کرنا ہے تسن کی جائے ، بالحقوم صفرت ایر معاور رفنی الادو مناکہ کو وہ خو من کراہ سے وقت کی جائے ، بالحقوم صفرت ایر معاور رفنی الادو مناکہ کو وہ خو بران ہے ایسان منا دور کا می واسم منا ہوں کے اس کو ایم کراہ سے دور کا میں دار کا میں ہے اس کو ایم دور کا میں واسم ایسان ہیں ہے اس کو ایم دور کا میں واسم نہیں ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کو ایم نزد جسوام ہے اس کے بیچے المبنت وجاعت کی اقدار قطعا نمائز نہیں ہے اس

ئے زمرالبنت مجاوت کی نشانی صرت او کر دعرونی اسٹ عنہا کوسی محارستانعنل مجناسے میں سے زرگوں کو ای آباہے میں ایسے

استاذالعلما فخرابلسنسطل منهان محقق دورال مولا ناع المصطفى صاحب استاذالعلما فخرابلسنسط المرشيخ الدريث العلم الميراجي هم

و ازرایی

بر بسترکید ده سنی نهیں اور یشخص محترب ملی صنی افتاد مین کو صفرت مدیل و فا وق بی الله عنها میں بہتر کید ده سنی نهیں اور یشخص محت محترب ملی صنی افتاد عند می نهیں جا بچہ مواعق تراف میں ایم ابن جر فرات میں در جری میں بات پر طب کے بزرگ اور ارکیے علم متنفی بیں وہ یہ ہے کہ اس ایس بی افتال ابو کر میرعمراس کے بعد اختلات ہے اکترجی میں ایم شافعی والم الحمد بی مبنور بیم ہے فراتے میں کہ ان وولوں کے بعد انعنل صفر میں بیم بیمن اور ایم ماک کامی ول مشہور بیم ہے فراتے میں کہ ان وولوں کے بعد انعنل صفر منان میں ویسی اور ایم ماک کامی ول مشہور بیم ہے فراتے میں کہ ان وولوں کے بعد انعنل صفر منان بی ومنی اند عنہم ،

معنرت ایم سس رئے الا اللہ اللہ میں او ہوں الا میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ میں اللہ می مقدی صحابی الموسے ان کا اور صفر آ اندس میں اللہ وسوے کے زوئی رشت وار بس مرت پائے واسطوں سے ان کا مسبب بی روم بی اور انحفرت کی مسبب بی روم بی اور انحفرت کی اور انحفرت کی اور انحفرت کی اور اندا بی مسبب میں ہوئے کی اور آب میں اللہ میں میں اللہ میں میں اللہ میں میں اللہ میں میں اللہ میں میں اللہ میں میں اللہ میں میں اور آب خلافت سے دست برد امر معنون ایم سس رہے اندا میں میں اور آب خلافت سے دست برد امر

موک مرت ایرمعادیر رض اف منزکو بوشنس براکها ہے و و رحقیقت مخرت ایم من رضی افتا من رضی افتا من رضی افتا من رضی ا اندمنز کو براکه ایسا بخش داختی ہے یا خارجی ہے اور مبی بی بیشنس المسنست سے نہیں برسکتا ہے اس کے کومما براور البیست سے بہی کوگ مارت رکھتے ہی سسنی تو ان دولوں سے مجدت کرتے ہیں واسٹ رائل

> فيروبرالمصطفالانبري ميشنخ الحديث وارالعلوم امجديدكراجي منط معالي منطبي المحالي منطبي المحالية المحالي

مصرت المولانا بيرهم والمم من منزرة ورئ ورئ مورد المال ومقدس من منزري ورئ ومندس

الركان درسندم،

مجے فائل فرمغتی محد فلام مرور ما حب نادری کی تختین سے مکل آفان ہے اس ب کونی ٹک مبیں ہے کہ المبنت وجاعت کا بہی مغیدہ سے کہ صرت البر کرید بن تمار میں بسے افغنل بی بچرصرت عرفادون رضی افتد عنہا ، صرت مل کرم اللہ دجیئہ کو ان سے افغال سمنام اب فرمند بہب المبنت سے خودی ہے اس طرح کمی می صحابی الفعوص صرت ایر معادبہ رمنی اندوز پر طون کن اسسلام پرجرے کو مستنزم اور نصوص تطعیم سے الکار کے متراد سے ، وم و تعالی ہم پر طون کن اسسلام پرجرے کو مستنزم اور نصوص تطعیم سے الکار کے متراد سے ، وم و تعالی ہم

محمرفاتم منهن



## صرت علامه مولانا مخراكم صل، خطیت مع معدر ادلیندی كا فرمه می ا

درا دلیستدی

صفرت مل کرم الله وجهد کو صفرت الجرکم مدین و فاروق المعلم وض الله عنه اسک مرار ایان سے
انعل سمجن اصمار کرام المعنوص صفرت امیر معادیہ پرطمن کرنا المسنت وجا عنت کے عقیدہ کنجلات
اندا ایر اشخی اسمنت سے نہیں ہے ۔ اہذا ہو تحقیق فائل مجیب مغتی محد غلام مرد روا دری نے جراب
می کا ریز ان ہے وہ الکی میرے ہے۔

متط فقیرمحداکرم خلیدما. مع مسبحدمددد ادلیزی در اولیشن نفس الی



فزامنت صريط مهونا شاه محموات الدصاء فادرى ادليزى كا

وري

رادلس نثري

منتی تحدملام سرورقا دری کا بواب بالکل میج سے ادرجوانہوں نے مزیدی ہے کر تفعیل سنسینی کا مسئے کو ادرصی امرکام بالمغیوص صفرت امیرمعا دیدونی اسٹ دیوز سے احجی متب عدمت رزرکھنے والا اجمنت سے نہیں ہے۔۔۔۔۔۔ شاہ عمر مارف افغرقادری 1 م/ بی مشلائٹ ماؤن داواندش

ام المستن عمد المطم من الماضى الفرس على من من موى براى الماضى الفرس على من من موى براى من المستن المامع من المستندين المامع مدا مشب الماميد براي من مسيد براي من مسيد براي من الماميد براي من

ويريكارو (مستديد)

مواة ه العلى القوى سيسيخ الجامع ما معد است دير بيرگوم فيراوير

صنرت علامه ولانا بيرسيد فترسس شامصنا نام الحامن عوة اسلام كالي

صرات الماركام في جوابات ويبيع وواتى ومواب مي المن صفرت الوكر ومن الدون بعد

میره ایرای کراچی نبری س معلقه

صرت برسير معلى شابه ما وسياد كنين درار ماليد نفته بركرا والرشراف كا

سامیول ،

مجه مرکور: بالانتحقیقات طا البمنت سه کال آفات سهد

محمر من شا وسماده شبین را برعالیه نقشند پی صفرت کردازاد مند ا

منع ما بيول *۽* 

(44)

صرت برسید مین میاه نبیره صرت بربیرهای تابعه میدن می اوری

می سیدس دسیانگوش،

ورا

البسنت وم عن كم ملات سب كرام المؤمنين مسيدن الوكرمدين اورمستدن عمران وم وارت المران عمران المرمستدن عمران المرمن المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتف كرم المرتب المناس ملا البسنت مقات مرام المرتف كرم المرتب المناس ملا البسنت مقات مرام المرتف كرم المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المرتب المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب المناس المرتب ا

ک ملاست به سیدک ده آن دو بزرگون کونمام صحابه سے اضال مباسنے جشمعی بین کی انصیبت کا بنگر ہوا بسنت ا سے خارج ہے اس کے پیچیے نماز محر دو تخری دا حب الا مادہ سے ایسے کوا مام زبایا میاسے

بی کریم مل اندمیر دستم کے تمام صحابر مرابت کے روستسن نیاداور میکے مہدنے مستنارسے یم تمام بی بردیج و ترتیب انفیلت کے الک بیما وران تمام کو رضا سے الہٰی حال ہے ، کسی کا تان میں گستناخی اور طمن ترشیب بینے بیان ایمان کومنا نے کرنا ہے ۔

جوصرت المرالومين معادر من افدع في ومعاذا فلا فاس كبلب وه خومبت برا فاس، بد فرب بردن ب الباشف البنت ك زمره س فادح باس كالمبنت ومامت سكول ودركامي واسطنسي ب اسس كوام با نام أز وحرام ب اس كة بجيامبن وجامت ك افترار قطعا فام أرج اس كريجي فماركاية نهين مرتى دالله تعلك ومشول ما علم بالصواب

حرد خلام رسول مدرسی مدرم نعتندیر مل پرمشدین - ۱۲۸ دم برای در مساور سرای در سای در مربرای در

جاب میاسے دین دفر کے مین مطابق ہے۔ اخر حمیدن جامق علی اوری عق عدد ا

صغرت ملامه مولانا بيرميال مبيب للحرصاص من متردى كا

وو می از دری را شیخواره

(FO)

بيوره تغري<u>ب</u> (كيمبل بوره)

ہجاب بلاکرام تی ومحاب سیسے ہیں بم منفق موں کریں المست، وجا مسندی نرب ہے اس کامی مندا جمنت سے خارخ سے امامن شدکے لائق بم نہیں ہے ،

الوالكم محاضا ومسين شاد عفرله يوريرشد لع مسيده كمسارل

بالبولبيرواله كالمنتوى

المواصحبيح

فتبرخ محدقاوري فجم يؤدما ليربير الرمنع منان

ما بيوال كالمستوى

الجواب من بيمواب والمجيب معيسب ومثاب عدالنه مذيل امريدن وندر

الإانتعرضطورا ممدبى مامعه فريد يرسيابوال

الجزارميمح

فبراد المعال ما رمي

بلم عن وارالعوم ما مدير منوبه مرزا أوم خان مرود مي بيري كرامي

وارالتك ادنوبه

الجاب محسيح والمجيب معيب

محرحما والحق الصديق

خليب ما مصريماكبرى واراسسام توب

من خولوره

استنفتا كاج ابنكوث بالاسطود فقرضني وعقائدا لمسنت كميه بالكمطابن اور

ورست وصبح بي لارب نبير.

فغط الوالعثين محرعبدالويم البراوي حبيثتى وموى استم در مرد ارا تعلوم حبيث يترومور فا نقاره ووكران تعبيل وسي كالتبريخ لوره

فران

الجواب مجيح ونبل فدفييع

معنی دشیخ الحدیث ملامرسید برمیال البران شا بعداصب معتی دشیخ الحدیث مرمرمامع محدید دمنودکمی تربیب مخبیل بجالبر دگرات،

مرالوث

الجوارمي طرت علاقه مولاً محدماً خليب الم مهرياكوت:

ميانوالي

الجواب معيس والمبيب بنح

مصرت مولا نا بیرخلام فخرالدین گانگوی عفی عرز میا نوالی تنهر مهتم مرتمسس و لوم دسجا ده شین شاز عالیه گانگورمیا نوال معطفتم کوره

فرلك كذلك والجواب ذلك،

د مفرت على ممغتى ، نيازا حمد عنى عدن خطبسط. مع مسجد مسروار الحسب رخال على بور يمنسس ليع منطع بركومه

> ر ولرسيدري م المرب وم الحواب

ابوالمعانی غلام سبحانی قادری ضری مهم مرسیبدی میسبر در وان له دری میمواهدی و تبدید و در دادندی

مها وليو

الجاميحيين

فعیرتا دری ابرصا مع محدسبف احدادبی دخوی غغراز مهرست مم مدرسدها معالیسبد رصور بها دل اد

انواب یج دصواید و المجیب مصیب و مثنایب وانند تعلیط و درسوله المام العم بالعواب فقیرالوالجیر محرسین مفتی دستین الحدیث جا معیزوند در مشرک

کارلگافراللنتر ما البنت وشائع من کتریم الله تعالی نے فیری تعیق کی کمال آئید فران حیال منظم الله اید فران حیال منافع احسن الحب الرسس سے برمکوعقل مذکے لئے کوئ علیم الله و الله در الله

میں ایرکری ہوں کو اس سے بڑھک کے مشدیں متلاصرات کے تمکوک وشہات و وردوائیں میں ایرکری ہوں کو اس سے بڑھک کے مشدیں متلاصرات کے تمکوک وشہات و وردوائی گے اور وہ ابنی معلی سے رج سے کرکے تسبول می کوئی کا ل زفرائیں گئے۔

والعواب مجرتہ صاحب فعل الخطاب سیدنا مستبدا لا نبیار وا کمرسیین واکہ وصحبہ الجیمن کی ایم الین

نیازمند محدغلام سوری وا دری مضطفوی محدملام سوری وا دری مضطفوی



Marfat.com

